जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

कोटा

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

कोटा, शुक्रवार 20 मई, 2022

विचार बिन्दु

मानव जीवन धूल की तरह है, रो-धोकर हम इसे कीचड़ बना देते हैं। –बकुल वैद्य

कैसा मेरा देश है, जिसकी न अपनी भाषा है और न संस्कृति के अनुरूप उसका नाम इण्डिया, न वेबसाइट इण्डिया सरकार भारत ही है।

गांधी का सूत्र वाक्य था, ''कोई भी देश सच्चे अर्थों में तब तक स्वतंत्र नहीं है जब तक वह अपनी भाषा में नहीं बोलता''। यदि भारत को एक राष्ट्र बनाना है तो चाहे कोई माने न माने, राष्ट्रभाषा तो हिन्दी ही बनेगी। संभवतः इसी से प्रेरणा प्राप्त कर संविधान के अनुच्छेद 343 में यह घोषणा की गई कि राजभाषा हिन्दी होगी। रविन्द्रनाथ टैगोर के विचार के अनुसार किसी भी अन्य देश की विदेशी भाषा के माध्यम से शिक्षा प्रदान नहीं की जावे। अनुच्छेद 343 में राज भाषा शब्दावली का उल्लेख राष्ट्र भाषा के संदर्भ में किया गया है। संविधान में देश को राज्य कहकर पुकारा गया है अतः राष्ट्र भाषा न कहकर हिन्दी को राजभाषा कहा गया है। राष्ट्र शब्द का प्रयोग अनुच्छेद 51क में किया है जो 42वें संविधान संशोधन अधिनियम 1976 से लाया गया है। इसके अतिरिक्त संविधान में प्रेसीडेन्ट ऑफ इण्डिया को राष्ट्रपति कहा गया है। अनुच्छेद 51क में राष्ट्र ध्वज व राष्ट्रगान का उल्लेख है।

आश्चर्य है पशु-पक्षी तो राष्ट्रीय घोषित किये गये हैं, किन्तु अंग्रेजी जो विदेशी भाषा है राष्ट्र भाषा हिन्दी के स्थान पर, सिंहासन पर बैठी है और देश का नाम इण्डिया उसकी संस्कृति के अनुरूप नहीं है। राष्ट्र भाषा के बिना हमारा देश आज गूंगा है। संविधान के अनुच्छेद 343 में यह कहा गया है कि ''संघ की राजभाषा हिन्दी होगी और अनुच्छेद 120 में यह उल्लेख किया है कि अनुच्छेद 348 के उपबंधों के अधीन रहते हुये संसद के कार्य हिन्दी या अंग्रेजी में किये जावेंगे तथा जब तक विधि द्वारा अन्यथा प्रबंध न करें जब तक इस संविधान के प्रारम्भ से 15 वर्ष की अवधि की समाप्ति के पश्चात यह अनुच्छेद ऐसे प्रभावी होगा मानो कि 'या अंग्रेजी में' शब्दों का उसमें से लोप कर दिया गया है। चूंकि विधि द्वारा अन्यथा उपबंध नहीं किया है अतः 15 वर्ष की अवधि की समाप्ति के पश्चात यह अनुच्छेद ऐसे प्रभावी होगा मानो 'या अंग्रेजी में' शब्दों का लोप कर दिया गया हो।

अनुच्छेद 210 में यही व्यवस्था राज्य की असेम्बली के संबंध में है।

प्रत्येक देश की अपनी भाषा होती है। भाषाओं पर और राष्ट्र भाषा पर गर्व होना चाहिये किन्तु अंग्रेजी हमारे देश की भाषा या बोली नहीं है, यह तो यू.के. की (अंग्रेजों) की भाषा है। हमारी भाषाये तो वे हैं जिनका उल्लेख संविधान की आठवीं सूची में है। ये 22 हैं, जन्म से बोली जाने वाली हैं। इन्हीं में राज्यों में बोली जाने वाली भाषायें हैं, जिसे राज्य के भाषायी अधिनियम द्वारा प्रत्येक राज्य ने स्वीकार किया है। यह दुर्भाग्य की बात है अंग्रेजी मातृ भाषा नहीं है वह फिर भी राष्ट्र भाषा की गद्दी पर बैठी है। जबकि संविधान के अनुसार 26.1.1965 से हिन्दी राज भाषा हो चुकी है।

देश की शिक्षा नीति है और देश के विद्वानों ने, सर्वोच्च न्यायालय के मुध्य न्यायाधीश ए.वी. रमना ने तथा देश के प्राइम मिनिस्टर मोदी ने एक आयोजन में कुछ दिन पूर्व ही कहा था कि हमें अदालतों में स्थानीय भाषाओं को प्रोत्साहन देना चाहिए, इससे सामान्य जन का न्याय की प्रणाली के प्रति विश्वास बढेग़ा। शिक्षा नीति पर भी यही विचार विद्वानों से अभिव्यक्त किये हैं कि शिक्षा अपनी भाषा ही में दी जानी चाहिए। जबकि सरकार स्वयं इसके विपरीत कार्य कर रही है। देश में अंग्रेजी स्कूलों की बाढ़ आ रही है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोलने को क्रान्तिकारी कदम कहा है। यही राजस्थान के बाबत कहा जा सकता है। लोगों में क्रेज है कि बच्चों को अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में भर्ती कराया जावे। देश को इस पर ध्यान देना होगा। अंग्रेजी पढ़ाओ, किन्तु हिन्दी को महत्वहीन न माने। यह कदम सराहनीय है कि अंग्रेजी में हिन्दी अर्थात् दोनों माध्यम से शिक्षण संस्थानों के संचालन से लोगों को विकल्प चुनने का अवसर मिला है। 5 वर्ष की लॉ की डिग्री प्राप्त करने वाले एडवोकेट हिन्दी में एफआईआर नहीं लिख सकते न हिन्दी में प्लीडिंग्स ही सफलता के साथ लिख सकते हैं। अमेरिका के शासकों का विचार है कि ''यदि हमें भारत से 100 प्रतिशत व्यापार प्राप्त करना है तो हिन्दी सीखनी होगी, क्योंकि गावों में 80 प्रतिशत व्यापार है वहां के लोग अंग्रेजी नहीं जानते''। वहां 100 से अधिक यूनिवर्सिटीज में हिन्दी पढ़ाई जाती है।

किसी भी लोकतंत्र के लिये यह शर्म की बात है कि उस देश की राष्ट्रभाषा, वहां की मातृ भाषा ही न हो और अन्य देश की भाषा देश की राजभाषा हो। सभी देश अपनी देश की भाषा में बोलते हैं और शासन करते हैं, केवल भारत ही एक मात्र देश है जहां राजभाषा देश की मातृभाषा न होकर, अन्य देश की भाषा है।

यह भी एक दुर्भाग्य ही है कि संविधान में देश का नाम India, that is Bharat कहा गया है। जबकि India हमारी संस्कृति का शब्द नहीं है। पुराणों उपनिषदों आदि धार्मिक ग्रन्थों के अनुसार देश का नाम ऋषभदेव के पुत्र भरत के नाम पर भारत है। यों भी भारत का अर्थ भा रत अर्थात् धर्म में लीन है। भा का अर्थ है धर्म और रत का अर्थ है लीन होना। इस संबंध में भारत सरकार के पास प्दकपं का का नाम बदलने के हेतु एक पिटीशन प्रस्तुत की गई है। पिटीशन पूर्व में सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत की थी; न्यायालय ने यह मामला संसद के अधिकार क्षेत्र का माना है और पिटीशनर ने संविधान संशोधन कर देश का नाम 'भारत' रखने की मांग की है। पिटीशनर ने कहा कि आक्सफोर्ड डिक्शनरी के अनुसार इण्डिया शब्द का अर्थ वह ट्राइब है जो बिना पढ़ी-लिखी तथा लूटपाट करने वाली है। वस्तुतः संविधान निमात्री सभा ने संविधान में हिन्दी को राजभाषा घोषित किया, किन्तु संविधान की मूल प्रति अंग्रेजी में लिखी गई और रूपान्तर हिन्दी में हुआ संविधान में India की कोई परिभाषा नहीं दी गई।

इस प्रकार हमारी संस्कृति पर सीधा प्रहार है। हमारी अपनी संस्कृति है, किन्तु अपनी भाषा नहीं है और न इण्डिया नाम ही अपना है। एक लोकतंत्र के लिये यह श्राप से कम नहीं है।

इन परिस्थितियों में दैनिक भास्कर दिनांक 15.05.2022 के अंक 145 के पृष्ठ 1 पर यह समाचार पढ़ा कि ''अब इण्डिया सरकार भारत लिखकर सरकारी वेबसाइट खोल सकेंगे''। हम सबको गर्व की अनुभूति हुई, यह समझ में आया कि सरकार की यह पहल सचमुच हिन्दी के लिये ऐतिहासिक होगी। दैनिक भास्कर के अनुसार इसका अर्थ होगा सरकार के ''तमाम विभागों, मंत्रालय संगठनों की अंग्रेजी वेबसाइट का हिन्दी स्वरूप भारत के अपने हिन्दी डोमेन से चलाने का निर्णय लिया गया है। यानी अब वेबसाइट का नाम अंग्रेजी में नहीं बल्कि हिन्दी में ही दर्ज होगा और देश की 80 प्रतिशत हिन्दी भाषी आबादी अपनी मातृभाषा में वेबसाइट के यूआरएल दर्ज कर सरकारी महकमों की जानकारी ले सकेगी''।

सरकार की उक्त पहल सराहनीय है और यह विश्वास के साथ कहा जा सकता है, हिन्दी को इससे ऊर्जा प्राप्त होगी। राष्ट्र भाषा के महत्व को लोग समझेंगे। राजभाषा के संबंध में जो विवाद व गम्भीर चर्चायें संविधान निमात्री समिति में हुई थीं, उस विषय पर गोपाल स्वामी आयंगर के शब्दों में इस प्रकार प्रस्तुत किया जाता है:-

''हम सबने जो अन्तिम निर्णय लिया है वह है कि हमने हिन्दी को राजभाषा के रूप में अंगीकार किया। हम जब कोई लक्ष्य प्राप्त करते हैं तो हमें अंग्रेजी को जिसे हमने अपनाया था, उसे विदाई देनी होगी। हिन्दी को अंग्रेजी के स्थान पर अंगीकार करने का कार्य हमने किया है। हमें कुछ वर्षों तक अंग्रेजी का प्रयोग चालू रखना होगा, समय बाद हिन्दी पूर्ण रूप से उसका स्थान ले लेगी।''

संसद की एक कमेटी ने राजभाषा विधेयक अधिनियम, 1963 के तहत् बनाई गई थी, कमेटी ने 114 सिफारिशें राष्ट्रपति को प्रस्तुत की थीं किन्तु पालना मंत्रियों ने ही नहीं की।

किसी भी लोकतंत्र के लिये यह शर्म की बात है कि उस देश की राष्ट्रभाषा, वहां की मातृ भाषा ही न हो और अन्य देश की भाषा देश की राजभाषा हो। सभी देश अपनी देश की भाषा में बोलते हैं और शासन करते हैं, केवल भारत ही एक मात्र देश है जहां राजभाषा देश की मातृभाषा न होकर, अन्य देश की भाषा है। प्रत्येक राज्य में वहां की राजभाषा में जिसे राजभाषा अधिनियम द्वारा घोषित किया है राज्य का कामकाज हो रहा है। राज्य की भाषा से हिन्दी की कोई तकरार नहीं है। संसद से अपेक्षा है कि संसद संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा संविधान के अनुच्छेद 1 में संशोधन कर देश का नाम भारत, अनुच्छेद 343 में संशोधन कर यह लिखा जावे कि राजभाषा (राष्ट्र भाषा) हिन्दी है तथा वेबसाइट का नाम भारत की संस्कृति के अनुरूप हो। भारत का संविधान के अनुच्छेद 366 के क्रम नं0 15 में 'देशी राज्य' व 'इण्डिया' को उपरोक्त संशोधन के अनुरूप संशोधित कर परिभाषित करें।

'जय भारत', 'जय हिन्दी'।

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

उदयपुर का राजकीय विश्वविद्यालय, कुलपतियों के लिए श्रापित

आज़ादी के समय तक राजस्थान में कोई विश्वविद्यालय नहीं था अपितु कुछ राजकीय महाविद्यालय थे लेकिन उनकी सम्बन्धता आगरा यूनिवर्सिटी से थी और परीक्षाएं भी आगरा विश्वविद्यालय ही करवाता था तथा डिग्री भी आगरा विश्वविद्यालय से प्रदान होती थी। जयपुर में पहला विश्वविद्यालय खुला, उसके विकास की दास्तान भी अजीव है मोहन सिंह जी मेहता ने उसे कैसे सरकार से कम समर्थन मिलने पर भी विश्वविद्यालय का पूरा ढांचा खड़ा कर दिया।

उदयपुर में 1962 में प्रदेश का पहला और देश का दूसरा कृषि विश्वविद्यालय स्थापित हुआ लेकिन कतिपय नेताओं के दबाव स्वरुप उसे बहुसंकायी बनाकर उदयपुर विश्व विद्यालय नाम दिया गया। डॉ. जी.एस. महाजनी कुलपति नियुक्त हुए, उनसे पहले संभवतः डॉ. बी. हूजा कुलपति बने थे।

बीकानेर का पशु चिकित्सा और जोबनेर कैंपस दोनों उदयपुर यूनिवर्सिटी के संघटक कैंपस थे। कुलपति डॉ. महाजनी एक अनुभवी, योग्य विनम्र स्वभाव वाले व्यक्ति थे, वे अपनी निजी कार से ही ऑफिस आते जाते थे और मैंने सुना था कि वे एक रूपया तनखाह लेते थे। मैं उनके संपर्क में अनेक बार आया, सबोर्डिनेट स्टाफ टीचर को वे अपनी कुर्सी से उठकर स्वागत करते। ऐसे कुशल व्यक्ति को भी उदयपुर के लोगों ने आरोपों की झड़ी लगाकर परेशान किया और उनके कार्यकाल में घटित दोषों पर एक यलो बुलेटिन प्रकाशित किया। वे 1971 में यहां से चले गए, महारास्ट्रियन थे। उनके बाद श्री सत्यप्रसन्न सिंह भंडारी कुलपति बने मेरे विचार से वे प्रसाशनिक वर्ग से थे।

कुछ ही समय पश्चात् डॉ. पृथ्वी सिंह लम्बा कुलपति नियुक्त हुए। डॉ. लम्बा अनुशासन और कार्य संपादन में बड़े निपुण थे। डॉ. लाम्बा भी लोगों को नहीं भाये और कुछ लोगों ने उनके विरुद्ध मोर्चा खोल दिया, जिसमे निदेशक अनुसन्धान भी लिप्त हो गए। बाद में डॉ. लम्बा ने उन्हे सेवा से बर्खास्त कर दिया। छात्रों के एक वर्ग ने कुलपति के विरुद्ध आंदोलन किया और एक रात कुछ छात्र नेताओं ने उनके निवास में घुस कर उनसे मारपीट तक कर दी।

सरकार ने कुलपति को जयपुर बुलाया और त्यागपत्र देने की सलाह दी इस पर डॉ. लम्बा ने कहा कि मेरे बाकी बचे समय की सभी देनदारियां मुझे दे दें। सरकार ने उनकी शर्त मान उन्हें बाकी समय का धन दे दिया वे त्यागपत्र देकर चले गए। राज्य सरकार ने उनके विरुद्ध एस. डी. सिंह कमीशन (सेवानिवृत अल्लाहाबाद हाई कोर्ट जज) के अध्यक्षता में जांच आयोग बिठा दिया। वे दो वर्ष तक कुलपति का कार्य करते रहे। जांच आयोग की रिपोर्ट किताब रूप में दो वॉल्यूम में छापी गयी।

तदउपरान्त, उत्तेर प्रदेश के एक उच्च कोटि के वैज्ञानिक व् तत्कालीन मेंबर ऑफ़ लेजिस्लेटिवे असेंबली डॉ राज नाथ सिंह उदयपुर में कुलपति नियुक्त किये गए उन्होंने इस पद के लिए किसी से निवेदन नहीं किया था अपितु चंद्र शेखर और भैरों सिंह शेखावत को वे एक समारोह में मिले थे, बातचीत में भैरों सिंह शेखावत उनकी शैली व् व्यवहार से बहुत प्रभावित हुए और उन्हें उदयपुर में कुलपति पद देने की पेशकश की, जिसे उन्होंने उन दोनों से प्रभावित होकर स्वीकार कर लिया और नियुक्ति आदेश मिलने पर उदयपुर आ गए। मैं उस समय जोबनेर में कार्यरत था, उनके आने की सूचना मिलने पर मैं उनसे मिलने जयपुर हवाईअड्डा पहुंच गया। मैं उन्हे पहले से ही जानता था क्योंकि वे अमेरिका की आयोवा स्टेट यूनिवर्सिटी से डेयरी माइक्रोबायोलॉजी में पी. एच डी धारक थे और प्रदेश सरकार में कई पदों पर सेवा के वाद वाराणसी में उदय प्रताप कॉलेज में वर्षो प्रिंसिपल रहे। उदयपुर में ज्वाइन करने के बाद कुछ राजनितिक लोग

प्रो. डॉ. वीर बहादुर सिंह

किसी किताब के विमोचन को लेकर उनके पीछे पड़ गए। वे सुप्रीम कोर्ट चले गए। सरकार ने वहां अपनी हार होते देख डॉ. कुरूप को उन्हें मनाने और त्यागपत्र देने को राजी कर लिया, जिसको उन्होंने बेमन से स्वीकार कर लिया और वे त्यागपत्र देकर चले गए। तत्कालीन सरकार ने अपनी जैसे-तैसे इज़्जत बचा ली लेकिन एक उच्च स्तर के डेयरी विज्ञानी और शिक्षाविद से यूनिवर्सिटी को हाथ धोना पड़ा। तत्पश्चात प्रदेश के कृषि विभाग के निदेशक डॉ. रणवीर सिंह को कुलपति का भार सौंप दिया।

डॉ. तलवार के उपरांत प्रसाशनिक अधिकारी श्री पी.एन. भंडारी और फिर नरेंद्र सिंह सीसोदिया को कुलपति बनाया। इन दोनों के कार्य काल में कोई महत्वपूर्ण घटना नहीं घटी।

वर्ष 1985 के दूसरे छः मास में डॉ. के एन नाग जो उदयपुर में कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के अधिष्टाता थे कुलपति नियुक्त हुए। डॉ. नाग एक कुशल कार्यशील वयक्ति थे। सरकार ने उन्हे वर्ष 1987 बीकानेर कृषि विश्व विद्यालय की स्थापना कर वहां का कुलपति नियुक्त कर दिया। कार्य करते उन्होंने भी कई बड़े अनुभवी अधिकारिओं से दूरी बना कर कार्य करना शुरू किया, जिसका विरोध बहुत हुआ और प्रदेश के लगभग 13-14 लेजिस्लेटरों ने सरकार को एक विस्तृत मेमोरंडम प्रस्तुत किया, जिसके फल स्वरुप डॉ. नाग को हटना पड़ा और कुलपति का कार्य डॉ. सक्सेना मृदा विज्ञानी को सौंप दिया। इस प्रकार समय से पूर्व डॉ. नाग को सरकार द्वारा घर भेज दिया गया। उदयपुर के परिसर को विकसित करने का श्रेय डॉ. नाग को ही जाता है।

डॉ. नाग उपरांत पूर्णकालिक कुलपति बड़े फैन फेयर के साथ डॉ. हरज्ञान सिंह जो कृषि विश्वविद्यालय में पहले निदेशक अनुसन्धान थे। कुलपति नाग से नाराज होकर जम्मू कश्मीर चले गए थे, को पूर्ण कालिक कुलपति नियुक्त कर दिया। डॉ. सिंह एक कर्मठ, ईमानदार और एग्रोनोमी के विशेषज्ञ थे परन्तु अपनी हठधर्मिता के कारण उन्हें भी आरोप लगा कर पदमुक्त कर दिया सर्वोच्च न्यायालय जाते हुए उन्हें दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई उनके विरुद्ध भी मंगल बिहारी जाँच आयोग ने जांच रिपोर्ट में उनके विरुद्ध सभी आरोप बेबुनियाद और गलत पाए। उनके बाद बीकानेर में दो प्रसाशनिक अधिकारी हल्दीया और राकेश हूजा कुलपति पद का कार्य करते रहे। जब तक कि डॉ. पटेल (करनाल से) से कुलपति नियुक्त होकर नहीं आ गए लगभग 3 वर्ष से अधिक समय तक डॉ. पटेल कुलपति रहे उनके बाद नियुक्त हुए डॉ. खगेश्वर प्रधान जो एक विख्यात पशु पोषण विज्ञ थे डॉ. प्रधान के विरुद्ध भी विश्वविद्यालय के ही अफसरों ने वित्तीय घोटालों की रिपोर्ट सरकार को कर दी फलस्वरूप एक साफ़ छबि वाला निष्ठावान व्यक्ति भी विश्व विद्यालय अफसरों की व्यूह रचना का शिकार होकर पद छोड़ गया, वे भुवनेश्वर के रहने वाले थे।

तत्पश्चात वर्ष 1999 नवंबर में महाराणा प्रताप कृषि विश्व विद्यालय की स्थापना हो गयी, यहाँ भी एक-दो कुलपतिओं को छोड़कर सभी भ्रष्ट कृत्यों के लिए आरोपित हुये जिनके राजनैतिक सम्बन्ध सुद्रढ थे वे बच निकले। अभी वर्तमान कुलपति डॉ. नरेन्द्रसिंह राठौर का कार्यकाल पूरा नहीं हुआ है लेकिन विरोध चालू हो चूका है। विरोध की सीमा ऐसी कि प्रबंध मंडल के सरकार द्वारा नामित सदस्य को कुछ मुद्दों को लेकर भूख हड़ताल जैसे क़दमों को उठाना पड़ा। क्या सरकार में कोई अफसर उनसे बात कर स्थिति को संभालने में मदद नहीं कर सकता था? मेरी समझ से मुद्दे भी ऐसे नहीं हैं जिन पर कुलपति अथवा सरकार आश्वासन नहीं दे सकती? संभवतः विरोध अभी चालू है, परणीति क्या होती है समय बताएगा? लेकिन सम्पूर्ण दोष राज्य सरकार का है जिसके तीन पदेन सदस्य सेक्रेट्री स्तर के हैं। वे कभी भी प्रबंध मंडल की मीटिंग में नहीं आते फिर उन्हे प्रबंध मंडल में पदेन सदस्य रखने का क्या तात्पर्य? मैं स्वय प्रबंध मंडल का सदस्य रहा हूं और मेरा यह निश्चित मत है कि सदस्यों से रिपोर्ट मिलने पर भी सरकार कोई हस्तक्षेप नहीं करती चाहे स्थित कितनी ही विकराल हो। ऐसे विश्व विद्यालय कुलपति कैसे चलाएंगे?

उदयपुर के ही सुखाड़ीया विश्वविद्यालय के कुलपति भी आरोपों के घेरे में आ चुके हैं। केरल राज्य के राज्यपाल श्री आरिफ मोहमद खान को भी आश्चर्य व्यक्त करना पड़ा कि कुलपति की नियुक्ति में करोड़ों रुपयों की रिश्वत ली जाती है? क्या सच और क्या गलत? विश्वविद्यालय और उच्च शिक्षा बर्बादी के कगार पर पहुंच चुकी है। उस पर राजस्थान सरकार कुलपति नियुक्ति मामले में राज्यपाल की भूमिका को संभवतः नगण्य करना चाहती है? फिर सरकारी स्तर पर वरिष्टता की भूमिका कौन निभाएगा? अभी ये साफ़ नहीं है कि राज्यपाल कुलधपति भी रहेंगे अथवा नहीं? मुद्दा गंभीर व् विचारणीय है।

- प्रो. डॉ. वीर बहादुर सिंह,
पूर्व कुलपति प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि , उदयपुर

बाल श्रम उन्मूलन के लिये डरबन में आयोजित सम्मेलन में थानागाजी की तारा बंजारा ने शिरकत की

सम्मेलन में वैश्विक समुदाय को दिलाया बाल श्रम एवं बाल शोषण के खात्मे का संकल्प

थानागाजी, (निसं)। दुनिया से बाल श्रम उन्मूलन के लिए डरबन दक्षिण अफ्रीका में अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आइएलओ) द्वारा 5वें सम्मेलन का आगाज किया गया। जिसमें राजस्थान अलवर जिले के थानागाजी उपखंड क्षेत्र के छोटी सी बंजारा बस्ती निमड़ी से पूर्व में बाल मजदूर रह चुकी नोडमिक बंजारा समुदाय की लाडो तारा बंजारा ने नोबेल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी के साथ कार्यक्रम में भाग लिया।

इस अवसर पर तारा बंजारा ने अपने जैसे बच्चों की बाल श्रम, चाइल्ड ट्रैफिकिंग, बाल यौन शौषण से सुरक्षा की मांग करते हुए कार्यक्रम में वैश्विक समुदाय के प्रतिभागियों को संकल्प दिलाया कि कोई भी बच्चा बाल श्रम, चाइल्ड ट्रैफिकिंग व बाल शौषण का शिकार ना हो।

बंजारा समुदाय की लाडो तारा बंजारा ने नोबेल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी के साथ कार्यक्रम में भाग लिया।

इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए तारा बंजारा ने कहा कि आज हम हर बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा मुहैया कराने की जिम्मेदारी एवं जवाबदेही का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि दुनियाभर की सरकारें बच्चों को अपने वोट का हिस्सा नहीं मानकर बच्चों को सुरक्षा मुहैया कराने का कोई प्रयास नहीं करती है।

■ राजस्थान से पूर्व बाल मजदूर अमरलाल, राजेश जाटव एवं तारा बंजारा ने कार्यक्रम में भाग लिया

तारा ने अपनी बस्ती सहित आस-पास से 22 बच्चों को बाल श्रम से मुक्त करवाकर स्कूल में दाखिला करवाया तथा तारा लगातार बाल आश्रम संस्थापिका सुमेधा कैलाश के मार्गदर्शन में बाल विवाह एवं अशिक्षा के कलंक को मिटाने के लिए संघर्ष कर रही है।

तारा अपनी समुदाय एवं बालिकाओं के लिए अपने आप एक मिसाल बन गई है। तारा बंजारा बस्ती की पहली युवा लड़की है जो स्कूली शिक्षा पूरी कर कॉलेज में दाखिला लेकर अपनी उच्च शिक्षा की पढ़ाई करने में जुटी हुई है तथा तारा पुलिस सेवा में जाने का सपना पूरा करने के लिए मेहनत कर रही है।

डरबन दक्षिणी अफ्रीका में आयोजित बाल श्रम उन्मूलन सम्मेलन में राजस्थान से पूर्व बाल मजदूर अमरलाल, राजेश जाटव एवं तारा बंजारा ने कार्यक्रम में भाग लिया।

पेयजल समस्या से त्रस्त वार्ड संख्या 10 के लोगों ने मटके फोड़ जताया आक्रोश

अजमेर, (कासं)। नगर निगम के वार्ड संख्या 10 रावत नगर भाटी की डांग में पेयजल समस्या से त्रस्त वार्डवासी महिलाओं ने गुरुवार को भीषण गर्मी के बीच मटका फोड़ कर जल दाय विभाग के अधिकारियों के खिलाफ आक्रोश जाते हुए प्रदर्शन किया और समस्या के जल्द समाधान की मांग की। समस्या का समधान नहीं होने पर जल दाय विभाग और जिला कलेक्ट्रेट पर धरना प्रदर्शन की चेतावनी भी दी।

नगर निगम के वार्ड संख्या 10 स्थित रावत नगर भाटी के डांग वार्डवासी महिलाओं ने गुरुवार को क्षेत्र में पर्याप्त और नियमित पेयजल सप्लाई नहीं होने से आक्रोशित होकर जल दाय विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मटके फोडक़र अपने आक्रोश का इजहार किया। क्षेत्र की महिला और पुरुषों ने बताया कि वार्ड नंबर 10 के रावत नगर भाटी की डांग में रहने वाले लोग बरसों से पेयजल समस्या से त्रस्त है, लेकिन क्षेत्र में मात्र 15 मिनट के लिए पेयजल सप्लाई ही होती है, वह भी कम प्रेशर के साथ, इसके बावजूद यहां हेडपंप लगे हुए हैं, लेकिन वह काम नहीं करते। क्षेत्रवासियों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में लंबे समय से पानी की समस्या बनी हुई है। इससे पहले भी कई बार अधिकारियों को अवगत करवाया गया है। लेकिन उनकी समस्या का आज तक हल नहीं हुआ। जबकि इन दिनों अजमेर में भीषण गर्मी पड़ रही है, जिसके कारण पानी की समस्या विकराल रूप ले रही है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में पानी सहित अन्य समस्याओं को लेकर न तो विधायक और न ही पार्षद कोई ध्यान दे रहा। कई बार जलदाय अधिकारियों को भी समस्या से अवगत करवाया गया लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही। लोगों ने चेतावनी दी कि आज तो मटकी फोड़ कर विरोध प्रदर्शित किया गया है।

आक्रोशित वार्डवासियों ने जलदाय विभाग के कार्मिकों के खिलाफ मटका फोड़ प्रदर्शन किया।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रवार 20 मई, 2022

ज्येष्ठ मास, कृष्ण पक्ष, पंचमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2079, उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र रात्रि 1:18 तक, शुभ योग दिन 11:24 तक, कौलव करण प्रातः 6:57 तक, चन्द्रमा प्रातः 8:45 से मकर राशि में प्रवेश करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-धनु, मंगल-मीन, बुध-वृष, गुरू-मीन, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

कुमार योग रात्रि 1:18 से सूर्योदय तक और सर्वार्थ सिद्धि योग और रवियोग रात्रि 1:18 से आरम्भ होगा। आज विवाह मुहूर्त उत्तराषाढा में है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:21 तक, लाभ-अमृत 7:21 से 10:43 तक, शुभ 12:23 से 2:04 तक, चर 5:25 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 5:41, सूर्यास्त 7:06

मेष
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। धार्मिक-सामाजिक कार्यों में धन खर्च हो सकता है।

वृष
परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। पारिवारिक कार्यों व्यस्तता बनी रहेगी। अतिथियों का आगमन रहेगा। व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मिथुन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा। आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

कर्क
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

सिंह
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

तुला
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

वृश्चिक
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

धनु
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

मकर
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। मानसिक तनाव दूर होगा। मनःस्थिति में सुधार होगा।

कुंभ
घर-परिवार के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

मीन
व्यावसायिक/आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल हेगी।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 47 संख्याः 216 प्रभात कोटा, शुक्रवार 20 मई, 2022 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 8 मूल्य 1.20 रु.

जैसे-जैसे वन्यजीव पर्यटन बढ़ा है, पर्यटकों में वन्यजीवों के करीब जाने की प्रवृति भी बढ़ी है। मलेशिया में तो पर्यटक मोटर बोट्स पर चढ़कर नदी किनारे रहने वाले प्रोबॉस्कस (प्रोबॉसस) बंदरों के बिल्कुल करीब जाने का प्रयास करते हैं। पर्यटक तो लुत्फ उठाते हैं लेकिन इस दखलंदाजी से बंदर परेशान हो जाते हैं। मुख्य शोधकर्ता, ब्रिटेन की युनिवर्सिटी ऑफ पोट्र्समाउथ की मारियाना डाविला- रॉस कहती हैं कि ''वर्षा वनों में मोटर बोट के सहारे प्राइमेट इकोटूरिज़्म बहुत बढ़ रहा है, इसमें मलेशिया भी शामिल है। हमने शोध में यह जानने का प्रयास किया है कि मोटर बोट्स का इन जंगली वानरों पर किस हद तक नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है, खासकर प्रोबॉस्कस वानरों पर, क्योंकि अभी तक भी इस विषय पर कोई अध्ययन नहीं हुआ है।'' शोधकर्ता लिखते हैं कि ''पर्यावरण में मनुष्य की वजह से होने वाले परिवर्तनों के कारण वानरों व अन्य जानवरों की तरफ इंसानों की पहुंच कायम रहेगी जिससे उनके अस्तित्व के लिए चुनौतियां और बढ़ेंगी। पर्यटन क्षेत्र में इकोटूरिज़्म तेजी से बढ़ता सैक्टर है। इसमें पर्यटक जानवरों के बहुत करीब जाते हैं, जिससे जानवरों में रोग संक्रमण तथा कॉर्टिसॉल (तनाव संबंधी रसायन) बढ़ने का खतरा हो जाता है। विश्लेषण के लिए शोधकर्ताओं ने मलेशिया के सबाह राज्य में नदियों के किनारे रह रहे प्रोबॉस्कस बंदरों के 6 समूह बनाए। हरेक समूह में एक नर व कुछ मादाएं थीं। शोधकर्ताओं ने लोअर किनाबातांगन वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी में किनाबातांगन नदी के समीप रह रहे वानरों पर शोध किया। वहां लगभग दो से तीन हज़ार वानर हैं। शोधकर्ता मोटर बोट में सवार होकर तीन अलग-अलग रफ्तारों व दूरी से वानरों के पास पहुंचे, फास्ट क्लोज़, स्लो क्लोज़ और स्लो फार। उन्होंने, तीनों स्थितियों में, नौका के आने से पहले बंदरों द्वारा प्रदर्शित व्यवहार की तुलना नौका पास आने पर उनके व्यवहार से की। उन्होंने देखा कि फास्ट क्लोज़ व स्लो क्लोज़ स्थिति में बंदर नौका को घूर रहे थे, पीछे हटकर पत्तों के पीछे छिप रहे थे और लगातार खुजा रहे थे। इन स्थितियों में उनका तनावजनित व्यवहार ज्यादा देर तक चला। इन्टरनैशनल जर्नल ऑफ प्राइमटॉलजी में छपे शोध में डाविला रॉस कहती हैं कि, ये नतीजे पक्षियों व समुद्री स्तनपायी जीवों पर हुए शोध के नतीजों जैसे ही हैं, जो कहता है कि तेज आवाज वाली नौका के पास आने पर स्ट्रैस होना सर्वव्यापी प्रतिक्रिया है, क्योंकि यह स्थिति जानवरों को खतरे जैसी लगती है। यह पहला शोध है जो दर्शाता है कि मोटरबोट करीब आने पर बंदर भी तनावग्रस्त हो जाते हैं।

'गेहूँ के निर्यात पर प्रतिबंध, अमीर देशों की जमाखोरी रोकने के लिये है'

'कोविड-19 के समय अमीर देशों ने वैक्सीन की भारी जमाखोरी की, जिससे अमीर देशों के पास आवश्यकता से अधिक वैक्सीन थी, जबकि गरीब देशों को प्रारंभिक डोज़ भी नहीं लगी थी'

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **भारत के विदेश राज्य मंत्री मुरलीधरन ने यू.एन.ओ. की बैठक में गेहूँ के निर्यात पर प्रतिबंध को पुरज़ोर ढंग से सही ठहराया। बैठक की अध्यक्षता अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिन्कन कर रहे थे।**
- **''प्रतिबंध से भारत अपनी ''फूड सिक्युरिटी' के अलावा पड़ोसी देशों की तथा निर्धन देशों की आवश्यकता पूरी करना चाहता है। ''ओपन मार्केट'' का मकसद कुछ अमीर देशों की असमानता को पनपाना नहीं है।''**

नई दिल्ली, 19 मई। गेहूं निर्यात पर प्रतिबंध लगाने के अपने निर्णय का सुदृढ़ बचाव करते हुए और अमेरिका तथा जी-7 देशों की सीधी आलोचना का जवाब देते हुए भारत ने खाद्यान्नों की जमाखोरी व खाद्यान्न की कीमतों में ''अनुचित वृद्धि'' व भेदभाव को लेकर चिंता प्रकट की है। भारत ने पश्चिमी देशों को सावचेत किया है और जताया कि खाद्यान्न मुद्दे का हश्र कोविड-19 वैक्सीन्स के जैसा नहीं होना चाहिए, जिसमें गरीब देशों ने शुरूआती डोज़ के लिए भी संघर्ष किया, जबकि अमीर देशों के पास वैक्सीन के जरूरत से अधिक डोज़ थे।

''ग्लोबल फूड सिक्योरिटी कॉल टू एक्शन'' विषय पर आयोजित मंत्रिस्तरीय मीटिंग में विदेश राज्य मंत्री वी. मुरलीधरन ने भारत की आशंकाओं को स्पष्ट रूप से सामने रखा। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में मई माह के लिए अमेरिकी अध्यक्षता के अधीन इस मीटिंग की अध्यक्षता अमेरिका के विदेश मंत्री एन्टनी ब्लिंकन ने की।

मुरलीधरन ने कहा कि गेहूं निर्यातों को प्रतिबंधित करने का भारत का निर्णय इसकी सर्वाधिक जरूरतमंद तक ''वास्तविक'' पहुंच सुनिश्चित कर सकता है। उन्होंने इस पर जोर दिया कि ''कम आय वाले कई समाज आज बढ़ती कीमतों और खाद्यान्न प्राप्त करने में कठिनाई की दोहरी चुनौतियों से जूझ रहे हैं। यहां तक कि खाद्यान्न का पर्याप्त स्टॉक रखने वाले भारत जैसे देश भी खाद्य कीमतों में अनुचित वृद्धि देख चुके हैं। स्पष्ट है कि जमाखोरी और सट्टेबाजी अपना काम कर रही है। हम इसे बिना चुनौती दिए नहीं रह सकते।''

उन्होंने कहा कि ''हमारी स्वयं की खाद्य सुरक्षा तथा पड़ोसी एवं अन्य कमजोर विकासशील देशों की जरूरतों में सहयोग देने के लिए हमने गेहूं निर्यात को लेकर गत 13 मई को कुछ उपायों की घोषणा की थी।''

मंत्री ने जोर देकर कहा कि भारत वैश्विक खाद्य सुरक्षा को आगे बढ़ाने में अपनी उचित भूमिका निभाएगा और इस तरीके से कार्य करेगा जिसमें साम्य व करूणा हो तथा सामाजिक न्याय को प्रोत्साहन मिलता हो।

मुरलीधरन ने कहा कि ''हम भारी कीमत चुकाकर पहले ही यह देख चुके हैं कि इन सिद्धांतों की कोविड-19 वैक्सीन्स के मामले में किस प्रकार अनदेखी की गई।'' उन्होंने आगे कहा कि जब बात खाद्यान्न की हो तो सभी देशों के लिए यह आवश्यक है कि वे ''साम्य'' क्रम सामर्थ्य और ''खाद्यान्न तक पहुंच'' के महत्व को उचित प्रोत्साहन दें।''

मुरलीधरन ने मुश्किल समय में अपने सहयोगियों की मदद करने के भारत के ''ट्रैक रिकॉर्ड'' का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि कोविड-19 की वैश्विक महामारी व यूक्रेन युद्ध सहित वर्तमान संघर्षों के बीच भी देश में खाद्यान्नों की कमी नहीं रही है।

उन्होंने कहा कि वसुधैव कुटुम्बकम (विश्व एक परिवार) तथा पड़ोस पहली प्राथमिकता के संस्कारों पर चलते हुए हम हमारे पड़ोसियों की सहायता करना जारी रखेंगे और उनके कठिन वक्त में उनके साथ हमेशा खड़े रहेंगे।''

भारत ने झुलसा देने वाली गर्मी के कारण गेहूं की कमी के बीच उसकी ऊंची कीमतों पर नियंत्रण करने के उद्देश्य से गत 13 मई को इसके निर्यातों पर प्रतिबंध लगा दिया था।

केन्द्र सरकार के अनुसार इस आदेश से तीन प्रमुख उद्देश्य सधे। भारत की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना और महंगाई को नियंत्रित करना, खाद्यान्न की कमी का सामना कर रहे अन्य देशों की मदद करना और एक सप्लायर के रूप में भारत की विश्वसनीयता को बनाए रखना।

तथापि डायरैक्टोरेट जनरल ऑफ फॉरेन ट्रेड (डी.जी.एफ.टी.) ने इस निर्णय को अधिसूचित करते हुए गत सप्ताह कहा था कि केन्द्र सरकार की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'शिवाजी की भूमि पर, औरंगाबाद में औरंगज़ेब की कब्र की क्या आवश्यकता है'

राज ठाकरे व पूर्व मु.मंत्री देवेन्द्र फड़णविस द्वारा यह मुद्दा उठाने के बाद महाराष्ट्र सरकार ने औरंगज़ेब की कब्र पर सुरक्षा बढ़ायी

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **जब से तेलंगाना के विधायक अकबरूद्दीन ओवैसी ने कब्र पर जाकर सम्मानपूर्वक फूल चढ़ाये, यह कब्र एक राजनीतिक मुद्दा बन गयी है।**

नई दिल्ली, 19 मई। औरंगाबाद स्थित सम्राट औरंगजेब का मकबरा महाराष्ट्र की राजनीति का नया केन्द्र क्यों बन गया है?

राज्य विधानसभा में सर्वाधिक विधायक होने के बावजूद, सरकार बनाने में असमर्थ रहने की निराशा के दंश से पीड़ित भाजपा उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली एम.वी.ए. (महाराष्ट्र विकास अघाडी) सरकार को अस्थिर करने की कोशिश लगातार करती आ रही है। फिल्म स्टार सुशांत सिंह राजपूत की मृत्यु से संबंधित केस में मुम्बई पुलिस को कटघरे में खड़ा करने की कोशिशों के बाद, अंबानी के आवास के पास, एक कार में विस्फोटक पदार्थ पाये जाने के प्रकरण में हुई जांच-पड़ताल के सिलसिले में, केन्द्रीय एजेंसियां अलग-अलग तरीके से राज्य सरकार को घेरती दिखाई दीं। औरंगजेब के स्मारक से संबंधित विवाद के चलते, भाजपा को ठाकरे सरकार को परेशान करने का एक और अवसर मिल गया है। इस मकबरे ने उस समय एक राजनैतिक विवाद का रूप ले लिया, जब तेलंगाना विधायक अकबरूद्दीन ओवैसी इस क़ब्र के प्रति अपना आदर-सम्मान प्रकट करने के लिय यहाँ आया। इस घटना ने राज ठाकरे की एम.एन.एस. तथा भाजपा को उद्धव ठाकरे सरकार पर हमला बोलने का अवसर दे दिया। जब महाराष्ट्र सरकार ने इस मकबरे की सुरक्षा-व्यवस्था बढ़ा दी तो एम.एन.एस. तथा भाजपा नेताओं ने सरकार के इस निर्णय पर सवाल खड़े किये। एम.एन.एस. प्रवक्ता गजानन काले ने कहा, ''छत्रपति शिवाजी की भूमि पर औरंगज़ेब की कब्र की जरूरत क्या है? इस मकबरे को ध्वस्त कर दो। बाला साहेब ने भी यही कहा था।'' वरिष्ठ भाजपा नेता प्रसाद लाल ने प्रश्न किया, ''क्या बाला साहेब ठाकरे का हिन्दुत्व यही है? या फिर यह शरद पवार और सानिया गांधी का हिन्दुत्व है? औरंगज़ेब ने मंदिर नष्ट कर दिये थे। जब तक यह मकबरा ध्वस्त नहीं कर दिया जाता, हम चैन से नहीं बैठेंगे।'' वरिष्ठ भाजपा नेता तथा पूर्व मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने कहा: ''बाला साहेब को यह देखकर बहुत कष्ट हुआ होता कि उनके पुत्र के शासनकाल में, हनुमान चालीसा का पाठ राजद्रोह हो जायेगा तथा औरंगजेब के मकबरे पर जाना एक अनुष्ठान (प्रोटोकॉल)।

औरंगजेब का मकबरा भी मुगलकाल के उन 4000 स्मारकों में शामिल है, जो ए.एस.आई. संरक्षित राष्ट्रीय महत्व के स्थल हैं। ये स्थल 1991 के पूजा स्थल अधिनियम के तहत संरक्षित हैं।

'घर-घर राशन नहीं'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 मई। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार को आप सरकार की घर-घर राशन पहुँचाने की उस योजना को रद्द कर दिया, जिसका मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने बड़ी धूमधाम से प्रचार-प्रसार किया था तथा

- **दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली सरकार की बहुप्रचारित, राशन की होम डिलीवरी योजना पर रोक लगा दी। ये आदेश दिल्ली सरकारी राशन संघ की याचिका पर दिए गए।**

कहा था कि सरकार के इस कदम से उचित मूल्य की दुकानों द्वारा की जाने वाली राशन के सामान की काला बाजारी रुक जायेगी। यह फैसला दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल के इस्तीफे के एक दिन बाद आया है, जो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट ने बनारस के न्यायालय को आगे सुनवाई से रोका

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, अब वह शुक्रवार को दोपहर 3 बजे इस ''ज्ञानवापी मस्जिद प्रकरण'' की स्वयं सुनवाई करेगा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **बनारस के न्यायालय द्वारा गठित कमीशन ने तीन दिन, 14, 15, 16 मई को काशी विश्वनाथ मंदिर व ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में सर्वे करके, अपनी रिपोर्ट बंद लिफाफे में बनारस के न्यायालय को 19 मई को सौंपी।**

नई दिल्ली, 19 मई। सर्वोच्च न्यायालय ने वाराणसी की अदालत, जिसमें ज्ञानवापी मस्जिद केस विचाराधीन हैं, से गुरुवार को कह दिया कि इस मामले में आगे की कोई कार्यवाही न करे क्योंकि सर्वोच्च न्यायालय उसे अपने हाथ में ले रहा हैं। अब इसकी अगली सुनवाई शुक्रवार को अपरान्ह 3 बजे होगी।

न्यायमूर्ति डॉ.डी.वाई. चन्द्रचूड एवं पेमिदिघंतम श्री नरसिम्हा की बैंच ने यह निर्णय उस समय लिया, जब बैंच की जानकारी में यह बात लाई गई कि वरिष्ठ वकील हरिशंकर जैन, जो वाराणसी की अदालत में हिन्दू पक्ष का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, इस बुधवार को ही अस्पताल से ठीक होकर घर आ गये हैं। ज्ञातव्य है कि वे पिछली तारीख को अस्वस्थ थे।

अदालत द्वारा नियुक्त उस आयोग ने अपनी सीलबंद रिपोर्ट गुरुवार को वाराणसी अदालत में पेश कर दी। इस आयोग को काशी विश्वनाथ मंदिर-ज्ञानवापी मस्जिद का सर्वे करने की जिम्मेदारी दी गई थी। वरिष्ठ वकील आयुक्त विशाल सिंह ने भी अदालत को तीन बॉक्स सौंप दिये हैं जिनमें से प्रत्येक में सर्वे के अलग-अलग दिनों-14,15 तथा 16 मई को की गई वीडियो रिकॉर्डिंग बंद हैं।

शीर्ष अदालत ने इससे पहले अधिकारियों को आदेश दिये थे कि वे इस कॉम्पलेक्स के उस स्थान की विशेष सुरक्षा रखें, जहाँ एक शिवलिंग मिला बताते हैं। इसके अलावा अदालत ने लोगों को बिना किन्हीं प्रतिबंधों के मस्जिद में नमाज पढ़ने की इजाज़त दे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सिद्धू को जेल

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 मई। सर्वोच्च न्यायालय ने क्रिकेटर से सुप्रसिद्ध टी.वी. हस्ती तथा उसके बाद राजनेता बने नवजोत सिंह सिद्धू (58) को गुरुवार को एक वर्ष के कठोर कारावास का दंड दे दिया। यह सजा उन्हें 34 साल पुराने एक सडक हादसे केस में दी गई

- **कांग्रेस नेता और टी.वी. की चर्चित हस्ती नवजोत सिंह सिद्धू को 34 साल पुराने सड़क दुर्घटना मामले में सुप्रीम कोर्ट ने एक साल की कैद की सजा सुनाई।**

है। सिद्धू के लिये यह दूसरा आघात है। इससे पहले पंजाब विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की जबरदस्त हार होने के बाद, पार्टी ने उन्हें पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष से हटा दिया था।

लेकिन, न्यायमूर्ति ए.एम. खानविल्कर तथा एस.के. कौल की बैंच

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

1948 में आज़ादी प्राप्त करने के बाद श्रीलंका विदेशी ऋण चुकाने में असमर्थ रहा

ये ऋण अप्रेल में देय हो गये तथा श्रीलंका को एक माह का ''ग्रेस पीरियड'' मिला, वह भी गुरूवार को खत्म हो गया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **पर, ऋण नहीं चुकाना कई बार देश के लिये वरदान भी साबित होता है। जैसे 1991-92 में भारत लगभग ऐसी ही, श्रीलंका जैसी स्थिति में था।**
- **पर, फिर इस झटके के बाद भारत ने इकॉनमी को खोलने का साहसिक निर्णय लिया तथा उदारवादी नीति जैसे कई ठोस निर्णय लिये और भारत की इकॉनमी फिर से उठ खड़ी हुई थी।**
- **क्या श्रीलंका भारत के उदाहरण का अनुसरण कर सकेगा, क्योंकि परिस्थिति में थोड़ा फर्क है। श्रीलंका ने चीन के सस्ते ऋण के लालच में कई अतिमहत्वाकांक्षी प्रोजैक्ट्स हाथ में ले लिये थे। ये प्रोजैक्ट या तो पूरे नहीं हुए और पूरे हो भी गये तो उन प्रोजैक्ट्स से वो आर्थिक लाभ नहीं हुआ, जिसका सपना दिखाया गया था।**

नई दिल्ली, 19 मई। बढ़ती वैश्विक महंगाई, यूक्रेन युद्ध की अनिश्चितता और खासतौर पर यू.एस. फैडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि की संभावना के कारण भारत में भी वित्तीय संकट की आहट सुनाई दे रही है।

गुरूवार को इन्टर- डे ट्रेडिंग के दौरान भारतीय करेंसी एक डॉलर की तुलना में सबसे कम 77.72 रूपए रही। भारतीय करेंसी को आर्थिक सुधारों के बाद वर्ष 1992 के दौरान अन्य करेन्सीज़ की तुलना में परिवर्तनशील होने की अनुमति दी गई थी। उसके बाद यह उसकी एक ऐतिहासिक गिरावट है।

आज शेयर बाजार में भी करीब 2.6 प्रतिशत की जबर्दस्त गिरावट रही और एक ही दिन में अनुमानतः निवेशकों का 7 लाख करोड़ रुपया डूब गया। यह पिछले दो माह में हुई सर्वाधिक गिरावट है।

पड़ोस में भी आर्थिक संकट है। भारत का पड़ोसी एवं आर्थिक व राजनीतिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका ने गुरूवार को ऋणों की वार्षिक अदायगी में आधिकारिक चूक कर दी। इस देश को अपने परिपक्व कर्जों के भुगतान करने थे, जिसमें वह चूक गया। यह पहली बार है, जबकि श्रीलंका अपनी भुगतान बाध्यताओं में विफल रहा है और वर्ष 1948 में मिली स्वतंत्रता के बाद उससे इस संबंध में पहली बार चूक हुई है।

भुगतानों को लेकर श्रीलंका की चूक वास्तव में अनदेखी नहीं थी और वित्तीय बाजारों को ऐसा होने की उम्मीद थी। इससे पहले जब राजपक्षे भाईयों की पूर्ववर्ती सरकार के आर्थिक कुप्रबंधन को लेकर पूरे देश में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए थे, तब देश के वित्त मंत्री ने घोषणा की थी कि श्रीलंका 12.6 बिलियन डॉलर के विदेशी ऋणों को चुकाने की स्थिति में नहीं होगा।

एक तरह से यह एक अविचारित चूक थी क्योंकि जब ऋण अप्रैल माह में ही परिपक्व हो गए थे तब वह बकाया भुगतान में शुरू में ही चूक गया था। इस देश ने अपने पेमेन्ट्स का ग्रेस पीरियड भी गुरूवार को खो दिया।

श्रीलंका को वर्तमान आर्थिक संकट पर पार पाने के लिए करीब 4 बिलियन डॉलर के ऋण की तुरंत आवश्यकता है। बैंक ऑफ सीलोन के गवर्नर ने कहा कि चूंकि अब एक नए प्रधानमंत्री एवं उनका मंत्रिमण्डल है, इसलिए देश में कुछ करने की उम्मीद जगी है। नए वित्त मंत्री एक लघु अवधि में बेल आउट के कुछ समझौतों पर साइन करने की स्थिति में होंगे।

फायनैंशियल मार्केट्स के कुछ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जी.एस.टी. लॉ

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 मई। गुड्स एण्ड सर्विसेज़ टैक्स (जी.एस.टी.) व्यवस्था पर असर डालने वाले एक बड़े निर्णय के अन्तर्गत, सर्वोच्च न्यायालय ने गुरुवार को फैसला दिया कि जी.एस.टी. काउंसिल के निर्णय केवल अनुशंसात्मक

- **सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण आदेश जारी कर कहा कि, केन्द्र व राज्य अपना-अपना जी. एस. टी. लॉ बना सकते हैं, जी. एस. टी. काउन्सिल के फैसलों को मानना जरूरी नहीं है।**

हैं, बाध्यकारी नहीं, क्योंकि संसद तथा राज्य विधायिकाओं को भी जी.एस.टी. पर कानून बनाने के समान अधिकार प्राप्त हैं। ''मोहन पैरा मिनरल्स'' के केस में समुद्री परिवहन से संबंधित मामले में, गुजरात उच्च न्यायालय के फैसले का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सड़क हादसे में पहाड़ी के गांव खंडेवला निवासी पांच की मौत

मरने वालों में 4 चचेरे-ममेरे भाई और एक भांजा था

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर जिले के पहाड़ी के छोटे से गांव खंडेवला में कोहराम मचा है । एक परिवार के पांच जनों की पहाड़ी थाना इलाके में कल रात दर्दनाक सड़क हादसे में मौत हो गई। इस कार हादसे में दो सगे भाई भी थे। दोनों भाइयों की शादी 8 मई को दो बहनों के साथ हुई थी। मरने वालों में 4 चचेरे-ममेरे भाई और एक भांजा था।

मृतक के परिजन आसिम खान ने बताया कि हरियाणा से एक रिश्तेदार आए थे। जिन्होंने नई कार खरीदी थी। गत शाम दुकान जाने की कहकर सभी भाई कार से 8 बजे के करीब घर से निकल गए। बहुत देर तक जब वे नहीं लौटे तो चिंता होने लगी। फोन लगाया तो एक ग्रामीण ने उठाया। वह बोला कि यहां एक्सीडेंट हुआ है, सब खत्म हो गये।

घटना के बाद गांव खंडेवला के परिवार में पसरा मातम।

कार में इम्तियाज (20) और वासिम (18) सगे भाई भी थे। दोनों की 8 मई को दो बहनों से शादी हुई थी। शादी में ही पूरा परिवार जुटा था। हादसे में इम्तियाज गंभीर घायल हो गया, अलवर में उसका इलाज चल रहा है। वासिम की मौत हो गई। सभी मृतकों के परिवार आर्थिक तौर पर कमजोर हैं। इसके अलावा कार में इम्तियाज का भांजा आशिक भी था, जिसकी मौत हो गई। चचेरे भाइयों फरदीन, अरबाज और परवेज की भी मौत हो गई। सभी परिजन पहाड़ी अस्पताल पहुंचे और सभी को अलवर अस्पताल लेकर गए। जहां पांच युवकों ने एक के बाद एक दम तोड़ दिया। इम्तियाज की हालत भी नाजुक है।

रिश्वत लेते तहसीलदार, सहायक प्रशासनिक अधिकारी व दलाल गिरफ्तार

संशोधित पेंशन में विभाग द्वारा निकाली गई कमी की पूर्ति के एवज में ली रिश्वत

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर के कस्वा डीग में गुरुवार को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो भरतपुर की टीम ने 5 हजार की रिश्वत लेने के आरोप में डीग के तहसीलदार के साथ उनके सहायक प्रशासनिक अधिकारी तथा एक दलाल को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

कार्यवाही के दौरान ब्यूरो की टीम ने रिश्वत की राशि को सहायक प्रशासनिक अधिकारी से बरामद कर लिया। ब्यूरो के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेश मीणा ने बताया कि तहसील डीग से सेवानिवृत पटवारी धौला कुआं कामां निवासी मुरारी लाल शर्मा से उनकी संशोधित पेंशन में पेंशन विभाग जयपुर द्वारा किये गये एतराज की पूर्ति करने की एवज में 5,000/- रूपये रिश्वत की मांग की गई थी।

शिकायत के सत्यापन के बाद गुरुवार को तहसील डीग के तहसीलदार 55 वर्षीय अशोक कुमार शाह के कहने पर सेवानिवृत पटवारी ने रिश्वत की राशि को बरौली चौथ पुलिस थाना सदर डीग निवासी 27 वर्षिय दलाल कृष्ण कुमार पुत्र प्रेमसिंह जाट को थमा दिया,

भरतपुर एसीबी की टीम ने डीग कस्बे में कार्रवाई कर आरोपियों को गिरफ्तार किया।

जिसने रिश्वत की इस रकम को खांगरी थाना नदबई निवासी सहायक प्रशासनिक अधिकारी तहसील डीग प्रकाश सिंह जाट को दे दी। आरोपी प्रकाश सिंह द्वारा रिश्वत राशि प्राप्त कर अपनी पहनी हुई शर्ट की जेब में रख ली, लेकिन ट्रेप की भनक लगने पर उसने अपनी जेब में से रिश्वत राशि निकाल कर अपने कार्य करने की टेबल के नीचे छुपा दी। वह इसे ब्यूरो की नजरों से नही बचा सका। गिरफ्तार तहसीलदार अशोक कुमार शाह पुत्र लक्ष्मीचन्द जैन मूल रूप से सरकारी हॉस्पीटल के सामने बागीदौरा पुलिस थाना कलिंजरा जिला बांसवाडा के निवासी है।

रेस्क्यू किये गये पैंथर की देर रात मौत

सरदारशहर, (निसं)। क्षेत्र के गांव बन्धनाऊ दिखनादा की रोही में बुधवार दोपहर में पैंथर दिखने की सूचना वन विभाग की टीम को मिली थी। वन विभाग के रेंजर अनूप कुमार शर्मा के नेतृत्व में टीम मौके पर पहुंची। जहां पर अमरुराम के खेत में बने स्वीच रूम में पैंथर छुपा हुआ मिला।

पैंथर को पकडऩे के लिए वन विभाग, सरदारशहर व चूरू की टीम और ग्रामीणों ने साहस दिखाते हुए स्वीच रूम के चारों तरफ जाल लगाकर बन्द कर दिया। इसके बाद देर रात जयपुर से रेस्क्यू टीम पहुंचकर पैंथर का रेस्क्यू कर स्थानीय वन विभाग के कार्यालय में ले गए। जहां पर देर रात पैंथर की मौत हो गई। गुरुवार को सुबह वन विभाग की टीम ने मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराकर दफना दिया।

जालोर के क्षेत्रीय वन अधिकारी-दो वन रक्षक रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

जालोर, (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो सिरोही की टीम ने गुरूवार को ट्रेप की कार्यवाही करते हुए जालोर वन विभाग के क्षेत्रीय वन अधिकारी व दो वन रक्षक को दस हजार रूपये की रिश्वत लेते रंगे हाथो गिरफ्तार किया।

एसीबी सिरोही के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ओमप्रकाश चौधरी के अनुसार परिवादी ने नाम उजागार नही करने की शर्त पर एक लिखित शिकायत कर बताया कि वह कोयला व्यवसायी है तथा जालोर से भिवाडी - अलवर की तरफ कोयला से भरी हुई गाड़ी को 17 मई को भागली टोल प्लॉजा जालोर पर जालोर वन विभाग के भास्कर चौधरी पुत्र मांगेराम जाट निवासी सांगरोद तहसील खेडका जिला बागपत उत्तर प्रदेश हाल क्षेत्रीय वन अधिकारी द्वितीय, वन बंदोबस्त जालोर महिपाल सिंह निवासी आशापूर्णा कॉलोनी जालोर हाल वन रक्षक क्षेत्रीय वन अधिकारी कार्यालय जालोर व जितेन्द्र कुमार उर्फ विराट जीनगर निवासी निम्बला तहसील आहोर हाल वन रक्षक क्षेत्रीय वन अधिकारी कार्यालय जालोर ने गाड़ी रूकवाकर परिवादी कोयला व्यवसायी को मौके पर बुलाकर गाड़ी छोड़ने के एवज में पचास हजार रूपये लिया जाना तय कर चालीस हजार रूपये मौके पर उसी वक्त प्राप्त कर गाडी को छोड़ा।

क्षेत्रीय वन अधिकारी भास्कर चौधरी, वन रक्षक महिपालसिंह व जितेन्द्र उर्फ विराट ने बकाया राशि दस हजार रूपये तथा आगे से जालोर क्षेत्र में व्यवसाय करने के एवज में परिवादी कोयला व्यवसायी से प्रतिमाह प्रति गाडी दस हजार रूपये की मंथली बंधी तय की गई। जिसकी शिकायत परिवादी ने 18 मई को एसीबी सिरोही को दी। जिस पर 19 मई गुरूवार को वक्त सत्यापन बकाया राशि दस हजार रूपये मांगने एवं आगे से प्रतिमाह प्रति गाडी दस हजार रूपये मंथली बंधी के रूप में तीन गाड़ियो की पुष्टि होने पर गुरूवार को ट्रेप की कार्यवाही करते हुए सभी आरोपितो को बकाया रिश्वती राशि दस हजार रूपये प्राप्त करते हुए रंगे हाथों गिरफतार किया। राशि बरामद कर क्षेत्रीय वन अधिकारी भास्कर चौधरी, वन रक्षक महिपालसिंह व वनरक्षक जितेन्द्र कुमार उर्फ विराट को गिरफतार कर एसीबी की टीम ने अग्रिम कार्यवाही पुलिस थाना जालोर में शुरू की।

श्रीगंगानगर में तापमान 46 डिग्री सैल्सियस के पार

श्रीगंगानगर, (निसं)। गुरुवार को इलाका एक बार फिर तपने लगा। बुधवार के मुकाबले तापमान में करीब दो डिग्री सेल्सियस की तेजी से सड़कों पर सन्नाटा पसर गया। वहीं शाम छह बजे तक हवा में लू के थपेड़ों का असर महसूस हो रहा था।जो लोग सड़कों पर निकले भी तो गर्मी से बचाव के तमाम इंतजाम के साथ। दोपहर में लू के थपेड़ों से बचने के लिए अधिकांश लोगों ने सिर और चेहरों को पूरी तरह टोपी और साफों से ढक लिया। शहर के पार्कों में दोपहर में लोग पेड़ की छांव में गर्मी से निजात पाते दिखे। तापमान में बुधवार के मुकाबले करीब दो डिग्री सेल्सियस की तेजी आई। बुधवार को जहां अधिकतम तापमान 44.3 डिग्री सेल्सियस था वहीं गुरुवार को यह 46.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। न्यूनतम तापमान भी 27.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

चौरू क्षेत्र में खुले आम हो रहा अवैध बजरी परिवहन

उनियारा/चौरु, (निसं)। उनियारा उपखण्ड क्षेत्र चौरू में रॉयल्टी की रसीद नहीं कटवा बजरी माफिया अपने दबंगता का डर दिखाकर खुलेआम बजरी का परिवहन कर रहे हैं इससे राज्य सरकार को रोजाना लाखों रुपए के राजस्व का नुकसान उठाना पड़ रहा है।

- **रॉयल्टी की रसीद नहीं कटवा बजरी माफिया दबंगता से कर रहे परिवहन**

अलीगढ़ थाना पुलिस ने अवैध ट्रोलियों को जब्त किया।

अलीगढ़ पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत चौरू क्षेत्र में चौथ का बरवाड़ा सड़क मार्ग से होते हुए खुलेआम दिनदहाड़े बजरी का परिवहन हो रहा है, जिन्हें रोकने टोकने वाला कोई नहीं है। सूर्योदय से देर रात्रि तक इस सड़क मार्ग पर बजरी माफियाओं का राज रहता है। एक साथ 50-50 ट्रैक्टर ट्रॉली बजरी से ओवरलोड भरकर बिना रॉयल्टी रसीद कटवाए हुए फिल्मी अंदाज में इस मार्ग पर दिनदहाड़े चलते हैं।

पुलिस में शिकायत होने के बाद भी इस मार्ग पर गस्त नहीं होना पुलिस की कार्यशैली पर भी सवालिया निशान है। चौथ का बरवाड़ा के पास बनास नदी होने के कारण बजरी माफिया इस नदी से बजरी का अवैध खनन करते हुए चौथ का बरवाड़ा से चौरू होते हुए इस मार्ग पर खुलेआम अवैध रूप से बजरी का परिवहन करते हैं।

विधायक मलिंगा को कंधों पर बैठाकर रोड शो निकाला

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर जिले के बाड़ी विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा को हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद बुधवार शाम को उनकी कोरोना रिपोर्ट भी नैगेटिव आ गयी थी। जिसको लेकर गुरुवार को उन्हें जिला अस्पताल धौलपुर से डिस्चार्ज किया। विधायक मलिंगा को डिस्चार्ज की खबर सुनकर उनके समर्थक हजारों की संख्या में जिला चिकित्सालय धौलपुर पहुंच गए और विधायक से मुलाकात की । इस दौरान समर्थकों ने विधायक के पक्ष में जमकर नारेबाजी भी की। इसके अलावा उन्हें कंधे पर बिठाकर आमजन के बीच ले जाया गया और जश्न मनाया। विधायक के डिस्चार्ज होने के बाद उनके द्वारा धौलपुर शहर में एक रोड शो भी निकाला जो शहर के मुख्य मार्गों से निकला। इस

बाड़ी विधायक मलिंगा का उनके समर्थकों ने धौलपुर में रोड शो निकाला।

दौरान विधायक का जगह-जगह लोगों ने माला व साफा पहनाकर स्वागत किया।

रोड शो जिला चिकित्सालय धौलपुर से शुरू होकर हरदेव नगर, सराय गजरा रोड, लाल बाजार, गांधी पार्क, पैलेस रोड और गुलाब बाग चौराहा होता हुआ जगदीश चौराहे धौलपुर पर जाकर संपन्न हुआ। जहां से विधायक मलिंगा गाड़ियों से अपने काफिले के साथ बाड़ी के लिए रवाना हो गए। रोड शो में विधायक मलिंगा के साथ प्रदेश के राज्य मंत्री राजेंद्र गुढा, एससी एसटी आयोग के अध्यक्ष खिलाड़ी लाल बैरवा, विधायक वाजिब अली, विधायक लाखन मीणा और संदीप यादव भी मौजूद रहे। मलिंगा ने कहा कि साजिश के तहत उन्हें फंसाया गया, लेकिन उन्होंने अपनी गिरफ्तारी देकर कानून की पालना की और उन्हें कानून पर पूरा भरोसा था। यही वजह है कि न्यायपालिका से उन्हें न्याय मिला।

- **मलिंगा को हाईकोर्ट से मिली जमानत**

पुलिस के पीछा करने पर गैंगस्टर की कार पत्थर से टकराकर खेत में गिरी

खैरथल, (निसं)। खैरथल थाना पुलिस ने कुख्यात गैंगस्टर गब्बर उर्फ गबरु व नरेश उर्फ नरसी सहित पांच कार सवारों को पीछा करते हुए गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी भगवान सहाय शर्मा ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों के विरूद्ध हरियाणा व राजस्थान में हत्या, हत्या के प्रयास,फायरिंग, राजकार्य में बाधा, हमले के करीब आधा दर्जन से अधिक संगीन मुकदमे सीमावर्ती हरियाणा के बावल व राजस्थान के मुंडावर थाना में दर्ज है।

उन्होंने बताया कि हरियाणा नंबर वाली एक कार में सवार होकर बीबीरानी की ओर से हरसौली की तरफ आने की इतला पर खैरथल में पेहल मोड़ पर नाकाबंदी की गई थी जहां आरोपी नाकाबंदी तोड़ कर मातौर की तरफ भागे जिस पर पुलिस ने पीछा किया तब शाहपुरा के मोड़ पर सड़क किनारे पत्थर से टायर के टकराने पर कार असंतुलित होकर खेतों में जाकर पलट गई।

पुलिस ने उक्त कार मे सवार गब्बर जाट व नरेश उर्फ नरसी जाट व उनके साथियों को गिरफ्तार कर लिया। पांचों बदमाशों को राजकार्य में बाधा पहुंचाने पर गिरफ्तार किया गया व क्षतिग्रस्त कार को जप्त किया गया। आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहां से पुलिस अभिरक्षा में सौंपा गया।

पकड़े गए आरोपियों गब्बर उर्फ गबरू पुत्र रिसाल सिंह जाट निवासी प्राणपुरा पुलिस थाना बावल जिला रेवाडी हरियाणा नरेश उर्फ नरसी पुत्र शुभराम जाट निवासी सुबासेडी पुलिस थाना बावल जिला रेवाडी हरियाण लोकेश पुत्र किरोडीमल जाति जाट निवासी सुबासेडी पुलिस थाना बावल रेवाडी हरियाणा।सुमित पुत्र प्रकाश जाट निवासी प्राणपुरा पुलिस थाना बावल जिला रेवाडी हरियाणा अशोक कुमार पुत्र लख्मीचंद जाति जाट निवासी टोकसवाडा मोहल्ला वार्ड नं. 13 कोटकासिम पुलिस थाना कोटकासिम जिला भिवाड़ी अलवर है।

चंबल के बीहड़ों में रेल पटरियों के बीच बुजुर्ग का शव मिला

धौलपुर, (निसं)। रेल फाटक धौलपुर से आगे चंबल के बीहड़ों में पटरियों के बीच गुरुवार दोपहर एक बुजुर्ग का क्षत-विक्षत शव मिला है। मालगाड़ी के ड्राइवर की सूचना पर मौके पर पहुंची जीआरपी ने शव की पहचान के लिए आसपास के लोगों को बुलाया लेकिन पहचान ना होने पर शव को जिला अस्पताल धौलपुर की मोर्चरी में रखवा दिया। जीआरपी चौकी प्रभारी बनवारी लाल ने बताया कि जेल फाटक से आगे चंबल के बीहड़ों में पटरियों के बीच एक

- **शव के पास से एक लकड़ी का बेंत और पानी की बोतल मिली**
- **बुजुर्ग के आसपास के क्षेत्र का किसान होने की संभावना जताई**

बुजुर्ग का शव मिलने की सूचना पर मौके पर पहुंचे। शव की आसपास के लोगों से पहचान कराई गई, लेकिन कोई पहचान नहीं पाया। उन्होंने बताया कि बुजुर्ग के शव के पास से एक लकड़ी का बेंत और पानी की बोतल मिली है, जिसको लेकर बुजुर्ग के आसपास के क्षेत्र का किसान होने की संभावना जताई जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया ट्रेन की चपेट में आने से बुजुर्ग की मौत होना लग रहा है। लेकिन फिर भी हर पहलू से घटना की जांच की जा रही है।

भूमि रूपान्तरण करने की एवज में पटवारी रिश्वत लेते गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो उदयपुर ईकाई ने भूमि रूपान्तरण करने के एवज में परिवादी से 28 हजार रूपये रिश्वत लेने वाले बांसवाड़ा नागावाड़ा हल्का पटवारी को गिरफ्तार किया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरों के महानिदेश भगवानलाल सोनी ने बताया कि एसीबी की उदयपुर ईकाई को परिवादी ने शिकायत दी कि भूमि का कृषि भूमि से आबादी में रूपान्तरण करने की एवज में पटवारी हल्का नागावाड़ा बांसवाड़ा अतिरिक्त चार्ज नाल तहसील बागीदौरान बांसवाड़ा परमेश्वर सोलकी द्वारा 40 हजार रूपये रिश्वत मांग कर परेशान कर रहा है।

इस पर एसीबी उदयपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस राजेन्द्र प्रसाद गोयल एवं पुलिस अधीक्षक राजीव पचार के सुपरविजन में एसीबी चित्तौड़गढ़ के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रमसिंह द्वारा शिकायत कर सत्यापन किया गया। इस पर गुरूवार को इस पर एसीबी ब्यूरों उदयपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा के नेतृत्व में निरीक्षक डॉ.सोनू शेखावत के नेतृत्व में गठित दल ने बांसवाड़ा में ट्रेप कार्यवाही करते हुए पटवारी छीछ तहसील बागीदौरान बांसवाड़ा हॉल पटवारीहल्का नागावाड़ा अतिरिक्त चार्ज नाल तहसील बागीदौरा जिला

आरोपी परमेश्वर सोलंकी।

- **28 हजार रुपये की रिश्वत लेते किया गिरफ्तार**

बांसवाड़ा परमेश्वर सोलंकी पुत्र वालसिंह सोलकी को परिवादी से 28 हजार रूपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। उल्लेखनीय है कि आरोपी पटवारी द्वारा शिकायत के सत्यापन के दौरान ही परिवादी से 12 हजार रूपये रिश्वत राशी वसूल कर ली थी। एसीबी के अतिरिक्त महानिदेशक दिनेश एमएन के निर्देशन में आरोपी पटवारी से पूछताछ एवं उसके मकान व अन्य ठिकानों पर तलाशी की जा रही है।

अभ्यर्थियों की काउंसलिंग 21 से

भीलवाडा, (निसं)। राजस्थान प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालय अध्यापक सीधी भर्ती 2021-22 अन्तर्गत गैर अनुसूचित क्षेत्र में अध्यापक, लेवल-प्रथम, सामान्य शिक्षा व विशेष शिक्षा के पदों हेतु अस्थाई (प्रोविजनल) चयनित अभ्यर्थियों लेवल-प्रथम के सामान्य शिक्षक तथा लेवल प्रथम के विशेष शिक्षक अभ्यर्थियों की काउंसलिंग 21 व 22 मई को प्रात: 10 बजे से सायं 5 बजे तक काउंसलिंग स्थल राजेन्द्र मार्ग भीलवाड़ा में आयोजित की जावेगी।

- **राजेन्द्र मार्ग भीलवाड़ा में आयोजित होगी काउंसलिंग**

जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) प्रारम्भिक योगेश चन्द्र पारीक ने बताया कि नव चयनित अभ्यर्थियों की काउंसलिंग हेतु पंजीयन प्रात: 8.30 बजे से 10 बजे तक किया जावेगा। काउन्सलिंग में संबंधित अभ्यर्थी को अपने मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र तथा उसकी एक छाया प्रति साथ लाना अनिवार्य होगा। सर्वप्रथम दिनांक 21 मई, 2022 को लेवल प्रथम के दिव्यांग (महिला/पुरुष)/ विधवा/ परित्यक्ता/ सामान्य महिला अभ्यर्थी तथा 22 मई, 2022 को सामान्य पुरूष अभ्यर्थियों की काउंसलिंग सम्पादित की जावेगी।

हॉलीवुड सुपर हीरो के साथ मूवी में दिखेंगे लक्ष्मणगढ़ सरकारी स्कूल के स्टूडेंट्स

फ्लोराइड युक्त पानी की समस्या पर बनी इस डॉक्यूमेंट्री में 300 बच्चों को मौका मिला है

अलवर, (निसं)। हॉवीवुड सुपर हीरो हॉक आई (जेरेमी रेनर) के साथ मूवी में राजस्थान के स्टूडेंट्स दिखेंगे। ये स्टूडेंट्स किसी प्राइवेट स्कूल के नहीं हैं, बल्कि अलवर के लक्ष्मणगढ़ स्थित सरकारी स्कूल के हैं। फ्लोराइड युक्त पानी की समस्या पर बनी इस डॉक्यूमेंट्री में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के 300 बच्चों को मौका मिला है। 2 स्टूडेंट्स तो बाकायदा एक्टिंग करते हुए दिखेंगे। इसमें अनिल कपूर भी प्रमुख भूमिका में हैं। दरअसल प्रिंसिपल धनमत खान की पहल से बच्चों को मीठा पानी नसीब होने लगा था । पूरे इलाके के पानी में फ्लोराइड है, मीठे पानी के लिए किए गए प्रयास और समस्या को उजागर करने के लिए डॉक्यूमेंट्री बनाई जा रही है। जेरेमी रेनर ने पूरी टीम के साथ अलवर में 3 दिन बिताए। केसरोली फोर्ट में यूनिट रात में रुकती थी। बुधवार शाम 5 बजे टीम यहां से रवाना हो गई। जाते-जाते वो स्कूल प्रबंधन को 80 लाख रुपए का वाटर प्यूरीफायर दे गए।

हॉलीवुड की एवेंजर्स सीरीज के सुपर हीरो हॉक आई ने बच्चों व प्रिंसिपल से कहा कि वे गोवा की राइटर डॉ. स्वप्निल के जरिए बच्चों की मदद करने को वे हमेशा तैयार रहेंगे । डॉ. स्वप्निल ने ही प्रिंसिपल से संपर्क किया था वे जेरेमी रेनर के सीधे संपर्क में हैं। अलवर के लक्ष्मणगढ स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल के 12वीं में पढ़ने वाले रितेश को डॉक्यूमेंट्री में एक्टिंग करने का मौका मिला है।

रोशनी, छात्रा

रितेश, छात्र

वॉलीवुड स्टार अनिल कपूर के साथ नजर आए स्कूली बच्चे।

डॉक्यूमेंट्री में स्कूल की 9वीं क्लास की छात्रा रोशनी फ्लोराइड युक्त पानी के बारे में बताती नजर आएंगी। 12वीं क्लास के स्टूडेंट रितेश के पिता की डेथ का जिक्र भी आएगा। फिलहाल डॉक्यूमेंट्री को लेकर ज्यादा जानकारी शेयर नहीं की गई है। फिल्म में प्रिंसिपल धनमत खान भी नजर आएंगे। डॉक्यूमेंट्री की यूनिट में अमेरिका के कैलिफोर्निया की टेक्निकल टीम, कनाडा के एक्टर रॉरी, मुंबई, दिल्ली व गोवा से कलाकार और तकनीशियन आए थे। पानी को लेकर बनने वाली डॉक्यूमेंट्री के लिए राजस्थान में काफी समय से लोकेशन की तलाश की जा रही थी। सिरोही-पाली तक भी टीम के सदस्य गए थे। लक्ष्मणगढ की यह स्कूल पूरी टीम को पसंद आई। सरकारी स्कूल पुराने किलेनुमा भवन में चल रहा है। ग्रामीण इलाका है। दिल्ली से यह इलाका करीब भी था।

पशुपालकों को खुशहाल जीवन देने वाली योजना को लेकर सभी विभागों में उत्साह : धारीवाल

कोटा, (निसं)। नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल की पहल पर कोटा नगर विकास न्यास द्वारा पशुपालकों के लिए विकसित की गई देवनारायण आवासीय योजना में पशुपालकों के गृहप्रवेश की तैयारियां अंतिम दौर में है। 22 मई से शहर के पशुपालकों को इस आधुनिक कस्बे में शिफ्ट किया जाएगा।

यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल कोटा शहर को केटल फ्री शहर बनाने ओर पशुपालकों के जीवन में अमूलचूल परिवर्तन करने वाली इस महत्वकांक्षी योजना को लेकर लगातार न्यास अधिकारियों ओर जिला प्रशासन से संपर्क कर रहे है। मंत्री शांति धारीवाल ने बताया कि अब वो शुभ घड़ी आ गई है जब पशुपालाकों की जीवन में बड़ा बदलाव होने जा रहा है साथ ही कोटा में आवारा मवेशियों से होने वालें हादसों से भी मुक्ति दिलाने में देश की यह अनूठी योजना महत्वपूर्ण साबित होगी। दूसरे प्रदेशों के लिए यह योजना प्रेरणा का स्त्रोत बनेगी। गुरूवार को नगर विकास न्यास के सचिव राजेश जोशी ने योजना के तहत अन्य विभागों द्वारा दी जाने वाली सेवाओं से संबधित विभागों के अधिकारियों के साथ देवनारायण आवासीय योजना को अवलोकन किया ओर तैयारियां का जायजा लेकर सभी विभागों के अधिकारियों को विशेष निर्देश देकर स्टॉफ की तैनातगी कर सेवाए शुरू करने के निर्देश दिए।

न्यास सचिव राजेश जोशी ने बताया कि नगर निगम, पशुपालन विभाग, पुलिस, चिकित्सा, परिवहन विभाग, विद्युत, जलदाय सहित अन्य विभागों में भी इस योजना को लेकर उत्साह का माहौल है सभी विभागों ने अपने सेवाए देने के लिए कटिबद्वता को बखूबी दिखाया है। इसी का नतीजा है यह अनूठी योजना मूर्तरूप ले चुकी है अब पशुपालकों का गृहप्रवेश शुरू किया जा रहा हैं। शुरूआत में 501 आवंटी पशुपालकों को शिफ्ट किया जा रहा है। शिफ्टिंग की प्रक्रिया लगातार जारी रहेगी। इस दौरान उपसचिव मोहम्मद ताहिर, मुख्य अभियंता ओपी वर्मा, अधीशाषी अभियंता राजेन्द्र राठौड़ सहित न्यास के अधिकारी एवं अन्य विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे।

कोटा में पशुपालकों के लिए विकसित की गई देवनारायण आवासीय योजना में पशुपालकों के गृहप्रवेश की तैयारियां अंतिम दौर में हैं।

पुलिस चौकी पर जाब्ता तैनात:- योजना के तहत पशुपालकों को शिक्षा, चिकित्सा, व्यवसाय सहित मूलभूत सुविधाएं के साथ सुरक्षा के मध्यनजर पुलिस चौकी को भी स्थापित किया गया है। गुरूवार को प्रशिक्षु आईपीएस मनीष कुमार ने पुलिस चौकी का दौरा किया। आईपीएस मनीष कुमार ने बताया कि देवनारायण आवासीय योजना में स्थापित की गई चौकी में एक, चार का जाप्ता पुलिस लाइन से तैनात कर दिया गया है। भविष्य में आवश्यकता के अनुरूप जाप्ते में बढ़ोतरी की जा सकेगी। उन्होंने न्यास द्वारा विकसित की गई योजना का अवलोकन कर सरहाना की।

यह है पशुपालकों के लिए देश की अनूठी योजना की खासियत:- नगरीय विकास एंव स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल ने बताया कि यह योजना विकसित किए जाने से पहले शहर में विभिन्न समस्याओं का सामना कर मूलभूत सुविधाओं से वंचित दयनीय स्थिति में रह रहे पशुपालकों का सर्व करवाया गया साथ ही देश के अन्य प्रदेशों में संचालित की जा रही योजना का अध्ययन, अवलोकन कर बंधा धर्मपुरा 105 हैक्टेयर भूमि पर करीब 300 करोड़ की लागत से देवनारायण आवासीय योजना को अत्याधुनिक सुविधाओं ओर हाइटैक तरीके से नगर विकास द्वारा विकसित किया गया। उन्होंने बताया कि योजना में सभी सुविधाओं का समावेश करते हुए पशुपालकों के लिए विशेष सुविधाए भी विकसति की गई। पशुपालकों को आवास के साथ पशुबाड़े, भूसा कक्ष, बिजली, पानी, चौड़ी सड़के, सीवरेज जैसी मूलभूत सुविधाओं के अलावा स्कूल, चिकित्सालय, दूग्ध मंडी, हाट बाजार, सामुदायिक भवन, भूसा गौदाम, पुलिस चौकी, डेयरी उद्योग, चारागृह मैदान, मिल्क प्रोसेसिंग यूनिट, बायोगैस प्लांट, आवागमन के लिए बसों का संचालक किया जा जाएगा ताकि योजना के मूल उद्देश्य जो पशुपालकों के जीवन में सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक विकास को पूरा किया जा सके।

■ पशुपालकों के हाइटेक कस्बे में गृहप्रवेश की तैयारियां जोरों पर

देवनारायण आवासीय योजना जल्द ही देवनारायण नगर के नाम से अपनी पहचान बनाएगी, यहॉ गौबर से भी पशुपालकों को आमदनी होगी नगर विकास न्यास एक रूपए प्रति किलो की दर से गौबर खरीदेगा जिससे पशुपालकों को अतिरिक्त आमदनी होगी, साथ ही घरेलू गैस के लिए भी बायोगैस से कनेक्शन दिए गए है इसके साथ ही अतिरिक्त गैस उत्पादन होने पर राजस्थान स्टेट गैस लिमिटेड को विक्रय की जाएगी। मंत्री घारीवाल ने बताया कि 4.79 हैक्टैयर में मिल्क प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित किया जाएगा जो प्रक्रियाधीन है। शीघ्र ही प्रोसेसिंग यूनिट की शुरू होते ही पशुपालकों का दुग्ध विक्रय की सुविधा भी उपलब्ध होगा।

देवनारायण आवासीय योजना में गृह प्रवेश समारोह एवं योजना के तहत पशुपालकों की शिफ्टिंग की क्रियान्वित को लेकर नगर विकास न्यास मीटिंग हॉल में बैठक आयोजित हुई। बैठक में न्यास ओएसडी आर डी मीणा, सचिव राजेश जोशी उपसचिव चंदन दुबे मोहम्मद ताहिर संतोष कुमार मीणा मुख्य अभियंता ओपी वर्मा मुख्य लेखा अधिकारी टीपी मीणा, पुलिस उप अधीक्षक आशीष भार्गव सहित न्यास के अभियंता मौजूद रहे।

बैठक में न्यास द्वारा बनाई गई समितियों से ओएसडी आरडी मीणा एवं सचिव राजेश जोशी ने फीडबैक लिया साथ ही अन्य विभागों से आए अधिकारियों से देवनारायण आवासीय योजना के तहत विभागीय कार्यों की प्रगति के बारे में चर्चा की।

आर्य समाज ने सूखते वृक्षों को पानी पिलाया

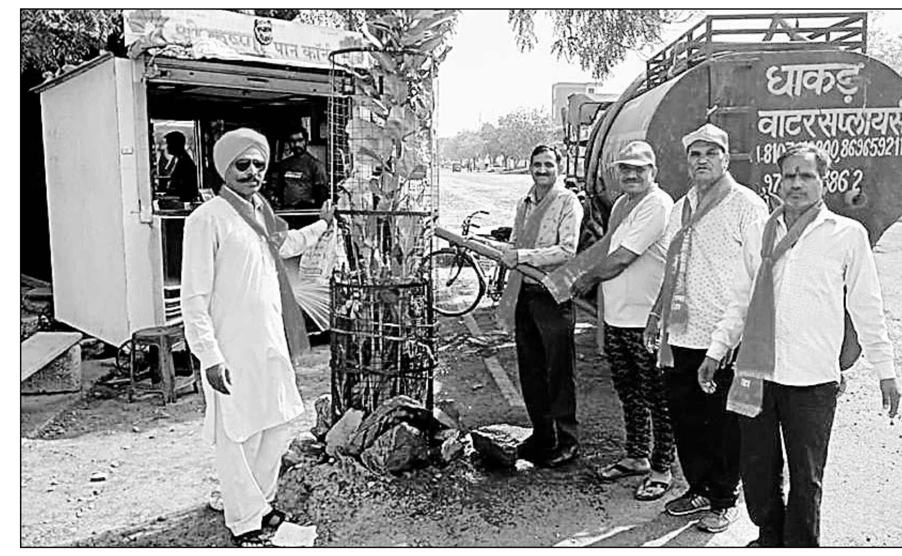

कोटा में आर्य समाजियों ने सूखे हुये वृक्षों में पानी डाला।

कोटा, (निसं)। आर्य समाज के सेवा कार्य निरंतर जारी है। आर्य समाज कोटा संभाग के प्रचार प्रभारी आचार्य अग्निमित्र शास्त्री ने बताया कि आर्य समाज के संभागीय प्रधान अर्जुन देव चड्ढा के निर्देशन में सेवा कोटा में कार्य किए जा रहे हैं।

संभागीय महामंत्री अरविंद पांडे ने बताया कि गुरूवार को आर्य समाज के कार्यकर्ता राधाबल्लभ राठौड़, किशन आर्य हरियाणा, नरेंद्र शर्मा, रामगोपाल यादव, परमानंद वर्मा, ओमप्रकाश ने खड़े गणेश जी स्थित बंधा धर्मपुरा मार्ग पर पानी का टैंकर मंगवाकर सूखते जा रहे पेड़ों को पानी पिलाया। पांडे ने कहा कि जहां भीषण गर्मी के कारण मानव ही नहीं जीव-जंतु भी परेशान है, ऐसे में वृक्षों को पानी पिलाया गया।

किशन आर्य हरियाणा ने बताया कि रामगोपाल यादव पिछले 25 वर्षों से अलग-अलग क्षेत्रों में पौधे लगाते हैं तथा पेड़ बनने तक साइकिल पर पानी की केन भरकर पौधों को पानी देते आ रहे हैं।

मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा

बूंदी (निसं)। राजस्थान विद्युत तकनिकी कर्मचारी एसोसिएशन (राज.) जिला बून्दी ने जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन देकर विभिन्न समस्याओं के निस्तारण की मांग की है। ज्ञापन में लिखा है कि एक अप्रैल 2004 के पश्चात नियुक्त कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना लागू की जाए।

सार-समाचार

'शोध शुरू करते ही शोध पत्र लिखना शुरु करें'

कोटा, (निसं)। राजस्थान टेक्निकल यूनिवर्सिटी के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ हरीश शर्मा ने कहा कि जब हम किसी भी विषय पर शोध करना शुरू करते हैं तो हमें विभिन्न आइडियाज पर शोध पत्र लिखना शुरू कर देना चाहिए, इस बात का इंतजार नहीं करें की शोध कार्य पूरा होगा तब मैं शोध पत्र लिखूंगा। डॉ हरीश गुरुवार को कोटा विश्वविद्यालय कोटा में विज्ञान संचार पर चल रही कार्यशाला के दूसरे दिन के दूसरे सत्र में प्रतिभगियों को सम्बोधित कर रहे थे। भोजन अवकाश से पहले हुए एक तकनीकी सत्र में आयुर्वेद के प्रोफेसर डॉ नित्यानंद ने इंसान की जीवनशैली को आयुर्वेद के अनुसार स्पष्ट किया। उन्होंने बताया कि आयुर्वेद भारतीय प्राचीन चिकित्सा पद्धति है, इसे अब सम्पूर्ण दुनिया अपना रही है। एक अन्य सत्र में अमित द्विवेदी ने म्यूजिकल योग प्रस्तुत किया। आधा घन्टे के अपने कार्यक्रम में उन्होंने प्रतिभागियों को खासा प्रभावित किया। प्रारम्भ में कार्यशाला संयोजक तरुण कुमार जैन ने प्रतिभागियों से विज्ञान संचार की विभिन्न तकनीकियों पर चर्चा की। शुक्रवार को भोजन से पूर्व एक सत्र में डॉ वी इन भावे ग्राउंड वाटर कंजर्वेशन पर अपना व्याख्यान देंगे। फिर कोटा थर्मल पावर स्टेशन का भृमण कराया जाएगा। दोपहर बाद कार्यशाला का समापन समारोह आयोजित किया जाएगा। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कोटा के एएसपी पारस जैन होंगे। इस अवसर पर सफल प्रतिभागियों को भारत सरकार की ओर से प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे।

सी.एन.जी. पम्प का शुभारंभ

कोटा, (निसं)। मंडाना बाई पास स्थित गुरु एंटरप्राईजेज कोटा और बारां जिले का 14वां सीएनजी स्टेशन का शुभारंभ गुरूवार को किया गया। जनरल मर्चेंट्स एसोसिएशन अध्यक्ष एवं भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ संयोजक राकेश जैन ने बताया कि पम्प का शुभारंभ नागरिक सहकारी बैंक एवं रेडक्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष राजेश कृष्ण बिरला एवं लाडपुरा विधायक कल्पना देवी ने किया। राजेश कृष्ण बिरला ने शुभारंभ के अवसर पर कहा कि मंडाना बाईपास पर सीएनजी पम्प की मांग थी जिसे गुरू एंटरप्राईजेज ने पूरी की है। इससे यहां कि जनता एवं बाईपास पर आने वाले वाहन लाभांवित होंगे। उन्होंने कहा कि हवा से हल्की होने की वजह से दूसरे इंधन की तुलना में काफी सुरक्षित भी है ऐसे में वातवरण में प्रदूषण का स्तर कम होता है। विधायक कल्पना देवी ने कहा कि सीएनजी गैस वाहनों को चलाने के लिए ऊर्जा स्रोत के रूप में एक नए विकल्प बनता जा रहा है इसके फायदे एवं उपयोगिता से यह अन्य विकल्पों की जगह लेता जा रहा है शहर में धीरे-धीरे सीएनजी पम्प खुल रहे है इससे कोटा के पर्यावरण को भी लाभ होगा।

इंडियन बिल्डिंग्स कांग्रेस की बैठक हुई

कोटा, (निसं)। इंडियन बिल्डिंग्स कांग्रेस (आईबीसी) लोकल सेंटर कोटा की तृतीय वार्षिक आम बैठक इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स झालावाड़ रोड के सभागार में संपन्न हुई। बैठक में कोटा चैप्टर के अध्यक्ष पीके जैन द्वारा विगत वर्ष 2021-22 में संपन्न गतिविधियों के बारे में विस्तृत विवेचन प्रस्तुत किया गया। संस्थापक अध्यक्ष धीरेंद्र माथुर ने राष्ट्रीय स्तर पर 27 अप्रैल 2022 को नई दिल्ली में लोकल चैप्टर के अध्यक्ष तथा डॉ. बीपी सुनेजा को सम्मानित किए जाने की बधाई दी। इंजीनियर पीयूष गोयल द्वारा शहर के समुचित विकास पर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। बैठक में आगामी वर्ष 2022-23 के लिए बीएल मालव चुनाव अधिकारी द्वारा चुनाव प्रक्रिया संपन्न की गई तथा सर्वसम्मति से पीके जैन एवं कार्यकारिणी को आगामी वर्ष के लिए अध्यक्ष नियुक्त किया गया। आम सभा में धीरेंद्र माथुर, पीके जैन, बीपी सुनेजा, एसके बैरवा, बीएल मालव, अशोक पाटनी, पीयूष गोयल, मनीष जैन तथा आईबीसी के अन्य प्रमुख सदस्यों द्वारा सहभागिता की गई। बैठक का संचालन आरपी शर्मा द्वारा किया गया।

जन्मदिन पर 85 यूनिट रक्तदान

कोटा, (निसं)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व समाजसेवी स्व. संदीप नारायण माथुर के जन्मदिन के उपलक्ष्य में रेल्वे हाऊसिंग सोसायटी के मांगलिक भवन में रक्तदान शिविर का आयोजन रखा गया। इस रक्तदान शिविर में समाज सेवी अमित धारीवाल, नगर निगम कोटा दक्षिण के महापौर राजीव अग्रवाल, कोटा उत्तर की महापौर मंजू मेहरा, उपमहापौर दक्षिण पवन मीणा उत्तर सोनू कुरैशी ने उपस्थित होकर रक्त वीरों का उत्साह वर्धन किया और स्व. संदीप माथुर को श्रृद्धांजलि दी। इस मौके पर पार्षद सुभाष सैनिक, पार्षद नंद किशोर शर्मा, सुबोध मित्तल, विष्णु मेवाड़ा, उषा ठाकुर, दुष्यंत हाड़ा, आलोक भार्गव, कुलदीप माथुर, प्रेमशंकर गौतम, संकल्प चौधरी, शुभम वर्मा, पंकज सक्सैना, नितिन भटनागर, नीरज कुलश्रैष्ट, संगीता अवस्पी, विजय श्रीवास्तव, मानसिंह जादौन, महेश वर्मा, रेखा पांडे व विद्या पारीक उपस्थित रहे।

शिक्षकों ने शिक्षा मंत्री को ज्ञापन दिया

कोटा, (निसं)। शिक्षक संघ एलीमेंट्री सेकेंडरी टीचर एसोसिएशन (रेसटा) के प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद के नेतृत्व में राज्य के शिक्षा मंत्री डॉ. बीडी कल्ला को तृतीय श्रेणी शिक्षकों की तबादला सूची जल्द जारी करवाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। प्रदेशाध्यक्ष सलावद व जिलाध्यक्ष परमानंद गोठवाल ने ज्ञापन में बताया की राज्य सरकार तृतीय श्रेणी शिक्षकों के साथ दोहरा व्यवहार कर रहीं है जिससे राज्य भर के शिक्षकों में रोष व्याप्त है। शिक्षकों से तबादले हेतु अगस्त माह में ऑनलाईन आवेदन मांगें ले लिए मगर 9 माह भी सूची जारी नहीं हुई। जबकी अन्य सभी केडर वरिष्ठ अध्यापक,एचएम, व्याख्याता, प्रधानाचार्य सभी के तबादले कई बार किए जा चुके। शिक्षा मंत्री डॉ.कल्ला ने संघ की मांग को गंभीरता से सुना ओर कहा की शिक्षकों के लिए तबादला नीति तैयार है सीएम से अनुमति मिलते ही नीति की अनुसार तबादले किए जाएंगे।

सार-समाचार

बच्चों ने बगैर मोबाइल टीवी के 5 दिन बाल संस्कार शिविर का आनंद उठाया

कोटा, (निसं)। भारत विकास परिषद् आजाद शाखा द्वारा आयोजित पांच दिवसीय आवासीय बाल संस्कार शिविर मैं बच्चों ने बगैर मोबाइल टीवी के 5 दिन आनंद उठाया तथा कई गतिविधियों में भाग लेकर ज्ञान शिक्षा संस्कार एवं खेलों की शिक्षा ग्रहण की। बाल संस्कार शिविर के समापन समारोह में अतिथियों ने संस्कारशील समाज के निर्माण में बाल संस्कार शिविर की उपयोगिता पर प्रकाश डाला वहीं बच्चों के माता पिता ने कहा सभी संस्थाओ को ऐसे शिविर लगाने चाहिए। गत पांच दिनों से जारी बाल संस्कार शिविर के आखिरी दिन की शुरुआत योग व ध्यान से करने के बाद पांच कुंडीय हवन का आयोजन रखा गया। सभी बच्चों ने मिलकर मंदिर प्रांगण में हवन पूजन किया और उसके बाद शुरू हुआ समापन समारोह जिसकी अध्यक्षता सीताराम गोयल नेशनल प्रोजेक्ट मेंबर गुरु वंदन छात्र अभिनंदन, मुख्य अतिथि अशोक वासिष्ठ, नेशनल प्रोजेक्ट मेंबर सेवा, व विशिष्ठ अतिथि रही लेखिका मनु वासिष्ठ रही।कार्यक्रम समाप्ति पर बच्चे इस उम्मीद के साथ कि आज़ाद शाखा जल्द ही ऐसे शिविर का पुनः आयोजन 10 दिवसीय करेगी, अपने माता पिता के साथ अपने अपने घर लौट गए।

आज यहां बिजली बंद रहेगी

कोटा, (निसं)। विद्युत लाइनों के रखरखाव के कारण शुक्रवार को शाम 4 से 7 बजे तक अक्षर धाम, मोती नगर, इम्पैक्ट कोचिंग व आसपास, सुबह 8 से दोपहर 2 बजे तक वेयर हाउस व आसपास, सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक इंदिरा कॉलोनी, लोहा मार्केट, दोपहर 12 से 2 बजे तक इलेक्ट्रोनिक्स कॉम्पलेक्स व आसपास, सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक विज्ञाननगर सेक्टर 2 व 3, सुबह 9 से दोपहर 1 बजे तक रंगबाड़ी योजना सेक्टर 4, नंदवाना हॉस्पिटल के आसपास, महावीरनगर द्वितीय मकान नम्बर 900 से 1200 तक, प्रशांति स्कूल के आसपास का क्षेत्र, सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक सनप्राइम अपार्टमेंट, सुबह 8 से दोपहर 12 बजे तक वल्लभनगर, सीएडी रोड, साजीदेहड़ा, सोफिया स्कूल, सेंट पॉल स्कूल, घोड़ा बस्ती, सिंधी कॉलोनी, राजाजी पार्क, शिक्षा विभाग कार्यालय, वल्लभनगर सर्किल, रावतभाटा रोड, अशोका कॉलोनी, मराठा बस्ती, शिव चौक, आदर्श नगर, लोहा मंडी, घोड़ा सर्किल, जैन मंदिर, जंगली शाह बाबा दरगाह, मुंशी पार्क आदि क्षेत्रों में बिजली बंद रहेगी।

वरिष्ठ नागरिकों को व्हीलचेयर सौंपी

कोटा, (निसं)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला बुधवार रात्रि को कोटा से नई दिल्ली प्रस्थान कर रहे थे तब उन्हें कोटा रेलवे स्टेशन पर दिव्यांग एवं वरिष्ठ नागरिकों हेतु व्हीलचेयर की जरूरत रेल्वे अधिकारियों के द्वारा बताई गई थी, जिस पर लोकसभा अध्यक्ष बिरला नें तुरन्त व्हीलचेयर उपलब्ध करवाए जाने का आश्वासन दिया था। इसी क्रम में गुरुवार को जेडआरयूसीसी सदस्य, पार्षद एवं युवा भाजपा नेता लव शर्मा एवं भाजपा के प्रदेश सह संयोजक मीडिया अरविन्द सिसोदिया एवं युवा मोर्चा मण्डल अध्यक्ष जतिन अगनानी ने रेलवे स्टेशन पहुँच कर स्टेशन निदेशक शशि भूषण शर्मा को तीन व्हीलचेयर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की ओर से सौंपी। व्हीलचेयरों की उपलब्धता से दिव्यांगों एवं वरिष्ठ नागरिकों प्लेटफार्म पर आने जाने में सुविधा मिलेगी।

रनिंग कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया

कोटा, (निसं)। गुरुवार को रनिंग कर्मचारियों द्वारा वेस्ट सेन्ट्रल रेलवे मजदूर संघ के बैनर तले मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय कोटा के सामने रनिंग कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया।

वेस्ट सेन्ट्रल रेलवे मजदूर संघ कोटा मण्डल की कोटा लोको शाखा सचिव चेतन शर्मा ने बताया कि वेस्ट सेन्ट्रल रेलवे मजदूर संघ के मण्डल सचिव अब्दुल खालिक द्वारा रनिंग कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर मौखिक रूप से एवं पत्राचार के माध्यम से प्रशासन को समय-समय पर अवगत कराया जाता रहा है परन्तु प्रशासन का ध्यान रनिंग कर्मचारियों की समस्याओं की ओर नहीं है बल्कि नित नये आदेश जारी कर रनिंग कर्मचारियों को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है।

मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय के सामने रनिंग कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया।

रेलवे बोर्ड के आदेश है कि रनिंग कर्मचारियों से लगातार तीन रात्रि ड्यूटी से अधिक कार्य नहीं लिया जाये उसके उपरांत भी रनिंग कर्मचारियों को लगातार चार से भी अधिक रात्रि ड्यूटी लगाकर कार्य लिया जा रहा है जिससे रनिंग कर्मचारी अविश्राम की स्थिति में कार्य करते है जो कि न केवल स्वयं कर्मचारी के लिए बल्कि रेलवे की सुरक्षा एवं संरक्षा की दृष्टि से भी ठीक नहीं है। प्रशासन प्रतिदिन नये-नये आदेश जारी कर रहा है जिससे रनिंग कर्मचारी एवं उनका परिवार भी मानसिक रूप से प्रताड़ित होता है।

इन सब समस्याओं को लेकर रनिंग कर्मचारियों में रोष एवं असंतोष का वातावरण व्याप्त है जिसके कारण वेस्ट सेन्ट्रल रेलवे मजदूर संघ के नेतृत्व में यह विरोध प्रदर्शन किया गया है। प्रदर्शन में मट्टूलाल मीना, चेतराम घोडेला, प्रेमशंकर सैनी, मोरध्वज मीना, धनेष सिंह, मुकेश मीना, नीरज यादव, अशोक सैनी, एच.पी मीना, दुष्यंत नागर सहित रनिंग कर्मचारी उपस्थित थे।

कोटा थर्मल में जोखिम पूर्ण विभाग भी ठेकेदारों के हवाले

कोटा, (निसं)। कोटा सुपर थर्मल पावर स्टेशन में थर्मल प्रशासन ने प्लांट ऑपरेशन की महत्वपूर्ण एवं जोखिमपूर्ण ड्यूटी पाइंट को तोड़कर उन्हें ठेके पर संचालित करने का निर्णय किया है जो कारखाना अधिनियम एवं श्रम कानूनों का सरासर उल्लंघन है।

राजस्थान विद्युत उत्पादन कर्मचारी संघ की कोटा थर्मल ईकाई के अध्यक्ष रामसिंह शेखावत ने बॉयलर एवं कारखाना निरीक्षक, कोटा को पत्र लिखकर बताया कि बिजली संकट के दौरान कोटा थर्मल की सातों इकाइयों से पूर्ण क्षमता से विद्युत उत्पादन किया जा रहा है, जिसका श्रेय अभियंताओं, तकनीकी कार्मिकों एवं श्रमिकों को जाता है। लेकिन पिछले कुछ समय से थर्मल प्रशासन ने बडे. ठेकेदारों से अप्रत्यक्ष मिलीभगत कर श्रम कानूनों का उल्लंघन कर कोल हैंडलिंग प्लांट, रेलवे, हाइड्रोजन जनरेशन प्लांट, एश हैंडलिंग प्लांट, अग्निशमन विभाग एवं हाल में स्विचगियर विभाग को ठेके पर अप्रशिक्षित श्रमिकों से संचालित करने के आदेश जारी कर दिये हैं। प्लांट की महत्वपूर्ण ड्यूटी लोकेशन पर अप्रशिक्षित ठेका श्रमिकों को नियुक्त कर देने से प्लांट में सुरक्षा मापदंडों की खुली अवहेलना की जा रही है।

उन्होंने प्रमुख शासन सचिव, श्रम व रोजगार मंत्रालय, जयपुर को पत्र भेजकर बताया कि कोटा थर्मल की सातों इकाईयों में निर्धारित मापदंडों के अनुसार, अभियंताओं एवं तकनीकी व मंत्रालयिक कार्मिकों के पद सृजित किये गये थे। लेकिन पिछले कुछ वर्षों से कोटा थर्मल में सिर्फ अभियंताओं की भर्ती की गई है, जबकि तकनीकी कर्मचारियों की नई भर्ती पर 1990 से रोक लगी हुई है।

1983 में थर्मल की स्थापना से नियुक्त तकनीकी कर्मचारी निरंतर सेवानिवृत्त हो रहे हैं। जिससे सभी प्लांट लोकेशन पर तकनीकी कार्मिकों को एक से अधिक ड्यूटी पाइंट की जिम्मेदारी सौंप दी गई।

जोखिमपूर्ण लोकेशन पर जवाबदेही भी तय हो:- शेखावत ने बताया कि प्लांट में ज्वलनशील व जोखिमपूर्ण श्रेणी के हाइड्रोजन प्लांट को संविदा पर अप्रशिक्षित ठेका श्रमिकों से संचालित करना आपत्तिजनक है। निविदाकर्ता के पास ज्वलनशील गैस उत्पादन करने का प्रमाण पत्र भी संदेह के घेर में है।

मई माह में प्लांट की स्विचगियर लोकेशन का संचालन को संविदा पर दे दिया गया है। जबकि इसमें एचटी व एलटी ब्रेकर की प्रारंभिक जानकारी भी ठेका श्रमिकों को नहीं है। ऐसे में इस क्षेत्र में कोई बड़ा हादसा हो जाने पर जानमाल तथा आर्थिक नुकसान की जिम्मेदारी भी थर्मल के उच्च अधिकारियों की होगी।

जिला स्तरीय जनसुनवाई में 187 प्रकरण आये

कोटा, (निसं)। जिला स्तरीय जनसुनवाई गुरूवार को जिला कलक्टर हरिमोहन मीना की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट परिसर में आयोजित की गई। जिसमें पहली बार आम जनता के बीच बैठकर अधिकारी परिवादियों से रूबरू हुए तथा समाधान के साथ लम्बित रहे प्रकरणों में संबन्धित विभागों को समय निर्धारित कर कार्यवाही के निर्देश दिये गये।

जिला कलेक्टर ने सभी विभागों को व्यक्तिगत लाभ की योजनाओं, सामाजिक सुरक्षा सहायता के प्रकरणों में आवेदकों द्वारा दिये जाने वाले आवेदनों की मौके पर जांच कर आवश्यक दस्तावेजों की पूर्ति करवाने के निर्देश दिये। उन्होंने सभी विभागों को सेवानिवृत कार्मिकों के पेंशन एवं परिलाभ के अन्य लम्बित प्रकरणों में विभागीय जांच के नाम पर अनावश्यक देरी को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र समाधान करने की बात कही।

कोटा में जिला स्तरीय जन सुनवाई के दौरान अधिकारियों ने आमजन के परिवादों का निस्तारण किया।

उन्होंने जनसुनवाई में ग्रामीण क्षेत्रों में राजस्व भूमि के पैमाईश के प्रकरणों, आम रास्तों के अतिक्रमण, न्यायालय के निर्णयों की पालना जैसे प्रकरणों में संबन्धित अधिकारियों को त्वरित निर्णय लेकर प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिये ताकि लोगों को कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ें। उन्होंने आवासीय क्षेत्रों में सड़क, नाली निर्माण, पानी की निकासी जैसे प्रकरणों में बजट की उपलब्धता के आधार पर आंकलन करते हुए परिवादी को मौंके पर ही वस्तुस्थिति से अवगत करा कर की गई कार्यवाही के बारे में जानकारी देने के निर्देश दिये।

उन्होंने शहरी क्षेत्रों में पानी निकासी की व्यवस्था, अतिक्रमण, बिजली, पानी, सड़क जैसी मूलभूत आवश्यकताओं की समस्याओं के लिए नागरिकों को संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर समय पर समाधान करने के निर्देश दिये।

अधिकारी टीम भावना के साथ आम नागरिकों को बेहतर सेवाऐं प्रदान करें। उन्होंने पुलिस विभाग से संबंधित प्रकरणों में परिवादियों को निर्धारित समय में कार्यवाही कराने के लिए आश्वस्त किया। जनसुनवाई में अतिरिक्त कलेक्टर प्रशासन राजकुमार सिंह, शहर बृजमोहन बैरवा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर प्रवीण जैन, आयुक्त नगर निगम दक्षिण राजपाल सिंह, अतिरिक्त आयुक्त उत्तर अशोक त्यागी, सीईओ जिला परिषद ममता तिवाड़ी, डीएसओ पुष्पा हरवानी सहित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पांच प्रकरणों का निस्तारण किया

कोटा, (निसं)। जिला स्तरीय सर्तकता समिति में बैठक कलेक्ट्रेट स्थित राजीव गांधी सेवा केन्द्र में जिला कलेक्टर हरिमोहन मीना की अध्यक्षता में आयोजित की गई है।

समिति में दर्ज 12 प्रकरणों पर सुनवाई की गई जिनमें से 5 प्रकरणों का मौंके पर निराकरण कर शेष प्रकरणों को भी निर्धारित समय में निस्तारित करने के निर्देश दिये। जिला कलक्टर ने सभी अधिकारियों को सर्तकता समिति में दर्ज प्रकरणों की व्यक्तिशः जांच कर परिवादी को अंतिम रूप से लाभ प्रदान करने के निर्देश दिये। ग्राम गणेशगंज तिराहे पर हो रहे अतिक्रमण को 31 मई तक हटाने, बारां निवासी सेवानिवृत कार्मिक शिवलाल यादव को वन विभाग से पेंशन एवं अन्य परिलाभ 21 दिवस में दिलाने के निर्देश दिये गये है। तहसील दीगोद के ग्राम सोली में आम रास्ते पर अतिक्रमण एवं इंटरलॉकिंग निर्माण की समस्या का समाधान किया गया।

कार्यालय नगरपरिषद, झालावाड़ (राज.)

क्रमांक:-न.परि.झा./भू.रु./2022/1257-58 **सार्वजनिक सूचना** दिनांक: 19.5.22

आवेदक श्रीमती शशी अग्रवाल पत्नी श्री अनिल अग्रवाल द्वारा साकेत नगर एक्सटेंशन कालोनी झालावाड़ के प्लाट संख्या 09 से 11 तक के प्लाटों के पीछे स्थित खाचां/बढ़ी हुई भूमि लेने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त खाचां/बढ़ी हुई भूमि आवंटन करने में कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 7 दिन के भीतर कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर दें अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी।

आयुक्त, नगरपरिषद झालावाड़

जिला स्तरीय जनसुनवाई में जिला कलेक्टर ने आमजन की समस्याएं सुनी

झालावाड़, (निसं)। आमजन से संबंधित समस्याओं एवं परिवेदनाओं के निस्तारण हेतु प्रत्येक माह के तृतीय गुरूवार को जिला स्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम के तहत 19 मई को जिला कलेक्टर डॉ. भारती दीक्षित की अध्यक्षता में मिनी सचिवालय के सभागार में जनसुनवाई आयोजित की गई।

जनसुनवाई में जिला कलेक्टर डॉ. भारती दीक्षित ने आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को परिवेदनाओं के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने समस्त अधिकारियों से कहा कि आमजन से जुड़ी जिन समस्याओं का निस्तारण जिला स्तरीय जनसुनवाई के दौरान नहीं हो सका उन प्रकरणों को सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज कर 7 दिन के अन्दर निर्धारित प्रक्रिया के तहत निस्तारण कराएं।

उन्होंने कहा कि त्रिस्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम निरन्तर प्रत्येक माह आयोजित किया जाएगा। जिसके तहत प्रत्येक माह के प्रथम गुरूवार को ग्राम पंचायत स्तर पर, द्वितीय गुरूवार को ब्लॉक स्तर पर एवं तृतीय गुरूवार को जिला स्तर पर जनसुनवाई का आयोजन होगा। जिनमें ग्राम पंचायत स्तर पर आमजन की जिस भी समस्या का समाधान नहीं हो पाता है, उसे ब्लॉक स्तर पर प्रेषित किया जाएगा। वहीं ब्लॉक स्तर पर भी समस्या का समाधान नहीं होने पर उसे जिला स्तर पर आयोजित जनसुनवाई में प्रेषित किया जाएगा ताकि समस्या का निस्तारण किया जा सके।

झालावाड़ जिला कलेक्टर डॉ. भारती दीक्षित ने जनसुनवाई के दौरान दिव्यांग को ट्राईसाइकिल दी।

जनसुनवाई में 48 प्रकरण प्राप्त हुए, तीन का मौके पर किया निस्तारण:- जनसुनवाई में विधवा पेंशन, बेरोजगारी भत्ता, सीमा ज्ञान, ट्राईसाइकिल संबधित, नल कनेक्शन, खाद्य सुरक्षा में सूचना अपडेट करने, पीएम आवास, ऋण एवं पट्टे संबंधी कुल 48 प्रकरण प्राप्त हुए, जिनमें से तीन प्रकरणों का मौके पर निस्तारण किया गया। शेष प्रकरणों को आगामी 7 दिवस

■ **जनसुनवाई में 48 प्रकरण प्राप्त हुए, तीन का मौके पर निस्तारण किया**

में निस्तारित करने के निर्देश प्रदान किये गये। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर राधेश्याम डेलू, जिला परिषद् के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीनिधि बी.टी., पुलिस उपाधीक्षक देवेन्द्र सिंह सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

आवेदन करने पर दिव्यांग को तुरंत ट्राईसाइकिल दी:- दिव्यांग बालचन्द पुत्र भैंरूलाल निवासी गुलखेड़ी अकलेरा द्वारा गुरूवार को आयोजित जिला स्तरीय जनसुनवाई में जिला कलेक्टर के समक्ष ट्राईसाईकिल की मांग की गई। जिस पर जिला कलेक्टर ने तुरंत सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक गौरीशंकर मीना को नियमानुसार प्रक्रिया के तहत दिव्यांग को ट्राईसाईकिल देने के निर्देश प्रदान किए। तत्पश्चात् जिला कलक्टर द्वारा दिव्यांग को ट्राईसाइकिल प्रदान की गई।

स्काउट गाइड अभिरुचि शिविर 25 मई तक जारी रहेगा

बून्दी (निसं)।भारत स्काउट गाइड स्थानीय संघ द्वारा पेच ग्राउंड स्थित स्काउट भवन पर ग्रीष्मकालीन कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर हॉबी सेंटर का संचालन किया जा रहा है।

लंबे अंतराल के बाद इस वर्ष ग्रीष्मकालीन अभिरुचि विकास हेतु संचालित शिविर में बालिकाएं सेल्फ डिफेंस प्रशिक्षण में विशेष रूप से बढ़

■ **बालिकाएं आत्मरक्षा प्रशिक्षण में विशेष रुचि ले रहीं हैं**

चढ़कर रुचि ले रहीं है।ग्रीष्मावकाश के खाली समय के सदुपयोग हेतु संचालित किए जा रहे हॉबी सेंटर के प्रशिक्षण में बालकों की तुलना में बालिकाएं व महिलाएं अधिक प्रवेश ले रहीं है।

आई एम शक्ति पुरुस्कार प्राप्त आत्म रक्षा प्रशिक्षक दीपिका पाराशर ने गुरुवार को शिविरार्थियों को आत्मरक्षा की आवश्यकता व खतरे के समय आत्मरक्षा की तकनीक व विधियों का प्रशिक्षण प्रदान किया तथा विषम परिस्थितियों में अपने आप को कैसे बचाएं इसका प्रायोगिक प्रदर्शन किया। शिविर अंतर्गत प्रथम सत्र में अंतरराष्ट्रीय व्यक्तित्व उन्नयन कार्यक्रम

शिविर में बच्चों ने आत्मरक्षा के गुर सीखे।

फ्री बीइंग मी से समन्वयक सर्वेश तिवारी ने बालक बालिकाओं को व्यक्तित्व उन्नयन व सेल्फ मोटिवेशन प्रक्रिया से जोडकर स्मृति विकास प्राणायाम व मेडिटेशन का प्रशिक्षण प्रदान किया। प्रार्थना के साथ प्रारंभ हुए शिविर में स्काउट मास्टर रामलाल मेघवाल ने स्काउटिंग प्रशिक्षण के तहत क्लेपिंग, सैल्यूटिंग का अभ्यास करवाया।

प्रशिक्षण सत्र के तहत कमलेश दाधीच ने सिलाई , नैना सैनी ने ब्यूटी पार्लर, व्याख्याता ब्रजेश कुमार ने ड्राइंग पेंटिंग, रेंजर प्राची शर्मा द्वारा मेहंदी, गाइड कैप्टेन मीना बैरवा द्वारा नृत्य का प्रशिक्षण के सैद्धांतिक व प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रारम्भ किया। गाइड कैप्टेन उमेहबीबा, रजिया खातून, रोवर लीडर लोकेश सैनी व कब मास्टर प्रमोद श्रृंगी प्रशिक्षण में सहयोग प्रदान किया।

शिविर संचालक बुद्धिप्रकाश पुंडीर व प्रवेश प्रभारी शम्भूदयाल शर्मा ने बताया कि कोरोना काल के दो वर्ष के अंतराल के बाद शुरू हुए शिविर में बच्चे प्रवेश में अधिक रुचि ले रहे है, बालक- बालिकाओं की मांग को देखते हुए शिविर में प्रवेश तिथि को आठवीं तक के बालक व किसी भी आयु की बालिकाओं व महिलाओं हेतु 25 मई तक बढ़ा दिया गया है।

सार-समाचार

पशुपालकों से क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन मांगे

बूंदी (निसं)। केन्द्र सरकार द्वारा संचालित पशुपालन गतिविधियों के लिये पशुपालन किसान क्रेडिट कार्ड के तहत पशुपालकों को उनके पास पशुओं के लिये दाना खरीदने, बिजली, पानी, पशु चिकित्सा, पशु बीमा, श्रमिक मजदूरी भुगतान हेतु अल्पकालीन ऋण सुविधा के तहत आवृति लागत के तहत (1 लाख 60 हजार रूपये तक केसीसी के द्वारा) बैंकों द्वारा उपलब्ध कराई जाती है। जिस पर 7 प्रतिशत ब्याज दर तथा समय अवधि में जमा करवाने पर 3 प्रतिशत ब्याज दर छूट का ब्याज सरकार द्वारा दिया जाता है। पशु पालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. कन्हैयालाल ने बताया कि जिस पशुपालक के पास पशु मौजूद है, जमीन नहीं होने पर भी पशुपालन किसान क्रेडिट कार्ड बनाने हेतु नजदीकी पशु चिकित्सा संस्था एवं कृषि विभाग के अधिकारी/कर्मचारी से सम्पर्क करके ईमित्र/दूकान से आवेदन पत्र प्राप्त करके विशेष अभियान के तहत 30 मई 2022 तक आवेदन कर सकते है। साथ ही सभी पशुपालक वर्तमान में चल रहे है प्रशासन गॉव के संग फोलोअप शिविरो में आवेदन प्रस्तुत कर सकते है। आवेदन के लिए प्रार्थी के दो फोटो, दो आईडी, बैंक खाते की छाया प्रति तथा जमीन मौजूद हो तो संबंधित दस्तावेज एवं यदि पूर्व में केसीसी जारी हो तो बैंक का नाम एवं कसीसी खाता संख्या उपलब्ध करवाना होगा। आवेदन पत्र पूर्ण भरकर पशु चिकित्सा अधिकारी से सत्यापन हस्ताक्षर करवाकर पशु चिकित्सा संस्था में जमा कराया जा सकते है।

एसीआर संबंधी आदेश से नर्सेज में रोष

छबड़ा, (निसं)। राजस्थान राज्य नर्सेज एसोसिएशन एकीकृत ने नर्सेज के एसीआर संबंधी आदेश में सात दिवस में संषोधन करने की मांग की। ब्लॉक अध्यक्ष रितेष यादव ने बताया कि अभी हाल ही में नर्सेज कार्मिकों की एसीआर से संबंधित आदेश जारी किया गया था। जिसमें प्रथम अधिकारी नर्सिंग अधीक्षक को हटाकर उपाधीक्षक (चिकि.) किया गया है जो नर्सेज के अधिकारों के साथ कुठाराघात है। क्योंकि नर्सेज के दैनिक कार्यों का मूल्यांकन नर्सिंग अधीक्षक कार्यालय में ही किया जा रहा है इसलिए प्रथम अधिकारी नर्सिंग अधीक्षक को ही किया जाना न्याय संगत है। नर्सिंग अधीक्षक राजपत्रित होने के साथ नर्सेज कार्मिकों का प्रथम अधिकारी होता है, उक्त आदेश से नर्सेज में रोष व्याप्त है।

दुकान में आग लगाने का मामला दर्ज

छबड़ा, (निसं)। क्षेत्र के बालापुरा गांव निवासी टेंट संचालक ने पुरानी रंजिष को लेकर एक दर्जन से अधिक लोगो ने दुकान में आग लगा देने का प्रकरण थाने मे दर्ज करवाया हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच षुरू कर दी हैं। सीआई नेकीराम के अनुसार विनोद माहेष्वरी ने दर्ज रिपोर्ट मे बताया कि मंगलवार रात को रात्रि तीन बजे के लगभग खोपर निवासी जुगलकिषोर पुत्र प्रभुलाल नागर, धीरज पुत्र जुगलकिषोर, दिनेष, गोविंद पुत्र भूरमल, प्रकाष नागर पुत्र कालूराम धाकड, विकास वैशणव पुत्र धन्नालाल, कौषल पुत्र हरिबल्लभ सहित पांच-सात व्यक्ति ने एक राय होकर उसकी दुकान में तोड़-फोड़ की व यहां रखे एक लाख रूपए निकालकर दुकान में आग लगा दी। जिससे 50-60 लाख रूपए का नुकसान हुआ हैं।

एकल नारी शक्ति संस्थान की बैठक संपन्न

छबड़ा, (निसं)। पंचायत समिति के सभागार में गुरूवार को एकल नारी शक्ति संगठन संस्थान की बैठक प्रधान हरिओम नागर के मुख्य आतिथ्य मे आयोजित हुई। जिसमें पेंशन, खाद्य सुरक्षा, पालनहार योजना, महिलाओं के जमीन सम्बंधित हक अधिकार आदि बिंदुओ पर चर्चा की। यहां प्रधान नागर ने महिलाओं को उनके अधिकार पाने में या सरकारी कार्य मे आ रही परेशानियों के समाधान का आश्वासन दिया। बैठक में संगठन कार्यकर्ता विद्या पारीक व कोटा से आई मोटिवेटर अकीला ने भी महत्वूर्ण जानकारियां दी।

नवनिर्मित बरामदे का लोकार्पण आज

बूंदी (निसं)। रेडक्रॉस मुक्तिधाम में नवनिर्मित बरामदा व जन सुविधाओं का लोकार्पण गुरूवार को पूर्व वित्त राज्य मंत्री हरिमोहन शर्मा विधायक अशोक डोगरा, नगर परिषद सभापति मधु नुवाल के आथित्य एवं रेडक्रॉस सोसाइटी की अध्यक्षा एवं जिला कलेक्टर रेणु जयपाल की अध्यक्षता में संपन्न होगा। रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव अशोक विजय ने बताया की रेड क्रॉस मुक्तिधाम माटुंडा रोड मैं नवनिर्मित बरामदा एवं जन सुविधाओं का लोकार्पण शुक्रवार 20 मई को शाम 5:30 बजे अतिथियों रेड क्रॉस सोसाइटी के सदस्यों एवं आमजन के सानिध्य में किया जावेगा यह मुक्तिधाम रेड क्रॉस सोसाइटी के द्वारा आमजन के लिए बनाया गया है। जिसमें जिला प्रशासन एवं नगर परिषद का सहयोग भी रहा है। रेडक्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन अनिल शर्मा ,वाइस चेयरमैन राजेंद्र राव का मुक्तिधाम के प्रभारी के सी वर्मा ने इस मुक्तिधाम के निर्माण से इस क्षेत्र के लोगों को काफी राहत मिली है।

पंचायत समिति मांगरोल की बैठक में पेयजल व सड़क पर ब्रेकर लगाने पर चर्चा

मांगरोल (निसं) कस्बे में पंचायत समिति मांगरोल की साधारण सभा की बैठक ज्योतिभा फूले भवन में बधुवार को पंचायत समिति प्रधान चंदकांता मीणा की अध्यक्षता में बैठक हुई।

बैठक में उपखण्ड अधिकारी मांगरोल रतज विजयवर्गीय एवं नवयियुक्त विकाश अधिकारी ग्यारशिलाल मीणा पंचायत समिति मांगरोल व तहसीलदार मांगरोल रश्मी शर्मा भाग लिया तथा बैठक में सभी पंचायत समिति मुख्यालय के गांवों में पेयलज एवं मौसमी बीमारियों, सड़क निर्माण, बिजली एवं ग्रामीण सड़क व पंचायतीराज के अधीन विभागो से चर्चा की गई है। जन प्रतिनिधियों द्वारा जोर शोर से ग्रामीण की समस्या का मुदे उठाये गया। बैठक में बोहत पंचायत समिति के सरपंच बाबूलाल चंदेल ने अपनी पंचायत में मैन रोड पर अतिक्रमण एवं ब्रेकर लगाने व पेयजल हेडपंप खराब की बात रखी तथा वही बैठक में किशनपुरा पंचायत समिति डारेक्टर शिमना नागर ने अपने क्षैत्र की ग्राम पंचायत क्षेत्र में पेयजल व आंगड बाडी पर नरश नही आती है अभी मौसमी बीमारियों का महोल चल रहा है एव कोई दवाईया उपलब्ध नहीं है।

यही आलात अन्य ग्राम पंचायत के गाँवो में समस्या है। बैठक में चंदकांता प्रधान ने कहाँ कि सभी पंचायत की समस्याओं गंभीरता से लेकर समादान किया जायेगा।तथा हर पंचायत में विकाश वंचित नही रहेगा। पेयजल पर विशेष ध्यान देकर हेडपंप को ठीक करवाया जायेगा। वही बैठक में उपखण्ड अधिकारी ने पेयजल समस्या पर स्वयं द्वारा सभी ग्राम पंचायतों से विस्तृत चर्चा कर कनिष्ट अभियंता हेतु निदेश दिए गए। बैठक में जैव विविधता फ्रबंधन समिति का गठन व अनुमोदन कोरम द्वारा सर्वसहमती से किया गया है।

बैठक अधिकारी गण महेश गर्ग अईयन पंचायत समिति मांगरोल, ब्लॉक चिकित्साल एवं स्वस्थय अधिकारी डॉ. एस पी गर्ग, डाक्टर विवेक जैनमी, भूपेन्द सहायक अभियंता सर्वजनिक निर्माण विभाग मांगरोल, कालू लाल मीणा सहायक अभियंता विधुत विभाग मांगरोल, जल साधन विभाग के सहायक अभियंता आशिष मीणा मांगरोल, पीएचडी विभाग से सुनिता नगरवाल, भूनेश वर्मा सीएडी विभाग मांगरोल, अब्दूल रजाक वन विभाग मांगरोल, रविकान्त मीणा समाज कल्याण विभाग मांगरोल, कृषि पर्यवेक्षक आनंदप्रकाश , जिला परिषद सदस्य सुनीता नागर, उपप्रधान सीमा नागर, कन्हैयालाल नागर, नरेन्द्र बैरवा, ओपाल शर्मा संतोष बाई मीणा, नंदलाल मीणा, भूवनेश मीणा, धनश्याम गजोरीया बैठक भाग लिया।

शिक्षक संघ का प्रदेश महासमिति अधिवेशन कल से

बूंदी (निसं)। जिला मुख्यालय पर 21मई से होने वाले राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के दो दिवसीय प्रदेश महासमिति अधिवेशन के आयोजन को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई है।

इस अधिवेशन में राजस्थान के सभी जिलों की प्रदेश महासमिति के निर्वाचित सदस्य, जिलाध्यक्ष, जिलामंत्री, स्थाई समिति सदस्य, प्रदेश कार्यकारिणी व संरक्षक मंडल के पदाधिकारी भाग लेंगे। पहली बार बून्दी में आयोजित हो रहे इस प्रदेश स्तरीय आयोजन में एक हजार से अधिक शिक्षकों के पंहुचने की संभावना है। इस दौरान संगठन की प्रदेश कार्यकारिणी के चुनाव भी सम्पन्न होंगे।

अधिवेशन के उपसंयोजक एवं जिलामंत्री मुकेश शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में दूर-दराज के जिलों से आने वाले शिक्षकों के लिए बून्दी के एक निजी रिसोर्ट में 50 से अधिक वातानुकूलित कमरे बुक किए गए हैं। कोटा व अजमेर संभाग के शिक्षकों की आवास व्यवस्था गौत्तम छात्रावास में की गई है। गुरुवार को संचालन समिति ने सुबह बालचंद पाड़ा स्थित मंशापूर्ण गणेश भगवान को निमंत्रण देकर आयोजन की विधिवत शुरुआत की।

शाम को गौत्तम छात्रावास में आवास एवं पंजीयन समितियों की बैठक हुई जिसमें संभागवार जिम्मेदारियां सौंपी गई तथा अधिवेशन के पत्रक का विमोचन किया गया। अधिवेशन संयोजक योगेश शर्मा के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम में 22 मई को सुबह 8 बजे से खुला सत्र, 10 बजे से प्रस्ताव सत्र व मुख्य सत्र आयोजित होंगे। मुख्य सत्र में खेल एवं युवा मामलात राज्यमंत्री अशोक चांदना, विधायक अशोक डोगरा व चंद्रकांता मेघवाल विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे।

'कौशल विकास, अभिरुचि के द्वारा स्वावलंबन की ओर प्रेरित'

बूंदी (निसं)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड बूंदी द्वारा ग्रीष्मावकाश में राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय विकास नगर में आयोजित कौशल विकास अभिरुचि केंद्र के शुभारंभ अवसर पर जिला मुख्य आयुक्त एवं मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी तेजकंवर ने कहा कि स्वावलंबन, कौशल विकास, हस्तकला की ओर प्रेरित करते है।

उन्होंने कहा कि समय के सदुपयोग के साथ-साथ इस प्रकार के प्रशिक्षण से आत्मविश्वास, अनुशासन, सेवाभावना का विकास होता है।

उन्होंने इस प्रशिक्षण में बालिकाओं की संख्या अधिक है यह इस बात का द्योतक है कि बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन किया जा रहा है।

सहायक जिला कमिश्नर गुमानसिंह ने कहा कि बालक बालिकाए ऐसा कार्य करके असंभव भी संभव करती है। उन्होंने समाज में प्रेरणा देने वाले व्यक्तित्व का दृष्टांत

■ **स्काउट गाइड अभिरुचि कौशल प्रशिक्षण शुरू**

देते हुए जीवन को सफलता से जोडने की बात कही।

सर्किल ऑर्गेनाइजर गिरिराज गर्ग ने कौशल विकास शिविर बालिका विद्यालय विकास नगर, स्काउट गाइड मुख्यालय, इन्द्रगढ़, नैनवा, सींता, तलवास में आयोजित केंद्रों की गतिविधियां प्रशिक्षण सहित स्काउट गाइड कला के बारे में बताया।

बालिका विद्यालय विकास नगर में कंप्यूटर, ब्यूटीशियन, इंग्लिश स्पोकन, सिलाई, मेहंदी, आर्ट एंड क्राफ्ट, संगीत, योग प्राणायाम इत्यादि विषयों का प्रशिक्षण माही जैन, सुष्मिता कटारिया, अंजूलता, पंकज सिसोदिया, शिवचरण शर्मा, रघुनंदन शर्मा, सत्यनारायण राठौर, रतन लाल बेरवा, विशाल कसेरा, हेमंत बृजवासी द्वारा दिया जा रहा है।

क्षतिग्रस्त पुलिया को तुरंत ठीक करवाया

कोटा, (निसं)। सिंचाई विभाग द्वारा गुरूवार को डाढ़ देवी से उम्मेदगंज की नहर के रेगुलेटर गेट को खोलने के कारण पानी के तेज बहाव से उम्मेदगंज की पुरानी पुलिया क्षतिग्रस्त हो गई और उम्मेदगंज के लोगों का आवाजाही का मार्ग अवरूद्ध हो गया। कोटा उत्तर की महापौर मंजू मेहरा व निगम के अग्निशमन विभाग की सजगता व सक्रियता के कारण कोई बड़ा हादसा नही हुआ और अवरूद्ध मार्ग भी कुछ समय बाद ही लोगों के आने-जाने के लिए प्रारम्भ हो गया। गुरूवार को दिन में महापौर मंजू मेहरा के पास उम्मेदगंज के लोगों की सूचना पहुंची कि डाढ़ देवी नहर के रेगुलेटर गेट को अचानक खोलने से पानी के तेज बहाव से उम्मेदगंज की पुरानी पुलिया क्षतिग्रस्त हो गई है और पानी तेजी से बढ़ रहा है। इस पर महापौर तुरन्त सक्रिय हुई और तत्काल निगम के अग्निशमन विभाग को मौके पर पहुंचने व रेस्क्यू कार्यवाही करने के निर्देश दिए तथा खुद भी रवाना होकर मौके पर पहुंच गई। स्थानीय पार्षद ईना मीणा तथा सिंचाई विभाग के अधिकारी गण भी मौके पर उपस्थित थे।

कांग्रेस की संगठनात्मक चुनाव को लेकर बैठक सम्पन्न

झालावाड़ (निसं)। संगठनात्मक चुनाव को लेकर जिला मुख्यालय में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की बैठक डी.आर.ओ. (जिला रिटर्निंग अधिकारी) जितेन्द्र सिंह के मुख्य आतिथ्य में एवं जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष वीरेन्द्र गुर्जर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

जितेन्द्र सिंह ने कहा कि चुनाव का उद्देश्य मुख्य रूप से संगठन से जुड़ा है। जमीन से जुडे एवं पार्टी में योगदान देने वाले कार्यकर्ताओं को पद पर काम करने का मौका मिले। मैं निष्पक्ष और सच्चे दिल से पार्टी हित में काम करूंगा, उन्होंने कहा कि पार्टी को मजबूत करने के लिए सदस्यता अभियान महत्वपूर्ण है, इसे पार्टी की जड़ मजबूत होती है, पार्टी में विचारधारा एवं सिद्धान्त महत्वपूर्ण है और धर्मजात से ऊपर उठकर हमारे लिए कांग्रेस है। काफी समय से लोकसभा चुनाव नहीं जीते तथा विधानसभा चुनाव में भी हमे हार मिली इसके लिए हमे देखना होगा की हममें क्या कमी है। किसी भी राजनैतिक दल की ताकत समाज की जड़ो से ही होती है। अगर समाज कमजोर होगा तो प्रदेश कमजोर और देश कमजोर होगा। उन्होंने कहा कि आज भाजपा धर्म के नाम पर लोगों को गुमराह कर रही है।

ऐसे में हमें लोगों को साथ रखकर धर्म निरपेक्षता आदर्शो का सम्मान करें और हमेशा निर्भय होकर उसे जीवन में अपनायें। उन्होंने कहा कि युवाओं को पार्टी के लिए खड़ा होना होगा कांग्रेस को मजबूत और बेहतर बनाने के लिए हम सबको मजबूती के साथ खड़ा होना होगा। इसके पश्चात् कार्यकर्ताओं से अलग-अलग चुनाव को लेकर फीडबेक भी लिया। वीरेन्द्र गुर्जर ने कहा कि पार्टी में संगठन के पदो पर चुनाव होना एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। ए.आई.सी.सी. सदस्य कैलाश मीणा ने कहा कि कार्यकर्ताओं का सम्मान होना चाहिए, पार्टी में विचारधारा पर अमल बहुत जरूरी है। हमें एकता अनुशासन और आत्म विश्वास के साथ काम करना होगा जिससे निश्चित हमारी पार्टी को मजबूती मिलेगी। राजस्थान समाज कल्याण बोर्ड की उपाध्यक्ष मीनाक्षी चन्द्रावत ने कहा कि संगठन सर्वोपरि है, संगठन के माध्यम से ही सत्ता प्राप्त होती है हर पदाधिकारी की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए उन्होंने कहा कि विकट परिस्थितियों में भी यहां का कार्यकर्ता अपनी जगह अडिग रहा है, कार्यकर्ताओ की बात को गम्भीरता से सुनी जानी चाहिए। संगठन की मजबूती के लिए शीर्ष नेतृत्व एक दूसरे से जोड़ने का काम कर रहे है। पीसीसी सदस्य सुरेश गुर्जर ने कहा कि ऐसे कार्यकर्ता जो जमीन से जुड़े हुए है और आम आदमी की परेशानी जरूरतों को महसूस करते है उनको पार्टी से जोड़ा जाए और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत किया जाये।

फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए

बूंदी (निसं)। आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान कर उन्हें राहत देने के उद्देश्य से शुरू की गई त्रि स्तरीय जन सुनवाई व्यवस्था के तहत गुरूवार को कलक्टेट परिसर स्थित जन सुविधा केन्द्र में जिला स्तरीय जन सुनवाई हुई। इसमें जिला कलेक्टर रेणु जयपाल ने आमजन की परिवेदनाएं सुनी और मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को निस्तारणकरराहत देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी आमजन की समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ लेते हुए सरकार की मंशानुरूप निस्तारण करें।

जिला कलेक्टर ने विभागवार राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं की गहनता से समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि फ्लैगशिप योजनाएं राज्य सरकार की महत्पूर्ण योजनाएंहै। अधिकारी इनको सर्वोच्च प्राथमिकता में लेते हुए इनकी प्रगति को और अधिक बढाएं।

जन सुनवाई के दौरान जिला कलेक्टर ने निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की समस्या नहीं आए। सभी को शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो, इसकी

■ **जिला स्तरीय जन सुनवाई सम्पन्न**

पूर्ण सुनिश्चितता की जावे।जिला कलेक्टर ने सभी उपखण्ड अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी 30 जून से पहले सीमाज्ञान से संबंधी प्राप्त सभी प्रकरणों का निस्तारण करना सुनिश्चित करें। इस कार्य में किसी तरह की ढिलाई नहीं की जावे। इसके अलावा प्रशासन गांवों के संग अभियान के फलोअप शिविरों में पट्टे बनाने संबंधी कार्य को भी गति दी जावे।

उन्होंने निर्देश दिए कि आगामी 15 जून से जिले में पशुपालकों के क्रेडिट कार्ड के लिए शिविर लगाए जाएंगे। इसके लिए पशुपालन विभाग द्वारा अभी से तैयारी कर ली जावे। उन्होंने कहा कि ज्यादा से ज्यादा पशुपालकों को शिविर का लाभ मिले। इसकी सुनिश्चितता की जावे। अवैध खनन की रोकथाम के लिए नियमित रूप से मॉनिटरिंग की जावे।

जिला कलेक्टर ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि अस्पताल में रोगियों के लिए पर्याप्त मात्रा में दवाईयों की उपलब्धता रहे। इसके अलावा जो दवाईयां उपलब्ध नहीं है, उनके संबंध में उच्च अधिकारियों को अवगत करवाकर उन दवाईयों का प्रबंध किया जावे। उन्होंने निर्देश दिए कि श्रम विभाग के श्रमिक सत्यापन कार्य गति देकर शीघ्र पूर्ण किया जावे। उन्होंने निर्देश दिए कि नहरों के अतिक्रमण हटाए जाएं तथा जहां मरम्मत की जरूरत हो, वहां तत्काल मरम्मत कार्य शुरू करवाए जावे। जन सुनवाई के दौरान जिला कलेक्टर ने विद्युत निगम के अधीक्षण अभियंता को निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्र में विद्युत कटौती के लिए पूर्व में सूचना दी जावे।

जन सुनवाई के दौरान नगर परिषद से सम्बंधित प्राप्त परिवेदनाओं के संबंध में जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि जिन स्थानों पर घरों के बाहर पानी के जमाव की समस्या से निजात दिलाने के लिए सीवरेज का कार्य करवाया जावे। साथ ही सूअरों की समस्या का समाधान किया जावे। इसके अलावा आवागमन के रास्तों से अतिक्रमण तत्काल हटाए जाएं। इस कार्य में पुलिस के सहयोग की जरूरत हो तो लिया जाये।

झालावाड़ डेयरी के सुव्यवस्थित संचालन हेतु समितियों के साथ मंथन किया : प्रमोद शर्मा

झालावाड़ (निसं)। जिले में कार्यरत दुग्ध समितियों की बैठक डेयरी परिसर मे रखी गई जिसमें डेयरी के सुव्यस्थित संचालन हेतु समितियों की पीढ़ा एवं देनदारी के विषय में मंथन किया।

बैठक को संबोधित करते हूए प्रमोद शर्मा ने डेयरी समितियों के संचालको एवं डेयरी के कर्मचारियो को कहा की यह डेयरी जब तक धुआं उगलेगी तबतक उनके घर के चूल्हे भी निर्बाधरूप से जलते रहेंगे अगर किन्ही कारणों से डेयरी को बंद किया जाता है तो उनके सामने रोजी-रोटी का संकट पेदा हो जाएगा। इसलिए डेयरी द्वारा समितियों की देनदारी जो विभीन्न टूकड़ों के अंदर अटकी हुई है उसकी पूर्ति के लिये संयम एवं सहयोग करने के लिये आव्हान किया।

प्रमोद शर्मा ने अकाउंट सेक्शन के विजेंद्र सिंह से सम्पूर्ण जानकारी लेते हूए कहा की झालावाड़-बारां दुग्ध संघ की समितियों को देय बकाया दुग्ध भुगतान राशी का कुल दो करोड़ बीस लाख तेईस हजार आठ सो चंवालीस रुपये अक्टूबर, नवंबर, दिसंबर 2021 तक बकाया बताया गया जिसके विषय मे

प्रमोद शर्मा ने जिले में कार्यरत दुग्ध समितियों की बैठक ली।

शर्मा द्वारा एक पत्र आज ही महाप्रबंधक (विपणन) राजस्थान कोपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड को लिख कर अवगत करवा दिया गया और पत्र मे कहा गया की डेयरी के सुचारु संचालन के लिय यह राशि तुरंत प्रदान कर झालावाड़ डेयरी को जीवन प्रदान करें।

वहीं प्रमोद शर्मा ने जब अकाउंट सेक्शन की पूर्ण जानकारी ली तो चौंकाने वाले तथ्य उनके सामने आए की जिन दुग्ध वितरण ठेकेदारो को वितरण की व्यवस्था का ठेका दिया गया था उसमें अनीता राठोर के 50,88,505 रुपये भंवर सिंह के 38,39,101 रुपये और दिनेश राठोर बारां अटरू वाले डिस्ट्रीब्यूटर के 9,74,497 रुपये यानि 99,02,103.04 रुपये लाख की बकाया राशि जो इनसे वसूल करनी थी उसके विषय में न तो डेयरी के एमडी ने इस और प्रयास किया और न ही वहा कार्यरत कर्मचारियो द्वारा इसे वसूलने की कार्यवाही आगे बढ़ाई गई। हैरत की बात तो तब हुई जब दिनेश राठोर बारां-अटरु वाले को एक और तो डेयरी द्वारा ब्लेक लिस्टेड कर किया गया वही दूसरी और कोटा डेयरी में डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में दिनेश राठोर को पुनः काम देकर डेयरी में हूए भ्रष्टाचार को सिद्ध कर दिया गया।

इस आशय का भी एक पत्र आरसीडीएफ महाप्रबंधक को लिखकर डेयरी हित में इन तीनों डिस्ट्रीब्यूटर से राशी वसूल कर डेयरी की जिम्मेदारियों के लिय काम लिया जाए जिससे डेयरी के ऊपर जो देनदारी है उससे बहुत मात्रा में डेयरी को राहत प्रदान होगी।

प्रमोद शर्मा द्वारा डेयरी मे कार्यरत करचरियों को निर्देशित किया गया की जो घी का स्टॉक रखा हुआ है और जितनी दुग्ध समितियों की देनदारी है उसमे बराबर मात्रा के अंदर घी दुग्ध समितियों के काउंटर पर दे दिया जाए जिससे दुग्ध समितियों की देनदारी कम भी होगी और घी बेचकर दुग्ध समिति वाले अपने परिवार और पशुओ को आहार एवं पालन पोषण की व्यवस्था कर सकेंगे इस पर दुग्ध समितियों के संचालको में सहमति बन गई इससे डेयरी के कुशल प्रबंधन का कार्य भी हो सकेगा।

रणथंभौर नेशनल पार्क में खाने-पीने का सामान व प्लास्टिक की बोतल कैसे जाती हैं, गार्ड क्यों नहीं लगाते : हाईकोर्ट

प्रमुख राजस्व सचिव, सवाई माधोपुर जिला कलेक्टर व एसपी सहित वन विभाग के आला अफसरों को शुक्रवार को अदालत में पेश होने के आदेश

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने सवाई माधोपुर के रणथंभौर नेशनल पार्क व टाइगर रिजर्व में टाइगर के संरक्षण से जुड़े मामले में राज्य सरकार से पूछा है कि वहां पर खाने-पीने का सामान व प्लास्टिक की बोतल कैसे जा रही हैं। इन्हें रोकने के लिए वहां पर गार्ड क्यों नहीं लगाए जाते।

वहीं अदालत ने पूछा कि होटल वाले सेंचुरी में सफारी कैसे करा रहे हैं और फुल डे व हाफ डे सेंचुरी की व्यवस्था क्या है। वहीं अदालत ने मामले में स्पष्टीकरण के लिए शुक्रवार को प्रमुख राजस्व सचिव, सवाई माधोपुर जिला कलेक्टर व एसपी सहित वन विभाग के आला अफसरों को अदालत में हाजिर होने के लिए कहा है। जस्टिस प्रकाश गुप्ता व समीर जैन की खंडपीठ ने यह आदेश स्वप्रेरित प्रसंज्ञान व अन्य याचिकाओं पर संयुक्त रूप से सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने इन अफसरों से यह भी बताने के लिए कहा है कि उन्होंने पूर्व में दिए गए निर्देशों की क्या पालना की।

- **अदालत ने पूछा कि होटल वाले सेंचुरी में सफारी कैसे करा रहे हैं और फुल डे व हाफ डे सेंचुरी की व्यवस्था क्या है**

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को पूर्व में निर्देश दिया था कि वह रणथंभौर व सरिस्का सहित अन्य अभयारण्यों व टाइगरों के संरक्षण के लिए योजना तैयार करें। अदालत ने राज्य सरकार को एम्पावर्ड कमेटी की सिफारिशों की पालना कर रिपोर्ट भी पेश करने को कहा था, लेकिन अदालती आदेश का पालन नहीं किया गया।

याचिका में कहा था कि एनटीसीए के लिखने के बाद भी टाइगर फोर्स नहीं बनी है और सरिस्का अभयारण्य सहित अन्य जगहों पर टाइगर मर रहे हैं। अभयारण्य के कोर एरिया में अभी भी लोग बसे हुए हैं और अधिकतर गांव वालों के पास हथियार भी हैं। यहां पर टाइगर सहित अन्य जानवरों का शिकार किया जा रहा है। ऐसे में सरिस्का क्षेत्र में शिकारियों पर कार्रवाई की जाए और इसे रोकने के लिए प्रोटेक्शन फोर्स बनाई जाए। क्षेत्र में अवैध खनन व पशुओं की चराई को भी रोका जाए और मामले में लापरवाही बरतने पर मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक के खिलाफ कार्रवाई की जाए। गौरतलब है कि अदालत ने भी सरिस्का और रणभंभौर सहित अन्य रिजर्व को लेकर स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लिया था।

गहलोत सरकार को अलविदा कहने का जनता ने मन बना लिया है : नड्डा

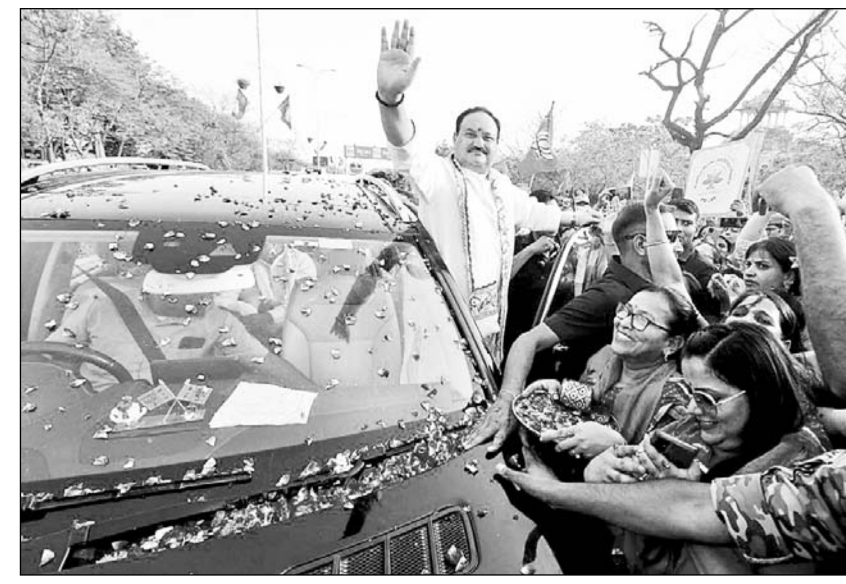

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी.नड्डा का गुरूवार को जयपुर आगमन पर कार्यकर्ताओं ने जगह-जगह स्वागत किया।

जयपुर। प्रदेश की राजधानी जयपुर में 3 दिन तक देशभर के भाजपाइयों का जमावड़ा रहेगा इसकी शुरुआत गुरुवार को भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित अनेक पदाधिकारी राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक दिल्ली रोड स्थित एक होटल में पहुंचे। वहीं भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक में हिस्सा लेने के लिए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा गुरुवार शाम जयपुर पहुंचे। जयपुर एयरपोर्ट पर जहां लोक गीत और संगीत से उनका स्वागत किया गया। वहीं एयरपोर्ट परिसर के बाहर वैदिक मंत्रों के साथ नड्डा की अगवानी की।

इसके साथ ही आमेर में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने गहलोत सरकार पर जुबानी हमला बोला। आमेर के कुंडा पर उनके स्वागत के बाद मंच से नड्डा ने कहा कि गहलोत सरकार में राजस्थान के लोगों की उपेक्षा और उसका निरादर हुआ है। जनता ने गहलोत सरकार को अलविदा कहने और भाजपा सरकार लाने का मन बना लिया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा ने प्रदेश में बिगड़ी कानून व्यवस्था को लेकर भी गहलोत सरकार पर निशाना साधा और कहा जगह-जगह समाज में अशांति फैलाई जा रही है। करौली भरतपुर जैसी घटनाए इस बात को बताती है कि यहां पर प्रशासन नाम की कोई चीज नहीं है जिसके चलते आम आदमी आज दहशत में है। इसलिए यहां की धरती पर कमल का फूल खिलाना है। से पहले नड्डा का पूरे मार्ग में जगह-जगह कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। कुछ जगहों पर नड्डा ने रुककर कार्यकर्ताओं का अभिवादन भी स्वीकार किया।इस दौरान आमेर विधानसभा क्षेत्र के आमेर कुंडा पहुंचने पर भी नड्डा का भव्य स्वागत किया गया। खास बात यह रही कि सतीश पूनिया ने पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से हाथ लगवाकर नड्डा के सिर पर लाल रंग की पाग पहनाई। आमिर के कुंडा से राष्ट्रीय अध्यक्ष नोएडा के स्वागत में ट्रैक्टरो एवं मोटरसाइकिलो भाजपा कार्यकर्ताओं ने काफिले के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को होटल परिसर तक पहुंचाया।होटल परिसर में बनाए गए कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में डालें एक प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया। इस प्रदर्शनी में सुंदर सिंह भंडारी और कुशाभाऊ ठाकरे के जीवन वृतांत के बारे में बताया गया है।

'मन मिले ना मिले लेकिन हम साथ-साथ हैं'

जयपुर। भाजपा की तीन दिवसीय राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक आमेर के एक होटल में होगी। इस बैठक में शामिल होने के लिए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी पहुंचे। वहीं राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का स्वागत भाजपा कार्यकर्ताओं ने पलंग पावडे बिछा कर किया गया।

नड्डा ने पार्टी को एकजुट बताने का के लिए अपनी गाड़ी में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया को साथ बैठाया। पूरे रास्ते यह चारों नेता एक ही गाड़ी में सवार रहे। गौरतलब है कि पिछले दिनों दिल्ली में प्रदेश के नेताओं की बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और संगठन मंत्री बीएल संतोष ने ली और सभी को एकजुट और एक साथ रहने का संदेश दिया था। उसके बाद यह पहला मौका था जिसमें प्रदेश के यह नेता एक साथ एक मंच पर नजर आए। वही कार्यकर्ताओं का कहना यह भी है कि मन मिले ना मिले लेकिन हम साथ साथ हैं। जिससे प्रदेश में होने वाले 2023 के चुनाव में भाजपा की पूर्ण बहुमत से सरकार बन सके।

प्रदेश के 15 जिलों में नए करोना संक्रमित मिले गुरूवार को

हालांकि, राज्य में नए संक्रमितों की संख्या में कोई खास वृद्धि नहीं होने से 65 ही मामले सामने आए हैं

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में गुरूवार को 15 जिलों में नए करोना संक्रमित मिले है। हालाकि संक्रमितों की संख्या में कोई खास वृद्धि नहीं हुई है। इस दौरान 65 नए मरीज सामने आए हैं। इधर राज्य में पिछले चौबीस घंटों में 84 मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 465 रह गए हैं।

प्रदेश में गुरूवार को 6 मामले बढ़ने के साथ ही 65 नए संक्रमित मिले है। इससे पहले बुधवार को 59 रोगी पाए गए थे। आज राजधानी जयपुर में मामूली गिरावट के बाद 27 नए संक्रमित मिले हैं। इसके अलावा अलवर में 9, धौलपुर में 5, अजमेर में 4, चित्तौड़गढ़ व उदयपुर में 3-3, बारां, बीकानेर, गंगानगर व सीकर में 2-2 तथा चूरू, झालावाड़, कोटा और राजसमंद में 1-1 नया संक्रमित मिला है। इस बीच 18 जिलों बांसवाड़ा, बाड़मेर, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, डूंगरपुर, हनुमानगढ़, जैसलमेर, जालोर, झुंझुनूं, जोधपुर, करौली, नागौर, पाली, प्रतापगढ़, सवाई माधोपुर, सिरोही और टोंक में कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है।

- **राजधानी जयपुर में मामूली गिरावट के बाद 27 नए मरीज मिले हैं।**
- **राज्य में पिछले चौबीस घंटों में 84 संक्रमितों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 465 रह गए हैं।**

प्रदेश में गुरूवार को भी रिकवरी बेहतर होने से एक्टिव केसों में कमी आई है। इस दौरान राज्य में 84 मरीज ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 465 रह गए हैं। वहीं जयपुर में भी इनकी संख्या 275 रह गई है। राज्य में पिछले चौबीस घंटों में भी करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालाकि अब तक इस बीमारी से राज्य में 9554 लोगों मृत्यु हो चुकी है।

राजधानी जयपुर में गुरूवार को 15 स्थानों पर नए करोना संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 5-5 नए मरीज सांगानेर व सोड़ाला में पाए गए हैं। इसके अलावा वैशाली नगर में 4, मानसरोवर में 2 तथा आदर्श नगर, बनीपार्क, दुर्गापुरा, जवाहर नगर, झोटवाड़ा, मालवीय नगर, प्रताप नगर, पुरानी बस्ती, टोंक फाटक और विद्याधर नगर में 1-1 नया संक्रमित मिला है। इस बीच जिले में 57 मरीज ठीक हुए हैं।

प्रदेशों में होने वाले आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनाव पर हुआ मंथन

जयपुर। राष्ट्रीय पदाधिकारियों की तीन दिवसीय बैठकों का दौर गुरुवार को शुरू हो गया है। इसमें पहले दौर में राष्ट्रीय महामंत्रियों की बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने ली।

इस दौरान सभी राष्ट्रीय महामंत्री मौजूद रहे। बताया जा रहा है कि इस बैठक में आगामी दिनों में देश के कई राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर मंथन किया। इसके साथ ही विधानसभा के चुनाव के बाद 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारियां अभी से शुरू करने पर भी मंथन किया गया। इस बैठक में प्रदेशों में आगामी दिनों में किए जाने वाले कार्यक्रम और कांग्रेस या अन्य विपक्षी पार्टियों को घेरने की रणनीति प्रमुख रूप से बने इसके लिए विचार मंथन किया गया। इस बैठक में आगामी दिनों में भाजपा के होने वाले कार्यक्रमों के बारे में भी चर्चा की गई।

रिलायंस रिटेल लिमिटेड पर छह हजार रुपए का हर्जाना

जयपुर, (का.सं.)। जिला उपभोक्ता आयोग ने आलू की कीमत से तीन रुपए ज्यादा वसूलने पर रिलायंस रिटेल लिमिटेड पर छह हजार रुपए का हर्जाना लगाया है। आयोग ने यह आदेश नंदकिशोर की ओर से दायर परिवाद पर सुनवाई करते हुए दिए।

परिवाद में कहा गया कि रिलायंस रिटेल लि. ने एक जनवरी से दस जनवरी 2016 तक आलू की कीमत 8.50 रुपए प्रति किलोग्राम तय की थी और विज्ञापन में इसका उल्लेख भी किया था। परिवाद में कहा गया कि उसने 2.120 किलोग्राम आलू खरीदे, लेकिन रिलायंस ने तय कीमत के बजाए 21.20 रुपए वसूल लिए। परिवादी की ओर से कहा गया कि विक्रेता ने 18.02 रुपए के बजाए अधिक रुपए वसूल कर सेवा दोष कारित किया है। वहीं आयोग की ओर से नोटिस भेजने के बावजूद भी रिलायंस की ओर से कोई जवाब पेश नहीं किया गया।

विराट की वापसी, ठोका अर्द्धशतक, प्लेऑफ की उम्मीदें कायम

स्कोर बोर्ड

गुजरात टायटंस	रन	गेंद	4	6
साहा रन आउट	31	22	4	1
शुभमन का मैक्सवैल बो हेजलवुड	1	4	0	0
मैथ्यू पगबाधा बो मैक्सवैल	16	13	2	1
हार्दिक नाबाद	62	47	4	3
मिलर का और बो हसरंगा	34	25	0	3
तेवतिया का कार्तिक बो हेजलवुड	2	3	0	0
राशिद नाबाद	19	6	1	2
अतिरिक्त :	3			

कुल : 20 ओवर में 5 विकेट पर 168 रन
विकेट पतन : 1-21, 2-38, 3-62, 4-123, 5-132
गेंदबाजी : सिद्धार्थ 4-0-43-0, शाहबाज 2-0-15-0, हेजलवुड 4-0-39-2, मैक्सवेल 4-1-28-1, लोमरोर 1-0-11-0, हसरंगा 4-0-25-1, पटेल 1-0-6-0

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरू	रन	गेंद	4	6
कोहली स्ट वाडे बो रशिद	73	54	8	2
प्लेसिस का हार्दिक बो रशिद	44	38	5	0
मैक्सवेल नाबाद	40	18	5	2
कार्तिक नाबाद	2	2	0	0
अतिरिक्त :	11			

कुल : 18.4 ओवर में 2 विकेट पर 170 रन
विकेट पतन : 1-115, 2-146
गेंदबाजी : शमी 2-0-23-0, हार्दिक 3-0-35-0, राशिद 4-0-32-2, दयाल 4-0-35-0, किशोर 4-0-20-0, फर्गुसन 1.4-0-21-0

मुम्बई, 19 मई। पूर्व कप्तान विराट कोहली (73) की फॉर्म में वापसी और ग्लेन मैक्सवेल की नाबाद 40 रन की आतिशी पारी से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने गुजरात टाइटंस को आईपीएल मुकाबले में गुरूवार को आठ विकेट से मात देकर टीम की प्लेऑफ की उम्मीदों को कायम रखा।

गुजरात ने कप्तान हार्दिक पांड्या की नाबाद 62 रन की शानदार कप्तानी पारी से 20 ओवर में पांच विकेट पर 168 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया लेकिन बेंगलुरु ने 18.4 ओवर में दो विकेट पर 170 रन बनाकर मैच जीत लिया। बेंगलुरु की 14 मैचों में यह आठवीं जीत रही और वह 16 अंकों के साथ तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गया है लेकिन उसका नेट रन रेट माइनस में होना उसके लिए अंत में नुकसानदायक हो सकता है। बेंगलुरु की उम्मीदें अब दिल्ली के आखिरी मैच के परिणाम पर निर्भर करेंगी जिसका प्लस में रन रेट है। बेंगलुरु की जीत से पंजाब और हैदराबाद टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं।

विराट ने 54 गेंदों पर 73 रन में आठ चौके और दो छक्के लगाए और कप्तान फ़ाफ़ डुप्लेसी (44) के साथ ओपनिंग साझेदारी में 115 रन जोड़े। ग्लेन मैक्सवेल आने के साथ ही राशिद खान की गेंद पर बीट हुए लेकिन गेंद स्टंप्स को टच करते हुए निकल गयी। बेल्स में बत्ती भी जली लेकिन बेल्स गिरी नहीं और मैक्सवेल ने इसका पूरा फायदा उठाते हुए चौके-छक्के उड़ाए। डुप्लेसी को आउट करने वाले राशिद ने विराट को स्टंप कराया। मैक्सवेल ने फिर दिनेश कार्तिक के साथ मैच निपटा दिया। विराट कोहली के जिस अंदाज का आरसीबी को इंतजार था, वह आज देखने को मिला। वही पुराना आक्रामक अंदाज। यही वजह रही कि आरसीबी के ओपनरों ने पूरी तरह से डोमिनेट किया और गुजरात टाइटंस के दिए 169 के लक्ष्य को बौना साबित कर दिया। विराट को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला।

भारत की निखत ने विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में जीता स्वर्ण

नयी दिल्ली, 19 मई। भारतीय मुक्केबाज निकहत जरीन ने करोड़ों देशवासियों की उम्मीदों पर खरा उतरते हुए गुरुवार को तुर्की के शहर इस्तांबुल में 5-0 से शानदार जीत के साथ आईबीए महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के 12वें संस्करण में स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

निखत ने 52 किग्रा भार वर्ग के खिताबी मुकाबले में थाईलैंड की जितपोंग जुतामास को बिना किसी खास परेशानी से एकतरफा अंदाज में दोयम साबित किया। सभी पांच जजों ने भारतीय खिलाड़ी के पक्ष में 30-27, 29-28, 29-28, 30-27, 29-28 का स्कोर दिया।

निजामाबाद (तेलंगाना) में जन्मी यह मुक्केबाज छह बार की चैंपियन एमसी मैरी कॉम (2002, 2005, 2006, 2008, 2010 और 2018), सरिता देवी (2006), जेनी आरएल (2006) और लेख केसी (2006) के बाद विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल करने वाली सिर्फ पांचवीं भारतीय महिला बनीं। इस प्रतिष्ठित वैश्विक आयोजन में 2018 में महान मुक्केबाज मैरी कॉम की खिताबी जीत के बाद से यह भारत का पहला स्वर्ण पदक भी है।

आज के मुकाबले को देखें तो निखत ने अच्छी शुरुआत की और कुछ सटीक मुक्कों से शुरूआती तीन मिनट में आत्मविश्वास से लबरेज जुतामास के खिलाफ बढ़त हासिल की। ऐसा नहीं था कि निखत के सामने खड़ी मुक्केबाज का स्तर अच्छा नहीं था। वह तीन बार की विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता कजाकिस्तान की ज़ैना शेकरबेकोवा को हराकर फाइनल में पहुंची थीं।

इन सबकी परवाह किए बगैर 25 वर्षीय भारतीय मुक्केबाज ने अपने लंबे कद का पूरा फायदा उठाया और थाई मुक्केबाज के खिलाफ अपना दबदबा बनाए रखा। निखत ने जुतामास को 2019 थाईलैंड ओपन के सेमीफाइनल में हराया था। जुतामास ने हालांकि दूसरे राउंड में जवाबी हमला करते हुए करने की कोशिश की लेकिन वह काफी तेज और सटीक दिख रहीं निखत के सामने मुश्किल से ही कोई परेशानी पैदा करने में कामयाब हो सकीं। इसका कारण यह था कि निखत पूरी तरह से नियंत्रण में दिख रही थीं।

निखत ने सामने से अपनी विपक्षी खिलाड़ी पर सटीक मुक्के मारे और ताकत के साथ उनके सामने डटी रहीं। यह सब बातें उनके लिए काफी महत्वपूर्ण कारक साबित हुई औऱ इसका फायदा निखत को अंतिम राउंड में मिला और वह अपना पहला फाइनल खेलते हुए लगातार हमले करती रहीं और अंततः विजेता बनकर उभरीं।

मैं जीवन के उस पड़ाव में हूं जहां फील्ड पर उत्साह या निराशा नहीं दूंढ़ता : कोहली

मुम्बई, 19 मई। आईपीएल में खराब दौर से गुजर रहे पूर्व कप्तान विराट कोहली ने कहा है कि वह अपने जीवन के सबसे सुखास्पद पड़ाव में हैं और फ़ील्ड पर क्या होता है उसमें वह उत्साह या निराशा नहीं ढूंढते। साथ ही उन्होंने कहा है कि आईपीएल में लगभग नौ सीज़न बाद सिर्फ़ एक खिलाड़ी के रूप में खेलते हुए भी वह एक ज़िम्मेदार सीनियर खिलाड़ी की भूमिका निभा रहे हैं और कप्तान फ़ाफ़ डुप्लेसी को सुझाव देने से नहीं कतराते हैं।

स्टार स्पोर्ट्स पर इनसाइड आरसीबी कार्यक्रम पर कोहली ने कप्तानी त्यागने के बाद खेलने के बारे में कहा, सच कहूं तो यह थोड़ा अलग है। मैं यह नहीं कहूंगा कि यह कठिन है क्योंकि आप लगातार प्रक्रिया में योगदान देते रहते हैं। सौभाग्य से फ़ाफ़ और मुझमें दोस्ती हमेशा अच्छी रही है। टीम में एक नेतृत्व समूह है जिसमें हम सब अपने सुझाव देते हैं।

मैदान पर भी जब फ़ाफ़ आउटफ़ील्ड में होते हैं तो उन्होंने मुझे कोण और खिलाड़ियों के स्थान में छोटे-मोटे परिवर्तन करने की छूट दे रखी है। ऐसा मैं एमएस (धोनी) के साथ खेलते हुए भी किया करता था। एक ज़िम्मेदार सीनियर खिलाड़ी के तौर पर खेल में अधिक योगदान देने और कप्तान को सुझाव देने में मुझे बहुत मज़ा आता रहा है और यहां भी ऐसा ही है। कोहली ने आईपीएल 2022 के पहले 13 मैचों में केवल 236 रन बनाए हैं और सीज़न के बीच ओपनर के रूप में खेलते हुए भी उनके प्रदर्शन में ख़ासा फ़र्क नहीं पड़ा है। वह कुल छह बार 10 से कम के स्कोर पर आउट हुए हैं और इसमें तीन गोल्डन डक शामिल हैं जहां गेंदबाज़ो ने उन्हें उनकी पारी की पहली गेंद पर पवेलियन भेज दिया है।

केवल एक अर्धशतक लगाने के बावजूद कोहली ने इस पड़ाव पर एक दार्शनिक दृष्टिकोण दिखाते हुए कहा, भले ही यह अनुभव हो या इससे पहले घटे अनुभव, मैं उनकी वजह से ख़ुद को ज़्यादा मूल्यवान मानता हूं। मैं वास्तव में अपने जीवन के सबसे सुखास्पद पड़ाव पर हूं और मुझे मैदान पर घट रही चीज़ों में कोई मोल या आत्म मूल्य नहीं दिखाई देता। इसका मतलब यह नहीं कि मुझमें सफल होने की भूख़ नहीं रही। जिस दिन वह भूख़ चली जाएगी मैं यह गेम छोड़ दूंगा।

कोहली का भाग्य उनका साथ नहीं दे रहा है : शास्त्री

मुम्बई, 19 मई। भारतीय टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री का मानना है कि विराट कोहली का भाग्य उनका साथ नहीं दे रहा है लेकिन उन्हें निर्भिक तरीक़े से खेलने की आवश्यकता है। ईएसपीएनक्रिकइंफ़ो हिंदी के प्री मैच शो टी20 टाइमआउट हिंदी में शास्त्री ने कोहली की बल्लेबाज़ी के बारे में बात करते हुए कहा, अगर विराट कोहली ओपनिंग करने आते हैं तो उन्हें निर्भिक होकर खेलना चाहिए। उन्हें कहीं से भी दब कर नहीं खेलना है। मेरे ख़्याल में काफ़ी समय से उनका लक भी उनके साथ नहीं है।कोहली ने आईपीएल 2022 में 19.66 की औसत से 236 रन बनाए हैं, जिसमें मात्र एक अर्धशतक शामिल है।

सहवाग ने कहा, गांगुली ने नई टीम बनायी, विराट ऐसा नहीं कर पाए

नई दिल्ली, 19 मई। पूर्व भारतीय कप्तान विरेंद्र सहवाग ने कहा है कि सौरव गांगुली ने एक नई टीम बनाई लेकिन विराट कोहली अपने समय में ऐसा नहीं कर पाए। स्पोर्ट्स18 चैनल के एक कार्यक्रम में सहवाग ने विराट कोहली और सौरव गांगुली की कप्तानी के बारे में भी एक तुलनात्मक टिप्पणी की। सहवाग ने कहा सौरव गांगुली ने एक नई टीम बनाई, नए खिलाड़ियों को टीम में लाये और उनके उतार-चढ़ाव में उनका समर्थन किया। मुझे संदेह है कि क्या कोहली ने अपने कार्यकाल के दौरान शायद ही ऐसा किया हो।

सुशील अध्यक्ष और ऋतुपर्ण सचिव बने

जयपुर, 19 मई। राजस्थान सितोलिया एसोसिएशन की जनरल मीटिंग आयोजित की गई जिमसें चुनाव अधिकारी रमापती दाधीच (अधिवक्ता) द्वारा चुनाव कराये गये। जिसमें सुशील गुर्जर (अध्यक्ष) ऋतुपर्ण पारीक (सचिव), सुनील गुप्ता (कोषाध्यक्ष) नरेन्द्र जोशी, धर्मेंद्र सिंह चूचू बना (वरिष्ठ उपाध्यक्ष) चुने गये। इस अवसर पर राजस्थान सितोलिया एसोसियेशन के चेयरमैन मित्रोदय गांधी ने सभी पदाधिकारियों को माला पहनाकर स्वागत किया। आगामी सत्र में होने वाले प्रतियोगिता एवं खेल के प्रचार-प्रसार के बारे में कई प्रस्ताव पारित किये गये। इस अवसर पर निर्वाचित अध्यक्ष सुशील गुर्जर ने कहा कि सितोलिया हमारा पारंपरिक खेल है। इस खेल को बढ़ाने के लिए हम निरंतर प्रयास करेंगे। जिससे इस खेल को राजस्थान में अपनी अलग पहचान मिल सके।

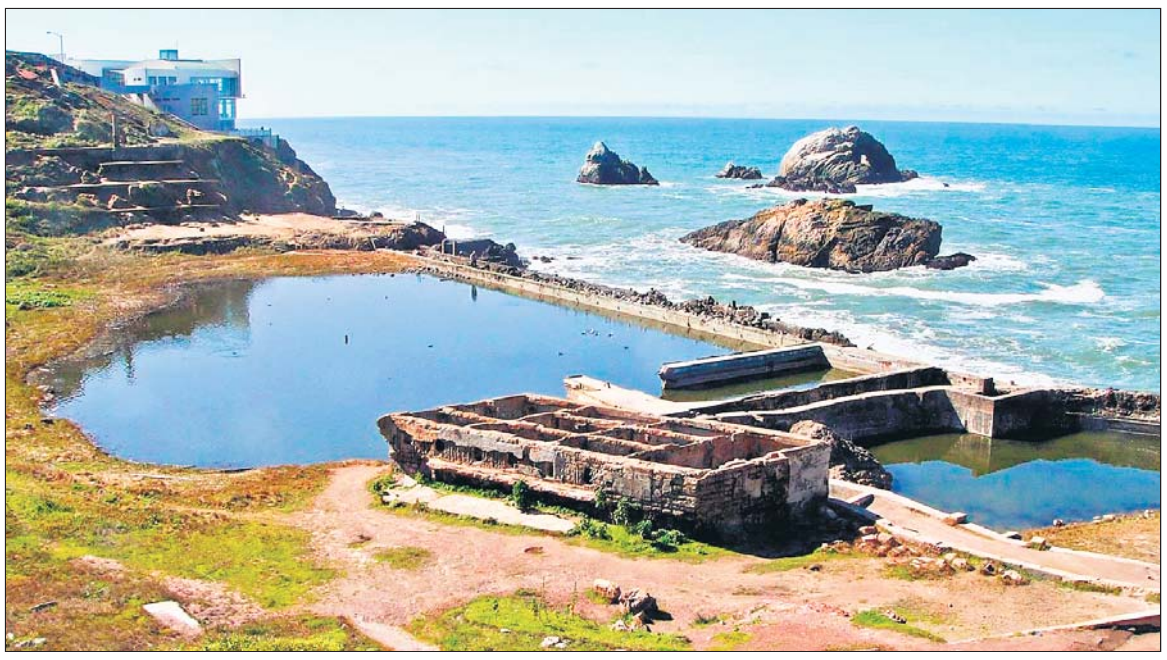

सैनफ्रांसिस्को में ओशन बीच के ठीक उत्तर में गोल्डन गेट नैशनल रीक्रिएशन एरिया है, जहां कभी विश्व का सबसे बड़ा इन्डोर स्विमिंग पूल ''सूत्रो बाथ्स'' हुआ करता था। इसके अवशेष आज भी देखे जा सकते हैं। जाने माने उद्योगपति और सैनफ्रांसिस्को के मेयर एडॉल्फ सूत्रो ने अपने क्लिफ हाउस के साथ ये स्नानागार बनवाए थे। उनका घर ओशन बीच की एक खड़ी चट्टान के किनारे पर टिका हुआ था। क्लिफ हाउस के नीचे एक छोटे से इनलैट (समुद्र या झील से जमीन पर आने वाली छोटी जलधारा) में यह स्नानागार बनाया गया था। कांच की एक बड़ी इमारत में ताजे पानी का एक पूल था तथा 6 पूल खारे पानी के थे, सबका अलग-अलग तापमान था। सूत्रो बाथ्स 150 मीटर लम्बे और 77 मीटर चौड़े थे और इसमें 18 से 20 लाख गैलन पानी आ सकता था। इनमें पानी भरने का सिस्टम बहुत अद्भुत था। ज्वार के समय समीपवर्ती समुद्र से सीधे पानी आता था और एक घंटे में बाथ में भरा 20 लाख गैलन पानी रीसाइकल हो जाता था। लो टाइड (भाटा) के समय एक शक्तिशाली टरबाइन वॉटर पम्प 5 घंटे में टैंकों को भर देता था। यहां 500 से ज्यादा प्राइवेट ड्रैसिंग रुम थे तथा 20,000 लोगों के लिए स्नान की सुविधा थी। पूल्स के अलावा एक म्यूज़ियम भी था, जिसमें वो वस्तुएं प्रदर्शित थीं जो सूत्रो ने मिस्र की यात्रा के दौरान एकत्रित की थीं। इसके अलावा स्टफ्ड पोलर बेअर और वनमानुष, अलास्का के टोटम पोल और मैक्सिको, चीन, एशिया व मध्य-पूर्व से एकत्रित पेंटिंग्स, टैपस्ट्रीज़ और कलाकृतियां भी थीं। सूत्रो बाथ बेहद लोकप्रिय थे पर ये फायदे का सौदा साबित नहीं हुए और इनका रखरखाव महंगा पड़ने लगा। धीरे-धीरे इनकी लोकप्रियता कम हो गई। फायदेमंद बनाने के लिए इसे आइस स्केटिंग रिंक में बदल दिया गया, पर यह अपनी पुरानी लोकप्रियता कभी नहीं पा सका। बाद में एक प्रॉपर्टी डवलपर ने यह इमारत खरीद ली, उसने टैंक तोड़ने शुरु किए ताकि वहाँ ऊंची इमारत बना सके। सन् 1966 में रहस्यमय तरीके से आग लगने के कारण बचाखुचा ढांचा भी नष्ट हो गया। लेकिन यहां कभी भी ऊंची इमारत नहीं बन पाई।

'पेपर लीक की घटनाओं के पीछे बेरोजगारी सबसे बड़ा कारण'

मुख्यमंत्री का तर्क है-बेरोजगारी बढ़ेगी तो क्राइम बढ़ेगा, पेपर लीक के गैंग बनेंगे

- ''आदमी जब फ्रस्ट्रेशन में होता है तो क्राइम करता है, नशा करता है, क्या-क्या नहीं करता?''
- घोघरा मामले में कहा-युवा विधायक भावुक हैं, मना लेंगे।

जयपुर, 19 मई (का.प्र.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने लगातार हो रही पेपर लीक की घटनाओं के पीछे सबसे बड़ा कारण बेरोजगारी को माना है उनका कहना है कि जिस तरह से पेपर लीक की घटनाएं पूरे देश में हो रही हैं उसका कारण है कि बेरोजगारी फैल रही है और देश में बेरोजगारी मुद्दा बना हुआ है। रीट के बाद काँस्टेबल भर्ती परीक्षा का पर्चा लीक होने संबंधी सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने यह बात कही। वहीं उन्होंने कांग्रेस विधायक गणेश घोघरा की ओर से दिए गए इस्तीफे पर कहा कि वैभव का आदमी है हम उन्हें मना लेंगे। इसी के साथ मर्डर केस में गिरफ्तार उप मुख्य सचेतक महेंद्र चौधरी के भाई के मामले को लेकर कहा कि जो भी गलत होगा उसके खिलाफ कार्यवाही होगी इसके लिए हम ने पुलिस को कह रखा है कि किसी की सिफारिश नहीं माननी है।

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर मीडिया से बात करते हुए गहलोत ने कहा ''जो क्राइम हो रहा है, रेप हो रहे हैं काफी हद तक उसके पीछे भी कारण होता है कि आदमी जब फ्रस्ट्रेशन में होता है तो क्राइम करता है, नशा करता है, क्या क्या नहीं करता ? रोजगार नहीं मिलेगा तो क्राइम बढ़ेगा और पेपर लीक जैसी घटनाएं गैंग बनाकर होंगी जो कि हो रही हैं। हर राज्य में होने लगी हैं। यूपी में बहुत बड़ी घटना हुई थी। राजस्थान में कानून पास किया है। हम सुनिश्चित करेंगे कि युवाओं को रोजगार मिले। इतनी बड़ी संख्या में नौकरियां निकाली हैं, उसका फायदा तो मिले।''

गणेश घोघरा के इस्तीफे पर गहलोत ने कहा कि राहुल गांधी की सभा में गणेश घोघरा ने कहा था कि ''हमारे मुख्यमंत्री गांधीवादी नेता हैं। आप समझ जाओ, मुख्यमंत्री गांधीवादी है, तो एसडीओ को बंद करने वाला काम तो गांधीवादी नहीं है। गणेश घोघरा हमारा नौजवान साथी है, भावुक आदमी है। इस्तीफे की घोषणा की होगी हम समझाइश करेंगे, मान जाएगा। वे जनता के लिए संघर्ष करते रहते हैं। उनकी तारीफ करनी चाहिए।'' गहलोत ने कहा कि राहुल गांधी ने कहा था कि जनता से कनेक्शन जोड़ो, जनप्रतिनिधि को जनता के बीच जाना चाहिए। राजनीति में काम करने वालों का यही असली काम होता है कि जनता के बीच जाएं, जनसुनवाई करें। पर वहां घटना दूसरी हो गई, अति उत्साह में एसडीओ को बंद कर दिया। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राजस्थान में कानून का राज है, कानून का राज रहना चाहिए। इसलिए एसडीओ को बंद करने की एफआईआर दर्ज हो गई। मैंने तनाव के वक्त भी कहा था और अब भी खुले तौर पर कह रहा हूं कि कोई हिंसा करवाएगा, दंगे करवाएगा तो कानून अपना काम करेगा। गणेश घोघरा को इसलिए फील हुआ होगा कि एफआईआर दर्ज हो गई, कार्यकर्ताओं के खिलाफ भी हुई होगी।

उप सचेतक महेंद्र चौधरी के भाई पर मर्डर केस में गिरफ्तारी पर मुख्यमंत्री ने कहा मंत्री, विधायक अपने पद का दुरुपयोग कर किसी परिजन को बचाएं तो आप आरोप लगाएं। कोई गलत काम करता है तो कानून अपना काम करेगा तो मैंने पुलिस को दो टूक कह रखा है कि अपराध के मामले में निष्पक्ष होकर काम करना है, राजनीतिक सिफारिश नहीं माननी है।

'गेहूँ के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अनुमति के आधार पर गेहूं के निर्यात की अनुमति प्रदान की जाएगी। इसके अलावा अन्य देशों के अनुरोध पर भी सरकार निर्यात की अनुमति देगी।''

कर्मचारियों की धमकी, विधायकों का रवैया नहीं सुधरा तो आंदोलन करेंगे

अधिकारियों/कर्मचारियों के खिलाफ कांग्रेस विधायकों के रवैये से पनप रहा है कर्मचारी संगठनों में विरोध

जयपुर, 19 मई (का.प्र.)। राजस्थान की कांग्रेस सरकार इस बार राज्य कर्मचारियों को खुश करने के जहां हर जतन कर रही है वहीं दूसरी ओर कांग्रेस के विधायकों द्वारा कर्मचारियों के खिलाफ लगातार की जा रही कार्यवाहियों के बाद कर्मचारियों में सरकार के प्रति लगातार नाराजगी बढ़ती जा रही है। ऐसे में सरकार की ओर से राज्य कर्मचारियों के हितों में किए गए फैसलों के बावजूद कर्मचारी सरकार के प्रति खफ़ा नजर आते हैं।

बाड़ी विधायक गिर्राज मलिंगा और उनके समर्थकों द्वारा बिजली विभाग के अधिकारियों से मारपीट की घटना के अलावा एसीबी की ओर से आर.ए.एस. अधिकारी को बुलाकर पूछताछ करने के मामले हो चुके हैं और अब आदिवासी विधायक गणेश घोघरा और उनके समर्थकों द्वारा एसडीएम को बंद करने का मामला चर्चा में हैं। इन सब मामलों को लेकर राजस्थान के कर्मचारियों में कांग्रेस के प्रति गुस्सा पनपता दिख रहा है। कर्मचारी महासंघ की ओर से मुख्यमंत्री से इन तमाम मामलों को लेकर ज्ञापन देने तथा विधायकों के रवैये की शिकायत करने की तैयारी है। कर्मचारी संगठनों का कहना है कि वे विधायकों की ज्यादती अब ज्यादा बर्दाश्त करने की स्थिति में नहीं है।

कर्मचारी संगठन से जुड़े एक कर्मचारी का कहना है कि राज्य के कर्मचारी हितैषी मुख्यमंत्री कर्मचारियों के हित में नए-नए एतिहासिक फैसले कर आयाम स्थापित कर रहे है। इन फैसले में पुरानी पैन्शन योजना लागू करना, आर.जी.एच.एस. योजना, विभिन्न भत्ते बढ़ाये जाना, 3 लाख कर्मचारियों के वेतन कटौती के आदेशो पर रोक लगाने समेत अनेकों कर्मचारी हित के कार्यों के बावजूद विधायकों की ओर से राज्य सरकार के कर्मचारियों को ऑफिस में बंद कर देने, उनसे मारपीट करने तथा उनको स्थानान्तरण की धमकिया देने सहित मानसिक प्रताड़ना दी जा रही है। कर्मचारी नेता इसकी कड़ी निन्दा करते है। इस मामले को लेकर कर्मचारी महासंघ के प्रदेश प्रवक्ता एवं नर्सेज नेता नरेन्द्र सिंह शेखावत, राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष प्यारेलाल चौधरी, प्रदेश महामंत्री सुनील शर्मा का कहना है कि इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति पर रोक लगाने व दोषी लोगों पर कार्यवाही करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को ज्ञापन देगें।

इसके साथ ही उन्होंने चेतावनी दी है कि कर्मचारियों व अधिकारियों को इसी तरह से प्रताड़ित किया गया तो राज्य के समस्त कर्मचारी संगठनों की बैठक बुलाकर प्रभावी आन्दोलन किया जायेगा।

आज़म खान को जमानत

- आज़म खान की जमानत भी ऐसे मौके पर हुई है, जब आगामी जुलाई में रामपुर लोकसभा सीट पर उपचुनाव होने वाला है।

नई दिल्ली, 19 मई (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने सपा नेता और उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री आजम खान की अंतरिम जमानत की अर्जी गुरुवार को स्वीकार कर ली। न्यायमूर्ति एल. नागेश्वर राव, न्यायमूर्ति बी. आर. गवयी और ए. एस. बोपन्ना की पीठ ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत प्राप्त अपनी अधिकारों का प्रयोग करते हुए अंतरिम जमानत का आदेश पारित करते हुए याचिकाकर्ता पूर्व मंत्री को संबंधित अदालत के समक्ष दो सप्ताह के भीतर नियमित जमानत की अर्जी दाखिल करने की अनुमति दी। शीर्ष अदालत ने 17 मई को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने साइरस मिस्त्री की पुनर्विचार याचिका खारिज की

सुप्रीम कोर्ट ने टाटा संस लिमिटेड के अध्यक्ष पद से हटाने के कंपनी के फैसले को फिर बरकरार रखा

- वर्ष 2016 से चल रहे इस विवाद में टाटा समूह को एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले ने राहत दी है।

नई दिल्ली, 19 मई (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने साइरस मिस्त्री को टाटा संस लिमिटेड के अध्यक्ष पद से हटाने के टाटा समूह की कार्यवाही को सही ठहराने वाले अपने पिछले साल के एक फैसले पर पुनर्विचार करने से गुरुवार को इनकार कर दिया।

मुख्य न्यायाधीश एन. वी. रमना और न्यायमूर्ति ए. एस. बोपन्ना और न्यायमूर्ति वी. रामासुब्रह्मण्यन की पीठ ने साइरस मिस्त्री की याचिका खारिज कर दी।

याचिका शापूरजी पल्लोनजी समूह दायर की गई थी, जिसमें शीर्ष अदालत से 26 मार्च 2021 के अपने फैसले पर पुनर्विचार करने की गुहार लगाई गई थी।

उच्चतम न्यायालय ने 2021 में राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (एन.सी.एल.ए. टी.) के 18 दिसंबर 2019 के उस फैसले को पलट दिया था, जिसने टाटा संस लिमिटेड के अध्यक्ष के रूप में साइरस मिस्त्री को बहाल करने का आदेश दिया था।

हालांकि, शीर्ष अदालत ने मिस्त्री पर की गई कुछ खास टिप्पणियों को हटाने की उनकी गुहार संबंधी एक आवेदन को स्वीकार कर लिया। साइरस मिस्त्री ने उनका टिप्पणियों का विरोध किया था।

वर्ष 2016 से चल रहे इस विवाद में टाटा समूह को एक बार फिर शीर्ष अदालत के फैसले ने राहत दी है। रतन टाटा ने साइरस मिस्त्री को वर्ष 2016 में टाटा संस का अध्यक्ष नियुक्त किया था लेकिन कुछ ही समय बाद रतन टाटा एवं साइरस मिस्त्री के बीच रिश्तों में कुछ खटास आ गई और उन्होंने साइरस मिस्त्री को पद से हटाने का निर्णय लिया।

1948 में आज़ादी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एक्सपर्ट्स ने इन खबरों पर यह कहते हुए सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है कि चूक जीवन का अन्त नहीं है, बल्कि यह सुधारों और पुनर्निमाण के एक नए चरण की शुरुआत है।

यह बात भारत जैसे देश के मामले में अधिक सच जान पड़ती है। जैसा कि हमने देखा है वर्ष 1991-92 में विदेशी भुगतानों में चूक के खतरे ने भारतीय आर्थिक सुधार कार्यक्रमों की शुरुआत की थी, जो कि देश की आर्थिक संरचना के लिए सर्वाधिक महत्वाकांक्षी और व्यापक बदलाव थे और इन्होंने आर्थिक वृद्धि तथा विकास का सूत्रपात किया।

बाजार में आयी वर्तमान निराशा का कारण यह धारणा है कि अब मंदी आने वाली है। परिणामस्वरुप बड़े केन्द्रों से वित्तीय बाजार खिसक रहे हैं। शेयर्स की कीमतें धराशायी हो रही हैं और बॉण्ड्स से मुनाफा बढ़ रहा है।

वित्तीय बाजारों की अनिश्चिता और विपरीत रुख के समय में निवेशक प्राय: जोखिमपूर्ण परिसम्पत्तियों से किनारा कर अमेरिकी डॉलर वाली सेफ हैवन परिसम्पत्तियों की शरण में जाते हैं। इससे उभरते बाजारों में तुरंत प्रभाव से कुछ धनवापसी हो सकती है।

भारतीय स्टॉक मार्केट ने ग्लोबल ट्रैण्ड्स के कारण हाल ही के सप्ताहों में जबर्दस्त झटका खाया है। स्टॉक मार्केट के ट्रैण्ड्स जब कमजोर पड़ जाते हैं, तो विदेशी संस्थागत निवेशक अपने निवेश मूल्य: को बनाए रखने के लिए वहां से निकल लेते हैं। निवेशक इसके कारण निवेशक अपने् शेयर्स के मूल्य को रुपए में कन्वर्ट कर बाजार छोड़ देते हैं जिससे रुपए की विनिमय दर तुरंत प्रभाव से गिर जाती है।

यह वास्तव में वैसा ही है जैसा कि वर्ष 2008-09 के वैश्विक वित्तीय संकट के तुरंत बाद हुआ था। वैश्विक बाजारों के प्रति अविश्वासी रुख के कारण वित्तीय बाजार गिर गए थे। भारत के मामले में वैश्विक वित्तीय गिरावट स्टॉक और विदेशी विनिमय बाजारों के जरिए भारतीय बाजारों में प्रवेश कर गई थी। भारतीय रुपए में आई गिरावट और गंभीर होती, लेकिन रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया (आर.बी.आई.) ने बाजार में हस्तक्षेप कर रुपए को सराहा दिया। आर.बी.आई. ने रुपए का मूल्य स्थिर करने के लिए अपने मुद्रा भण्डार की तिजोरी खोल दी है।

सिद्धू को...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने इस दलील को अस्वीकार कर दिया कि उन्हें निन्दनीय मानव-वध का अपराधी माना जाये, हालांकि यह इंडियन पैनल कोड़ (आई.पी.सी.) की धारा 304ए के तहत, हत्या के समकक्ष न हो।

सर्वोच्च न्यायालय ने उस याचिका पर अपने निर्णय को 25 मार्च को सुरक्षित रख लिया था, जो याचिका इसी अदालत के उस आदेश पर पुनर्विचार हेतु लगाई गई थी, जिस आदेश में सिद्धू को इसी केस में 1000 रू. का जुर्माना करके छोड़ दिया गया था। अदालत ने सिद्धू की सजा में वृद्धि की माँग करने वाली इस पुनर्विचार याचिका स्वीकार कर लिया। वादी के वकील सुधीर वालिया ने इस फैसले का स्वागत किया है। सिद्धू को आदेश दिया गया है कि इस सजा के सिलसिले में पटियाला कोर्ट के समक्ष आत्म समर्पण कर दें। इससे पूर्व, सर्वोच्च न्यायालय ने उन्हें 1000 रू. जुर्माना करने के बाद मुक्त कर दिया था। उन्हें दी गई इस सजा का कारण 1988 में हुए तेज गति से गाड़ी चलान के कारण हुए हादसे में किसी गुरनाम सिंह नामक व्यक्ति की मृत्यु हो जाना रहा।

टोक्यो में क्वॉड नेताओं की सुरक्षा के प्रति जापान आशंकित

राष्ट्रपति बाइडन, प्रधानमंत्री मोदी, प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरीसन और प्रधानमंत्री कीशीदा फूमीयो की सुरक्षा में 18 हजार से अधिक जवान तैनात किये जायेंगे

- जापान की राजधानी टोक्यो में क्वॉड नेताओं की 24 मई को बैठक होने वाली है जिसमें ये सभी नेता शामिल होंगे।

नई दिल्ली, 19 मई। जापान की राजधानी टोक्यो में क्वॉड नेताओं की 24 मई को बैठक होने वाली है। इस बैठक में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जापान के प्रधानमंत्री फूमीयो कीशीदा और अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन शामिल होंगे। ऑस्ट्रेलिया में 21 मई को आम चुनाव हैं इसलिए यह साफ नहीं है कि ऑस्ट्रेलिया की ओर से क्वॉड शिखर सम्मेलन में कौन भाग लेगा। इस बीच टोक्यो पुलिस ने कहा है कि, क्वाड नेताओं की कड़ी सुरक्षा को लेकर करीब 18 हजार पुलिस अधिकारियों को टोक्यो में तैनात किया जाएगा।

जापान टाइम्स की एक रिपोर्ट बताती है कि टोक्यो के मेट्रोपॉलिटन एक्सप्रेसवे पर 22 मई से तीन दिनों के लिए यातायात प्रतिबंध लगाया जाएगा। टोक्यो मेट्रोपॉलिटन पुलिस विभाग को आशंका है कि, यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बीच तनावपूर्ण अन्तर्राष्ट्रीय वातावरण में हमलों और व्यवधानों का खतरा बढ़ सकता है। ऐसे में टोक्यो पुलिस ड्रोन का जवाब देने के लिए दंगा पुलिस और सुरक्षा दल भी तैनात करेंगे।

क्वॉड मीटिंग की जानकारी देते हुये भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 मई को टोक्यो में क्वाड समिट में शामिल होंगे। यह क्वाड लीडर्स के बीच चौथा पारस्परिक संवाद होगा। ये हिन्द प्रशांत क्षेत्र और परस्पर हित के दूसरे विश्व मुद्दों पर विचार साझा करने का अच्छा अवसर होगा।

विदेश मंत्रालय के मुताबिक, यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जापान के बिजनस लीडर्स के साथ एक बिजनस इवेंट में हिस्सा लेंगे। वे जापान में भारतीय समुदाय को भी संबोधित करेंगे और उनके साथ बातचीत करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी की ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय बैठक की भी संभावना है। वहीं पैंगौंग त्सो झील के पास चीन द्वारा ब्रिज तैयार करने की खबरों पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि, ब्रिज के बारे में रिपोर्ट देखी हैं, ये सैन्य मुद्दा है, इस पर मैं कुछ कह नहीं पाऊंगा, इसे हम अधिकृत क्षेत्र मानते हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि बातचीत चल रही है। एल.ए.सी. के बारे में हमारी लगातार वार्ता होती रहती है। चीन के विदेश मंत्री भी आए थे, हमारी अपेक्षाएं भी उनके आगे रखी गई। कोशिश रहेगी कि इसे आगे बढ़ाते रहें, बातचीत से समाधान निकालना पड़ेगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के मुताबिक, पिछले साल काबुल में सुरक्षा स्थिति के चलते सभी भारतीय कर्मियों को अफगानिस्तान से बाहर निकालना पड़ा।

जी.एस.टी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समर्थन करते हुये, न्यायमूर्ति डी.वाई. चन्द्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बैंच ने कहा कि जी.एस.टी. काउंसिल की अनुशंसाएं केवल ''विश्वासोत्पादक (पर्सुएसिव) हैं, बाध्यकारी नहीं।'' बैंच ने कहा कि जी.एस.टी. काउंसिल की भूमिका यहीं तक सीमित है कि वह केन्द्र तथा राज्य सरकार को उचित रूप से सलाह दे। बैंच के अन्य दो जज थे- न्यायमूर्ति सूर्यकांत एवं विक्रम नाथ।

फैसले में कहा गया है, ''सरकार, सी.जी.एस.टी. एक्ट तथा आई.जी.एस.टी. एक्ट के प्रावधानों के तहत, कानून बनाने के अधिकारों को काम में लेते समय, जी.एस.टी. काउंसिल की सिफारिशों से बाध्य है। लेकिन इसका यह अर्थ नहीं है कि अनुच्छेद 279ए (4) के आधार पर की गई जी.एस.टी. काउंसिल की सभी सिफारिशें प्राथमिक कानून बनाने के मामले में विधायिका की शक्ति का बाध्य करने वाली हैं।''

एक बार फिर ताइवान का मुद्दा छेड़ कर चीन को नाराज किया अमेरिका ने

अमेरिका ने कहा कि, ताइवान को डब्ल्यु.एच.ओ. की सदस्यता दी जाये

वॉशिंगटन, 19 मई (वार्ता/स्पूतनिक)। अमेरिका ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) को सलाह दी है कि वह आगामी विश्व स्वास्थ्य सभा (डब्ल्यू.एच.ए.) में ताइवान को एक पर्यवेक्षक के तौर पर आमंत्रित करने के मुद्दे पर विचार करें और ताइवान को इसमें शामिल होने वाले अन्य प्रतिभागियों के साथ अपनी विशेषज्ञता जाहिर करने का एक मौका दें। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने यह जानकारी दी है।

ब्लिंकन ने एक बयान में कहा, हम विश्व स्वास्थ्य संगठन में एक पर्यवेक्षक के रूप में भाग लेने के लिए ताइवान को आमंत्रित करने और मई में आयोजित होने वाले 75वें डब्ल्यू.एच.ए. में समाधान संबंधित चर्चाओं में ताइवान को अपनी विशेषज्ञता जाहिर करने का मौका दे।

विदेश मंत्री ने कि ताइवान वैश्विक स्वास्थ्य समुदाय का एक सक्षम और जिम्मेदार सदस्य है और इसकी क्षमताएं और इसकी क्षमताएं एवं दृष्टिकोण डब्ल्यू.एच.ए. चर्चाओं की दृष्टिकोण से काफी महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा, ताइवान को इससे बाहर रखने का कोई तुक नहीं बनता, बल्कि इसे शामिल करने से ही दुनिया की भलाई है। ब्लिकंन के मुताबिक वैश्विक महामारी के समय में पूरी दुनिया एकजुट रहा है, ऐसे में ताइवान को अलग-थलग रखना कदापि उचित नहीं है।

चीन ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि अमेरिका चीन के आंतरिक मामलों में दखल देता है, तो चीन अपनी संप्रभुता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए कठोर कदम उठाएगा।

चीन के विदेश मामलों के लिए केंद्रीय आयोग के कार्यालय के निदेशक यांग जिएची ने अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन से दूरभाष पर हुई वार्ता के दौरान यह बातें कही।

चीन के विदेश मंत्रालय ने वांग के हवाले से कहा, चीन अपनी संप्रभुता और सुरक्षा हितों की रक्षा के लिए निर्णायक कार्रवाई करेगा और जो हमने कहा है उसे करके दिखायेंगे।

वांग के अनुसार अमेरिका ने एक के बाद एक लगातार चीन के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने और उसके राष्ट्रीय हितों को नुकसान पहुंचाने वाले गलत कार्यों और बयानों की कतार लगा दी है।

'घर-घर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

''मुख्यमंत्री घर-घर राशन योजना'' की अनुमति न दिये जाने पर अड़ गये थे। इस फैसले से, इस योजना को लेकर, केजरीवाल को एक बड़ा झटका लगा है। ज्ञातव्य है कि पंजाब विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी की जीत के बाद केजरीवाल ने इस योजना को पंजाब में भी आगे बढ़ा दिया है।

उच्च न्यायालय, जिसने 10 जनवरी को अपने इस फैसले को सुरक्षित रख लिया था, ने दिल्ली सरकारी राशन डीलर्स संघ की याचिका को अनुमति प्रदान कर दी। इस संघ ने गत वर्ष उन निविदाओं को चुनौती दी थी, जो इस योजना की क्रियान्विति के लिये जारी की गई थीं। केन्द्र सरकार ने गत वर्ष इस याचिका का समर्थन कर दिया था तथा दलील दी थी कि उचित मूल्य की दुकानों को समाप्त नहीं होने दिया जा सकता क्योंकि ये दुकानें नैशनल फूड सिक्योरिटी एक्ट (एन.एफ.एस.ए.) की क्रियान्विति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

भाजपा में शामिल हुये सुनील जाखड़

- जाखड़ ने इस मौके पर कहा कि, भाजपा हाईकमान ने खुले दिल और आत्मीयता से मुझे पार्टी में आमंत्रित किया है।

नई दिल्ली,19 मई (वार्ता)। पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थाम लिया।

भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने जाखड़ को अंगवस्त्रम पहनाकर पार्टी में स्वागत किया और कहा कि राष्ट्रीय सोच और विचारधारा के लोगों का भाजपा में स्वागत है। जाखड़ ने कांग्रेस नेतृत्व की शैली पर गहरे सवाल उठाते हुए पिछले दिनों पार्टी से इस्तीफ़ा दे दिया था।

जाखड़ ने कहा कि भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने खुले दिल और आत्मीयता से उनका स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि वह निजी स्वार्थ की राजनीति नहीं करते लेकिन जिस तरह उनकी पिछली पार्टी कांग्रेस ने पंजाब को वहां की आबादी में, जात-पात और धर्म के प्रतिशत (अनुपात) के नाम पर बांटने की कोशिश की, वह उनके लिये पीड़ादायक था। उन्होंने कहा कि उन्होंने इस तरह की राजनीति का विरोध किया और इसलिये उन्हें कांग्रेस छोड़ना पड़ा। उन्होंने कहा कि पंजाब में कोई दोयम दर्जे का नागरिक नहीं है। पंजाब ने देश की सेवा में अपना नाम कमाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी अपने उसूलों से हट चुकी है।

सुप्रीम कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दी। किन्तु प्रबंध समिति के एक अधिकारी ने कहा है, ''धर्मनिष्ठ लोग वज़ू नहीं कर पा रहे हैं, क्योंकि जिस जगह नलों का पानी उपलब्ध है, वह जगह सील कर दी गई है। हमने नमाज़ियों से निवेदन किया है कि वे मस्जिद आने से पहले अपने घर पर ही वज़ू कर लें। वाराणसी की अंजुमन इन्तज़ामिया मस्जिद की प्रबंध समिति की ओर से प्रस्तुत वरिष्ठ वकील हुज़ेफ़ा अहमदी ने बैंच से कहा कि उनकी ''आशंका केवल यह है कि वज़ू खाना के पास वाली एक दीवार को गिराने के लिये कोई अर्ज़ी लगा दी गई है'' तथा आगे की कार्यवाही चल रही हैं।

बैंच ने एडवोकेट विष्णु शंकर जैन, जिन्होंने स्थगन का निवेदन किया था, ने कहा कि दूसरे पक्ष द्वारा व्यक्त डर/आशंका को मद्देनज़र रखते हुये, वे गुरुवार को ट्रायल कोर्ट के समक्ष सुनवाई के लिये दबाव न डालें।

वकील इस सुझाव से सहमत हो गये तथा अदालत ने इसे रिकॉर्ड पर ले लिया तथा ट्रायल कोर्ट को निर्देश दिये कि वह सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व आदेश की कठोरता से अनुपालना करे तथा इस मुकदमें की आगे कोई भी कार्यवाही करने से स्वयं को दूर रखे।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908